जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, रविवार 10 सितम्बर, 2023

5% बढ़ा सेजस्थान

45% और बढ़ेगा सेजस्थान

FIXED PRICE

KEDIA सेजस्थान

KOTHI & WALK-UP APARTMENT

अजमेर रोड़, जयपुर

NO MIDDLE-MEN

DIRECT TO CUSTOMER

PROPOSED FIXED RATE & RENTAL

पजेशन तक 50% बढ़ेगा सेजस्थान

1.5 गुना रिटर्न

BOOKING AMOUNT 10%

बड़ी-बड़ी कोठी बड़े-बड़े फ्लैट

POSSESSION DEC. 2025

युनिट टाइप	साइज	अगस्त की रेट NPO (New Product Offer)	सितम्बर की रेट +5%	अक्टूबर की रेट +10%	नवम्बर की रेट +15%	दिसम्बर की रेट +20%	जनवरी की रेट +25%	पजेशन की रेट +50%	पजेशन के बाद रेंटल
2 BHK (GF) अपार्टमेंट	1350 Sq Ft	45 L	47.25 L	49.50 L	51.75 L	54 L	56.25 L	67.50 L	22,000
3 BHK (SF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	50 L	52.50 L	55 L	57.5 L	60 L	62.50 L	75 L	25,000
3 BHK (FF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	55 L	57.75 L	60.5 L	63.25 L	66 L	68.75 L	82.50 L	28,000
3 BHK BIG कोठी	2000 Sq Ft	60 L	63.00 L	66 L	69 L	72 L	75 L	90 L	30,000
4 BHK BIGGER कोठी	2325 Sq Ft	70 L	73.50 L	77 L	80.50 L	84 L	87.50 L	105 L	40,000
4 BHK BIGGEST कोठी	3200 Sq Ft	100 L	105 L	110 L	115 L	120 L	125 L	150 L	50,000

KEDIA®

1800-120-2323

info@kedia.com www.kedia.com

www.rera.rajasthan.gov.in | RERA No. RAJ/P/2023/2387

WALKTHROUGH QR CODE | DOWNLOAD BROCHURE | LOCATION QR CODE | ROUTE MAP | SITE TOUR 360 DEGREE

*T&C Apply

विचार बिन्दु

प्रकृति का तमाशा भी ख़ूब है। सृजन में समय लगता है जबकि विनाश कुछ ही पलों में हो जाता है। –ज़क़िया ज़ुबैरी

प्राकृतिक जलवायु समाधानों के क्रियान्वयन बिना पृथ्वी पर जैव-विविधता और मानव का संकट टलना असंभव

जलवायु परिवर्तन के कारण ग्लोबलवार्मिंग को 2 डिग्री सेल्सियस से नीचे रखने हेतु पेरिस जलवायु समझौते के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए भूमि का बेहतर प्रबंधन अनिवार्य है। लेकिन अभी तक की मानवीय गतिविधियों ने वैश्विक तापमान में 1.25 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि की है, और उत्सर्जन की वर्तमान स्थिति से पता चलता है कि हम 10 वर्षों के पहले ही 1.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक का तापमान बढ़ा देंगे। हालांकि कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन की वैश्विक वृद्धि दर धीमी हुई है और कई देशों ने अपने उत्सर्जन लक्ष्यों को मजबूत किया है, लेकिन वर्तमान शताब्दी के मध्य तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन का लक्ष्य भी ग्लोबलवार्मिंग को पूर्व-औद्योगिक तापमान से 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने के लिए अपर्याप्त है। असल में 1.5 डिग्री सेल्सियस के लक्ष्यों की उपलब्धि के लिये मुख्य बाधाओं की प्रकृति भू-भौतिकीय नहीं है बल्कि हमारी राजनीतिक, सामाजिक और तकनीकी प्रणालियों की जड़ता है। इस जड़ता को दूर करने के लिए ऐसे राजनीतिक और कॉर्पोरेट नेतृत्व दोनों की आवश्यकता है, जो सिस्टम-स्तर और व्यक्तिगत जीवन शैली में बदलाव की आवश्यकता की बढ़ती सामाजिक मान्यता द्वारा समर्थित हो। इस लक्ष्य को प्राप्त करना संभव तो है किन्तु उपलब्ध साक्ष्य अभी तक ऐसा कोई संकेत नहीं देते कि दुनिया 1.5 डिग्री सेल्सियस के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए गंभीरता से प्रतिबद्ध है।

भूमि प्रबंधन हेतु उपलब्ध विकल्पों और उनकी शमन क्षमता के बारे में वैज्ञानिक स्थिति स्पष्ट करने और क्रियान्वयन योग्य बनाने के लिए 'प्राकृतिक जलवायु समाधान' (एनसीएस) पर वर्ष 2017 में एक लैंडमार्क पेपर प्रकाशित हुआ था। इस शोधपत्र में संरक्षण, पुनर्स्थापन, और बेहतर भूमि प्रबंधन हेतु 20 प्रकार के विकल्प चिन्हित किये गए हैं जो कार्बन भंडारण को बढ़ाते हैं और वनों, आर्द्रभूमियों, घास के मैदानों और कृषि भूमि में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को रोकते हैं। एनसीएस की अधिकतम क्षमता 23.8 पेटाग्राम कार्बन डाइऑक्साइड प्रति वर्ष के तुल्य है। यह पिछले अनुमानों से 30 प्रतिशत अधिक है। इस अधिकतम का लगभग आधा (11.3 पेटाग्राम कार्बन डाइऑक्साइड प्रति वर्ष के तुल्य) लागत प्रभावी जलवायु शमन है, यह मानते हुए कि वर्ष 2030 तक कार्बन डाइऑक्साइड प्रदूषण की सामाजिक लागत 100 डॉलर प्रति मेगाग्राम कार्बन डाइऑक्साइड तुल्य है। प्राकृतिक जलवायु समाधान आवश्यक लागत प्रभावी कार्बन डाइऑक्साइड शमन का 37प्रतिशत प्रदान कर सकते हैं और वर्ष 2030 तक तापमान 2 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहने की 66प्रतिशत संभावना है। इस लागत प्रभावी एनसीएस शमन का एक तिहाई 10 डॉलर प्रति मेगाग्राम कार्बन डाइऑक्साइड तुल्य पर या उससे कम पर किया जा सकता है। इन शमन अनुमानों की अनिश्चितता को नियंत्रित करने के लिए शोध जारी है। फिर भी, वर्तमान में उपलब्ध प्रमाण जलवायु परिवर्तन के प्रमुख समाधान के रूप में पारिस्थितिकी तंत्र के प्रबंधन में सुधार हेतु तत्काल वैश्विक कार्रवाई के लिए ठोस वैज्ञानिक आधार प्रदान करता है।

प्राकृतिक जलवायु समाधान उन रणनीतियों और कार्यों के एक समूह को संदर्भित करते हैं जो जलवायु परिवर्तन को संबोधित करने और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने के लिए प्रकृति और उसके पारिस्थितिक तंत्र का उपयोग करते हैं। ये समाधान जलवायु परिवर्तन से निपटने में एक महत्वपूर्ण सहयोगी के रूप में कार्य करने की प्रकृति की शक्ति को पहचानते हैं और प्राकृतिक आवासों की सुरक्षा, बहाली और टिकाऊ प्रबंधन पर जोर देते हैं। पुनर्वनीकरण, वन संरक्षण, आर्द्रभूमि बहाली और टिकाऊ भूमि प्रबंधन जैसे प्राकृतिक जलवायु समाधानों को लागू करके, हम कार्बन पृथक्करण को बढ़ा सकते हैं, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम कर सकते हैं और समग्र पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य को बढ़ावा दे सकते हैं। ये क्रियाएं न केवल कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करने और संग्रहीत करने में मदद करती हैं बल्कि जैव-विविधता को संरक्षित करती हैं, पानी की गुणवत्ता में सुधार करती हैं, मिट्टी के स्वास्थ्य को बढ़ाती हैं और स्थानीय समुदायों को अतिरिक्त लाभ प्रदान करती हैं।

एक बात यहाँ ध्यान रखना आवश्यक है कि नेचुरल क्लाइमेट सल्यूशन ऊर्जा क्षेत्र के डीकार्बोनाइजेशन का विकल्प नहीं है; बल्कि, उत्सर्जन कटौती लक्ष्यों को पूरा करने और उससे आगे बढ़ने में मदद करने के लिए डीकार्बोनाइजेशन प्रयासों के साथ अनिवार्य रणनीति का हिस्सा हैं।

इस संबंध में क्रियान्वयन को अब और पीछे नहीं टाला जा सकता। कारण यह है कि एनसीएस के सफल होने की संभावना वर्ष 2030 तक अच्छी है किन्तु बाद में, विशेषकर वर्ष 2050 के बाद, काफी हद तक घटने की आशंका है। इसके तीन मुख्य कारण हैं:– जैसी कि आशंका है, जलवायु परिवर्तन की प्रतिक्रियाएं धीरे-धीरे पारिस्थितिक तंत्र की जैव-विविधता, मूल संरचना, इकोसिस्टम फंक्शन्स और लचीलेपन को ही कम कर देंगी, जिसके परिणामस्वरूप प्रकृति द्वारा कार्बन प्रथक्करण और संग्रहीत करने की उनकी क्षमता में भारी कमी आ सकती है। इस बीच, यदि जीवाश्म-ईंधनों से उत्सर्जन में यथावत (बिज़नेसएेजयूज़ुअल) वृद्धि जारी रही तो एनसीएस की तुलनात्मक प्रभाविता बहुत कम हो जाएगी।

> **जलवायु परिवर्तन को कम करने की दिशा में वन प्रबंधन और जैव-विविधता हानि को रोकने के लिए वन संरक्षण एक महत्वपूर्ण तंत्र है। संरक्षित क्षेत्र वैश्विक वन संरक्षण प्रयासों की नींव हैं और संयुक्त राष्ट्र एसडीजी को प्राप्त करने में प्रगति निर्धारित करने के लिए संरक्षित क्षेत्रों की प्रभावशीलता की निगरानी महत्वपूर्ण है।**

वैश्विक समुदाय लंबे समय से जलवायु परिवर्तन शमन के लक्ष्य निर्धारित कर रहा है, लेकिन कुछ हो नहीं रहा है। अब इन लक्ष्यों को पूरा करने हेतु ठोस क्रियान्वयन का समय आ गया है। हम यहाँ पर इस क्रियान्वयन हेतु एक श्रंखलाबद्ध रूप में प्रमाण-आधारित मार्गदर्शन उन लोगों के लिए प्रदान करेंगे जो अपने नियंत्रणाधीन क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन की गति कम करने के लिए प्रकृति की क्षमता का मूल्यांकन करते हुए क्रियान्वयन करना चाहते हैं। यहाँ यह आज स्पष्ट करना आवश्यक है कि जलवायु परिवर्तन और जैव-विविधता हानि जैसी पर्यावरणीय समस्याओं के समाधान में प्रमुख बाधाएँ राजनीतिक हैं। राजनेताओं और निर्णय-कर्ताओं की प्रबल और अटूट प्रतिबद्धता के बिना राजनीतिक परिदृश्य में निहित इन बाधाओं से प्रभावी ढंग से नहीं निपटा जा सकता है।

कार्बन चक्र में पृथ्वी के पारिस्थितिक तंत्र महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वर्ष 2010 के आंकडों के अनुसार लगभग भूमि के ऊपर 308 गीगाटन वैश्विक स्थलीय कार्बन संचित है और इन तंत्रों द्वारा लगभग 8 गीगाटन कार्बन डाइऑक्साइड सालाना संचित की जा रही है। सतह के ऊपर संचित कार्बन की हानि के मुख्य कारण वनों की कटाई, वन क्षरण, और अन्य पारिस्थितिक तंत्रों की बर्बादी हैं। इसके उलट वनस्पति में कार्बन सिंक का बढ़ना वन पुनर्स्थापन, वनीकरण और बेहतर वन प्रबंधन और संरक्षण आदि पर निर्भर करता है। कई नीतिगत निर्देश इस बात पर जोर देते हैं कि आवास संरक्षण और पुनर्स्थापन को जैवविविधता संरक्षण और जलवायु परिवर्तन शमन में एक साथ योगदान देते हैं। इनमें संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी), जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (यूएनएफसीसीसी) और जैवविविधता पर कन्वेंशन (सीबीडी) और संयुक्त राष्ट्रसंघ का पारिस्थितिक तंत्र पुनर्स्थापन दशक आदि के तहत विविध निर्णय शामिल हैं। लक्ष्य निर्धारण और अंतर्राष्ट्रीय रणनीतियों और कार्य योजनाओं के कार्यान्वयन का समर्थन करने के लिए यह जानना आवश्यक है कि अच्छी तरह से संरक्षित क्षेत्र जैवविविधता के संरक्षण और जलवायु परिवर्तन शमन जैसी अन्य पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं के बीच बढ़िया तालमेल बैठाने में कैसे योगदान करते हैं।

जलवायु परिवर्तन को कम करने की दिशा में वन प्रबंधन और जैव-विविधता हानि को रोकने के लिए वन संरक्षण एक महत्वपूर्ण तंत्र है। संरक्षित क्षेत्र वैश्विक वन संरक्षण प्रयासों की नींव हैं और संयुक्त राष्ट्र एसडीजी को प्राप्त करने में प्रगति निर्धारित करने के लिए संरक्षित क्षेत्रों की प्रभावशीलता की निगरानी महत्वपूर्ण है। हालांकि संरक्षित क्षेत्रों की स्थापना जैव-विविधता संरक्षण पर केंद्रित है, तथापि, जैवविविधता संरक्षण से कार्बन संरक्षण का स्पष्ट सह-लाभ भी है। विशेषकर पुराने, जैवविविध वन भी प्राय: अधिक कार्बन संठाहीत करते हैं। संरक्षित क्षेत्र कई क्षेत्रों में वन आवरण के नुकसान को प्रभावी ढंग से रोकने के साथ-साथ तापमान और स्थानीय जलवायु को विनियमित करने और संभावित रूप से कार्बन पृथक्करण क्षमता को बढ़ावा देते हैं। इसलिए संरक्षित क्षेत्रों का विस्तार जलवायु परिवर्तन शमन को बढ़ावा देने का एक उत्तम रास्ता है। अक्षुण्ण वन, विशेष रूप से उष्णकटिबंधीय वन, वस्तुत: अधिक मानव-प्रभावित वनों और रोपित मोनोकल्चर की तुलना में दोगुना अधिक कार्बन सोख सकते हैं। ऐसा माना जाता है कि संरक्षित वन क्षेत्र शुद्ध वैश्विक जीएचजी सिंक का एक बड़ा अंश (लगभग 27 प्रतिशत) योगदान करते हैं, लेकिन स्थलीय पारिस्थितिकी तंत्र में अबवग्राउंड कार्बन स्टॉक और प्रवाह के परिमाण में बडी अनिश्चितताएं बनी हुई हैं। वैश्विक स्तर पर संरक्षित क्षेत्र किस हद तक कार्बन उत्सर्जन से बचने या कार्बन सीक्वेस्ट्रेशन में योगदान करते हैं, यह अभी तक साफ़ नहीं था। अब हाल में हुई शोध इस बात को स्पष्ट करती है। नासा के जीईडीआई मिशन से सटीक लिडारडेटा का उपयोग करते हुए एक हालिया अध्ययन में अनुमान लगाया गया है कि संरक्षित क्षेत्रों में 61.43 गीगाटन का भारी अबवग्राउंड कार्बन स्टॉक है, जो सभी स्थलीय काष्ठीय कार्बन का लगभग 26 प्रतिशत है। उल्लेखनीय यह भी है कि असुरक्षित वनों की तुलना में संरक्षित क्षेत्र अतिरिक्त 9.65 गीगाटन कार्बन का योगदान करते हैं, जो मुख्य रूप से वनों की कटाई और गिरावट के रुकने से हो रहा है। यह अतिरिक्त कार्बन भंडार लगभग एक वर्ष के वैश्विक जीवाश्म ईंधन उत्सर्जन के बराबर है। शोध के ये निष्कर्ष भविष्य में कार्बन उत्सर्जन से बचने और कार्बन पृथक्करण को संरक्षित करने के लिए उच्च बायोमास वाले वनों को प्राकृतिक जलवायु समाधान की रणनीति के अनुरूप संरक्षित क्षेत्र घोषित करने की त्वरित आवश्यकता को दर्शित करते हैं (देखें, एल. डनकैंसन इत्यादि, नेचर कम्युनिकेशन्स, 14, आर्ट. 2908, 2023)।

आने वाले समय में श्रृंखलाबद्ध रूप से हम प्रत्येक प्राकृतिक जलवायु समाधान का यहां विस्तृत वर्णन करेंगे जो भारत में क्रियान्वित करना आवश्यक है। भारत द्वारा नेशनली डिटरमाइंड कंट्रीब्यूशन के प्रकाश में प्रत्येक समाधान के योगदान पर चर्चा की जाएगी। इसके साथ ही भारत के प्रत्येक राज्य में जो महत्वपूर्ण क्रियान्वयन हो रहे हैं या हुए हैं उनको केस स्टडीज के रूप में भी यहां वर्णित किया जाएगा। एक अच्छी बात यह है कि भारत सरकार का वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय तथा सभी राज्य सरकारों के वन एवं पर्यावरण विभागों द्वारा प्राकृतिक जलवायु समाधान की दिशा में गहरी प्रतिबद्धता दर्शित की गई है। सरकारों द्वारा किए जा रहे क्रियान्वयन को प्रमाण-आधारित बनाने के लिए अनेक वैश्विक संस्थान जानकारी साझा करने के लिए तत्पर हैं। ऐसे संस्थानों का यह भी मानना है कि भारत में किये जा रहे क्रियान्वयन विश्व केलिए मार्गदर्शन प्रदान कर सकते हैं। विशेष रूप से द नेचर कंजर्वेन्सी और टेरी स्कूल ऑफ़ एडवांस्ड स्टडीज के सहयोग से भारत के विभिन्न राज्यों में 16 राउंड टेबल्स और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इसके साथ ही राष्ट्रीय स्तर पर भारत सरकार के सहयोग से दो राष्ट्रीय कार्यशालाएं भी प्रस्तावित हैं। आशा की जाती है कि ऐसे नवाचारों द्वारा उपलब्ध ज्ञान को उन लोगों तक पहुंचने में मदद मिलेगी जो इस ज्ञान का प्रयोग जमीन पर प्राकृतिक जलवायु समाधानों के क्रियान्वयन हेतु कर सकते हैं।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त; वर्तमान में अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

पाचन क्रिया में क्या कोई इंटेलिजेंस सदृश्य (बुद्धिमता) तकनीक काम करती है?

हम सभी प्रतिदिन स्वभावत: दो बार आहार ग्रहण करते हैं। जिसमें विभिन्न प्रकार के अवयव यथा चपाती, चावल, दाल, एक या दो सब्जी, चटनी, सलाद, पापड़ दही, छाछ आदि सम्मिलित रहते हैं। भोजन के ये सभी अवयव हम बड़े स्वाद से खाते चले जाते हैं, जब तक कि भूख शांत नहीं हो जाती अथवा पेट नहीं भर जाता। खाते समय हम कभी तनिक भी विचार नहीं करते कि पेट में पहुँचने के बाद आहार का क्या होता है? आहार के सभी अवयव कैसे पचते हैं उनमे क्या परिवर्तन होता है, परिवर्तन कौन करता है? इसकी परवाह खाने वाला कभी नहीं करता और न इस बारे में सोचता है। एक निश्चित अवधि उपरांत खाया हुआ आहार मल द्वार से शरीर के बाहर उत्सर्जित कर दिया जाता है और पेट हल्का अनुभव होता है। कुछ देर बिना खाये रहने पर फिर भूख लगने लगती है।

ये भूख क्या है? और क्यों पैदा होती है? हम कभी नहीं सोचते। तात्पर्य यह है कि यह सब क्रियाएं स्वचालित हैं लेकिन इनके पीछे कुछ मनोवैज्ञानिक और स्नायु अथवा तंत्रिकाएं काम करती हैं। स्वानुभव से मैंने यह जाना है कि पूरा पाचन तंत्र और पाचन प्रणाली बहुत जटिल है। और आपस में अनेक गुल्थियाँ ऐसी संलग्न कि उन्हें अलग-अलग समझने से जटिलताएं और अधिक जटिल प्रतीत होती हैं।

आहार ग्रहण करते समय आँखे (दृष्टि), नाक (सुगंध) और (मस्तिष्क) सोच बड़ी भूमिका निभाते हैं जिससे आहार के पचने में काफी प्रभाव पड़ता है। यहाँ तक कि किसी खाद्य विशेष के पूर्व अनुभव को भी मष्तिष्क प्रभाव में ले आता है यदि वह आपकी थाली में मौजूद है। आहार का प्रथम ग्रास मुहं में रखते ही खाद्य के बारे में सूचनाएँ मष्तिष्क को पहुंचना शुरू हो जाती हैं जिससे वह आमाशय में आने वाले खाद्य के बारे में समुचित तैयारी कर आमाशय में स्थित पाचन उचित स्त्राव जिसमे वांछित एंजाइम आदि होते हैं उड़ेलने शुरू कर ग्रंथिओं को कमांड देती हैं। मनुष्यों में मुंह के अंदर से ही पाचन क्रिया आरम्भ हो जाती है। भोजन को खाते समय काफी देर तक चबाने की अनुशंसा की जाती है क्योंकि मुंह में थूक या लार (सलीवा) मिलता है उसके तरल होने के कारण ग्रास मुलायम होकर चिकना तो होता ही है, निगलने में सुगम भी हो जाता है। इस लार में एक एंजाइम जिसे टीलिन कहते हैं, भोजन के अंदर उपस्थित स्टार्च का पाचन शुरू कर देता है स्टार्च काफी जटिल पदार्थ होता है भोजन का, जो हमारे खाद्य का सबसे प्रमुख अंश होता है यह मुंह की लार से ही टूट कर अपेक्षाकृत कुछ कम जटिल तत्वों में विभक्त हो जाता है जैसे-- सेल्यूलोस, हेमिसेलुलोस, डेक्सट्रिन आदि जो पाचन प्रणाली के आगे के अंगों में विघटित होकर सबसे सरल अवयवों यथा ग्लूकोस, फ्रुक्टोस अवस्था में पहुंच कर आंत से रक्त में अवशोषित हो जाते हैं। मुहं से ग्रास के आमाशय में पहुंचते ही गैस्ट्रिक जूस नाम का स्त्राव जिसमें नमक का तेजाब होता है निकल कर भलीभांति खाये गए भोजन में मिल जाता है। तेज़ाब और खाद्य के मिलने से अनेक फायदे हैं, तेज़ाब खाद्य में मौजूद सभी प्रकार के जीवाणुओं को मार देता है जिससे खाने वाले को भोजन से किसी प्रकार के संक्रमण की सम्भावना समाप्त हो जाती है। इस समय आमाशय में तेज़ाब के कारण काफी गर्मी पैदा होती है जो पाचन में सहायक होती है इसलिए खाते समय पानी या कोई भी तरल और ठंडा पदार्थ नहीं लेने की सिफारिश की जाती है क्योंकि ऐसा करने पर आमाशय में उत्पन्न ज्वाला यकायक शांत हो जाती है जिससे विकार उत्पन्न होते हैं। आग पर पानी डालने पर बुझते समय धुआं निकल जाता है। वही स्तिथि आमाशय में घटित हो जाती है।दूसरे गैस्ट्रिक जूस में दो एंजाइम यथा, पेप्सिन और स्टैप्सिन भी होते हैं जो भोजन में विध्यमान प्रोटीन और वसा को, क्रमश: कुछ सरल रूपों में जैसे मेटाप्रोटीन, पेप्टोन, पेप्टाइड और वसा को सरल अवयवों जैसे ग्लिसरॉल व् ट्राइग्लिसराइड में परिवर्तित कर देते हैं। इस स्टेज पर भी भोजन के अवयव आंत से अवशोषित होने की अवस्था में नही हो पाते, आगे उन्हें और सरल घटकों में टूटना पड़ता है। लगभग आधा से पोन घंटे तक भोजन आमाशय में टिका रहता है। खाद्य के पाचन तंत्र में आगे बढ़ने के लिए आंत में संकुचन और रिलेक्सेशन जिसे पेरिस्टेलसिस कहते हैं गति शुरू हो जाती है जिससे भोजन पाचन प्रणाली में धीरे-धीरे आगे बढ़ता है। पेरिस्टलसिस क्रिया भी हृदय की भांति चलती रहती है जिस पर भोजन में मौजूद फाइबर अहम् भूमिका निभाता है। ध्यान रहे यह फाइबर क्रूड फाइबर नहीं होता जो पशुओं के भूसे आदि में होता है। बिना पेरिस्टलसिस भोजन आगे नहीं बढ़ सकता एक ही स्थान पर टिका रहकर सड़ना शुरू हो जाता है जो अनेक विकारों को पैदा कर देता है।

आमाशय के बाद भोजन डुओडेनम में पहुँचता है यहाँ पर भोजन में गॉल ब्लैडर से बायल जूस, पैंक्रीयस से पैंक्रिअटिक जूस आकर भोजन में मिलते हैं, बायल जूस विलिरूबिन के कारण पीला होता है जिससे मल का रंग भी कुछ पीलेपन पर ही होता है। बायल में कुछ ऐसे तत्व भी होते हैं जो भोजन में उपस्तिथ वसा को साबुन में बदल देते हैं जिससे वसा ग्लिसरॉल और डिग्लीसेरिड में टूट जाते हैं, याद रहे ग्लिसरॉल एक अल्कोहल होता है जो वसा को घुलनशील रखता है ताकि उसका पाचन सुगम हो सके।

आगे छोटी आंत में भोजन में फिर एक जूस मिलता हैं जिसमे अधपचे स्टार्च या शर्करा, पेप्टोन, पेप्टाइड आदि पदार्थों को इन्वरटेसस और ट्रिप्सिन क्रमश शर्करा को सबसे सरल ग्लूकोस और फ्रुक्टोज़ और पेप्टाइड व् पेप्टोन को विभिन्न एमिनो एसिड्स में बदल देते हैं जिन्हे छोटी आंत से शरीर अवशोषित कर लेता है इससे पचा हुआ पदार्थ कुछ ठोस या गाढ़ा हो जाता है।

यहाँ से भोजन आगे बड़ी आंत (कोलन) में पहुँचता है जहाँ कोई पाचन तो नहीं होता अपितु पानी का अवशोषण होता है और फाइबर जो पचने में कठिन होता है बड़ी आंत में मौजूद जीवाणुओं द्वारा फरमेंट (किण्वित) होकर कुछ आर्गेनिक अम्ल यथा ब्यूटिरिक आदि में बदल जाते हैं जिनकी उपस्तिथि कोलन कैंसर होने से बचाव में और कैल्शियम के अवशोषण में सहायक होते हैं ये जीवाणु लाभदायक कहे जाते हैं। बड़ी आंत से मल आगे रेक्टम या मलाशय में एकत्रित होता है और फिर मल द्वार से बाहर निकल जाता है।

इस प्रकार पांच जूस-- सलीवा, गैस्ट्रिक, बायल, पैंक्रियटिक व इंटेस्टिनल और इनमे मौजूद एंजाइम से भोजन की सम्पूर्ण पाचन क्रिया संपन्न होती है। जिसका मनुष्य को भान भी नहीं होता कि अंदर क्या हो रहा है। वास्तव में पाचन प्रणाली के विभिन्न भागों में जो क्रियाएं होती हैं उनके संचालन में मष्तिष्क का कार्य प्रमुख है। यदि मष्तिष्क गलत कमांड देकर किसी कारण जूस और उसमें मौजूद एंजाइम की सांद्रता अथवा संरचना / सघटन बदल दे तो पाचन के परिणाण विपरीत हो सकते हैं। इसी प्रकार अनेक खाद्य एक भोजन में लेने से मष्तिष्क कभी भ्रमित होकर व असमंजस में पड़ कर गलत कमांड देकर एक भिन्न संघटन का स्त्राव श्रावित करा दे तो पाचन सामान्य से विचलित हो सकता है।

इसलिए मेरा अनुभव और सोच यह कहती है कि एक समय के भोजन में अधिक प्रकार के घटक शामिल न करे बल्कि अन्य घटक किसी अन्य समय खाएं ताकि आपका मष्तिष्क भ्रमित न हो। पश्चिमी पोषक विज्ञानिओं की अनुसंशा कि भोजन में अनेक घटक शामिल करे मैं उपरोक्त वर्णन के अनुसार इसे सिरे से खारिज करता हूँ। शरीर की प्रणालिओं को जितना जटिलताओं से बचाएंगे पाचन उतना ही अधिक सुद्रण और शरीर माफिक रहेगा।

आखिर में दो शब्द मासाहार के बारे में भी लिख देता हूँ। सभी माँसाहारी जीवों की पाचन तंत्र सात-आठ फ़ीट से अधिक लम्बा नहीं होता इसलिए मांस जल्दी पचकर बाहर निकल जाता है। वही मांस मनुष्य की पाचन प्रणाली में पच तो जल्दी जाता है परन्तु शरीर से बाहर निकलने में लगभग तीस फ़ीट का रास्ता तय करना होता है जिस मय लगता है। फलस्वरूप अधिक देर तक आंत में विध्यमान रहने से पचा भोजन वहां सड़ना शुरू हो जाता है, और कई विकार पैदा कर सकता है। लेख को लिखते समय इसे टेक्निकल व पेचीदा होते हुए भी मैंने सरल तरीके से प्रस्तुत करने की कोशिस की है। सभी पाठकों को यह अच्छा लगे ऐसी आशा है।

पाठकों के विचार आमंत्रित हैं।

–प्रो. डॉ. वीर बहादुर सिंह,
(पूर्व कुलपति एवं डेयरीविज्ञ महाराणा प्रताप कृषि एवं खाद्य प्रौद्योगिकी वि.वि., उदयपुर-राज.)

जोधपुर की पूर्व महारानी हेमलता राजे के नेतृत्व में नौ दिवसीय पदयात्रा रामदेवरा पहुंची

जोधपुर/पोकरण/रामदेवरा, (निसं)। जोधपुर की पूर्व महारानी हेमलता राजे के नेतृत्व व सैनाचार्य अचलानन्द गिरी के सानिध्य में रामदेवरा तक नौ दिवसीय पदयात्रा शनिवार को रामदेवरा पहुंची व बाबा रामदेवजी के मंदिर में पूजा अर्चना की व देश-प्रदेश व मारवाड की खुशहाली, अमन-चैन व सद्भावना बनाए रखने के लिए प्रार्थना की गई।

पदयात्रा में पूर्व विधायक बाबू सिंह राठौड़, जसवन्त सिंह इंदा, महावीर सिंह गंठिया, नरेन्द्र पंवार, सुनील भाटी, छोटू सिंह नाडसर सहित अनेक पदयात्री साथ थे व कल्याण सिंह राठौड़ व फारूक अहमद खान भी उपस्थित थे। सैनाचार्य के निजी सचिव रघुवीर सिंह भदावत ने बताया कि पदयात्रा के रामदेवरा पहुंचने के दौरान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत मंदिर में दर्शन करके लौट रहे थे। उसे दौरान मुख्यमंत्री ने अपना काफिला रुकवा कर पैदल चल रही पूर्व महारानी हेमलता राजे व सैनाचार्य अचलानन्द गिरी को पदयात्रा के लिए शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने सैनाचार्य से आशीर्वाद लिया। हेमलता राजे व सैनाचार्य का पोकरण में प्रात: पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष जयनारायण व्यास विश्वविधालय आनन्द सिंह के आवास पर आयोजित कार्यक्रम में गुलाब सिंह गुड्डी, गंगा सिंह सत्याया, राजेंद्र सिंह इंदा, राणा प्रताप सिंह, पूर्व प्रधान बाबू सिंह इंदा, सवाई सिंह ने स्वागत किया। पूर्व विधायक सांग सिंह भाटी द्वारा आयोजित स्वागत कार्यक्रम में पूर्व सांसद जसवंत सिंह विश्नोई, अखिल भारतीय बिश्नोई महासभा के अध्यक्ष देवेंद्र बुडयिा, पूर्व प्रधान सुनीता भाटी, सेवानिवृत्ति एडिशनल एसपी किशन सिंह भाटी, राजपूत सेवा समिति अध्यक्ष बलवंत सिंह, जिला परिषद सदस्य किशन सिंह राठौड, सरपंच मोहन सिंह गुड्डी ने गोमट में सेवानिवृत्ति मुख्य अभियंता गोपाल सिंह भाटी के फार्म पर आयोजित स्वागत समारोह में स्वागत किया गया।

रामदेवरा पहुंचने मंदिर कमेटी के अध्यक्ष गांधी पति भोम सिंह, सरपंच समदर सिंह, प्रधान भगवत सिंह सहित अनेक लोगों ने स्वागत किया। हेमलता राजे व सैनाचार्य अचलानंद गिरी महाराज ने जोधपुर से साथ आये सभी पदयात्रियों को उनकी सफल रामदेवरा पदयात्रा के लिए शुभकामनाएं दी। पदयात्रा संयोजक सुरेश बुगालिया ने बताया कि रामदेव बाबा पदयात्रा के नौवे दिन सभी पदयात्रा उत्साह व उमंग के साथ रामदेवरा पहुंचे।

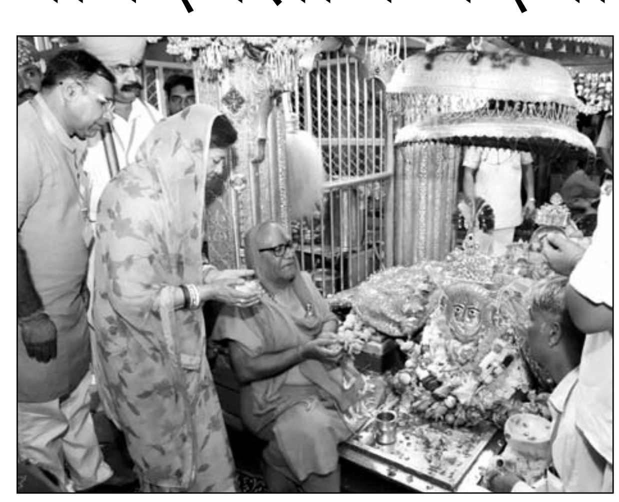

रामदेवरा में जोधपुर महारानी हेमलता राजे ने बाबा रामदेवजी के दर्शन कर सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

- **हेमलता राजे ने लोक देवता बाबा रामदेवजी के दर्शन कर पूजा-अर्चना की**
- **हेमलता राजे व सैनाचार्य अचलानंद गिरी महाराज ने सभी पदयात्रियों को शुभकामनाएं दी**

सैशन शुरू होने के तीन महीने बाद सरकारी स्कूल क्रमोन्नत, पंद्रह नए स्कूल भी खोले

- **राज्य के 156 प्राइमरी स्कूल अब अपर प्राइमरी में क्रमोन्नत**

बीकानेर, (कासं)। राजस्थान में विधानसभा चुनाव की आचार संहिता लगने से पहले शिक्षा विभाग ने स्कूल्स को अपग्रेड करने और नए खोलने का सिलसिला तेज कर दिया है। राज्य के 156 प्राइमरी स्कूल्स को अब अपर प्राइमरी स्कूल्स में तब्दील कर दिया है, जबकि सैशन शुरू हुए करीब तीन महीने बीत चुके हैं। ऐसे में इन स्कूलों में नए स्टूडेंट्स जुड़ने की उम्मीद बहुत कम है। माध्यमिक शिक्षा निदेशक कानाराम की ओर से जारी आदेश में क्रमोन्नत स्कूलों में इस साल सिर्फ क्लास छह शुरू करने की स्वीकृति दी गई है। अगले सेशन में इन स्कूल्स में क्लास सात और उससे अगले साल क्लास आठ शुरू हो सकेगी। अगर स्कूल्स में छात्र संख्या पर्याप्त होगी तो इसी सत्र से क्लास सात और आठ भी शुरू हो सकती है। राज्य के लगभग सभी जिलों में स्कूल क्रमोन्नत हुए हैं। अकेले अलवर में 22 स्कूल्स को प्राइमरी से अपर प्राइमरी में क्रमोन्नत किया गया है। शिक्षा मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला के विधानसभा क्षेत्र से ही चार स्कूल क्रमोन्नत हो गए। इनमें मुक्ता प्रसाद नगर के वार्ड सत्रह में, सर्वोदय बस्ती, बाल्मिकी बस्ती बंगला नगर, बाल्मिकी बस्ती गंगाशहर और भीनासर के प्राइमरी स्कूल को अब अपर प्राइमरी स्कूल बना दिया गया है। जयपुर जिले के 12 स्कूल्स को क्रमोन्नत किया गया है। अगर स्कूल्स में छात्र संख्या पर्याप्त है तो इसी सत्र में लेवल दो के तीन टीचर्स को पोस्टिंग दी जाएगी। शिक्षा विभाग ने प्रदेश में पंद्रह नए प्राइमरी स्कूल शुरू करने की स्वीकृति दी है। इसमें बीकानेर के बंगला नगर में भी एक स्कूल शुरू हो रहा है। इसके अलावा बाडमेर, भीलवाड़ा, चूरू, धौलपुर, गंगानगर, जयपुर, जैसलमेर, झुंझुनूं, जोधपुर, कोटा और सीकर में नए स्कूल शुरू किए गए हैं।

राशिफल रविवार 10 सितम्बर, 2023

पंडित अनिल शर्मा

भाद्रपद मास, कृष्ण पक्ष, एकादशी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2080, पुनर्वसु नक्षत्र सांय 5:06 तक, वारियान योग रात्रि 11:19 तक, बव करण प्रात: 8:24 तक, चन्द्रमा दिन 10:25 से कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-कन्या, बुध-सिंह, गुरू-मेष, शुक्र-कर्क, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज रवि पुष्य योग सांय 5:06 से सूर्योदय तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग सांय 5:06 से आरम्भ होगा। राजयोग 9:29 से सूर्योदय तक है। आज अजा एकादशी व्रत स्मार्कों, वैष्णवों का है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 7:46 से 9:14 तक, लाभ-अमृत 9:14 से 12:24 तक, शुभ 1:56 से 3:29 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 6:13, सूर्यास्त 6:34

मेष
घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। धार्मिक कार्यों में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

वृष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है।

मिथुन
मन:स्थिति ठीक रहेगी। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। महत्वपूर्ण व्यक्तियों से संपर्क बनेंगे। अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है।

कर्क
अपने आवश्यक कार्यों को करने का प्रयास करें। प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे।

सिंह
घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा। अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है।

कन्या
अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

तुला
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। धार्मिक कार्यों में भाग लेने का अवसर मिलेगा। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

धनु
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

मकर
परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कुंभ
अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। किसी भी कारण से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

मीन
परिजनों का व्यवहार अच्छा नहीं रहेगा। व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। व्यक्तिगत प्रतिष्ठा का ध्यान रखें। आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 74 संख्याः 40 प्रभात जयपुर, रविवार 10 सितम्बर, 2023 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 3.50 रु.

ARBIT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

Shiva Nataraja's Ananda Tandava

"Now he danced them in again, flinging stars into their heavens, evoking life upon the earth, a kinaesthesia of overflowing grace and love."

A DOCTOR'S PALETTE

A seasoned doctor, Dr. Sushma Mahajan discovered her innate talent and passion for art during the lockdown.

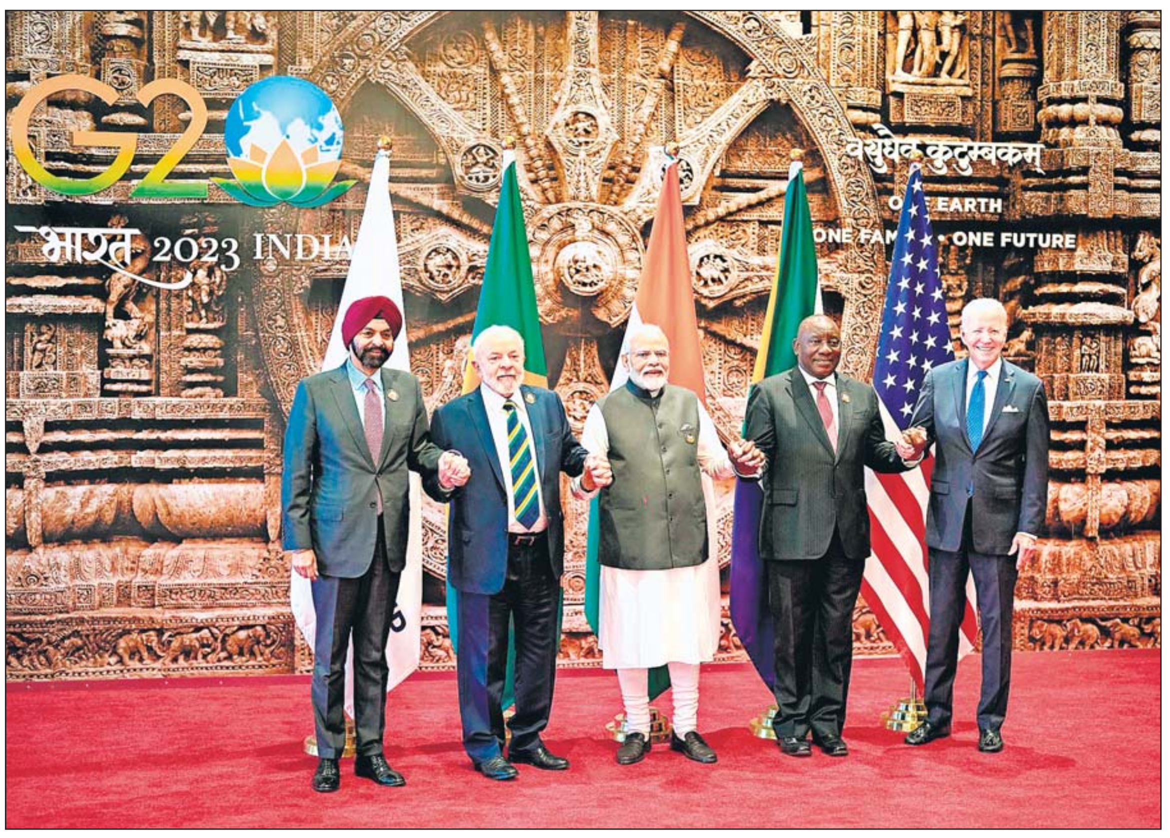

''वसुधैव कुटुंबकम'' की भावना को सदैव अंगीकार और साकार करने वाले ''भारत'' और देश की अध्यक्षता में हो रहे जी-20 समिट के आयोजन में शनिवार को एक और ऐतिहासिक उपलब्धि जुड़ गई, साउथ अफ्रीकी यूनियन भी दुनिया के इस सबसे ताकतवर संगठन का सदस्य बन गया। गौरतलब है कि, प्रधानमंत्री मोदी ने खुद दक्षिण अफ्रीका से वादा किया था और साउथ अफ्रीकी यूनियन को इस संगठन की सदस्यता दिलाने का व्यक्तिगत तौर पर बीड़ा उठाया था। दक्षिण अफ्रीका ने जी-20 संगठन में शामिल होने पर खुशी जताते हुए कहा है कि, अब से पहले दुनिया के बड़े हिस्से और बड़ी आबादी को इस तरह के अंतरराष्ट्रीय महत्वपूर्ण मंचों से दूर रखा गया था, लेकिन भारत की अध्यक्षता के दौरान जो कदम उठाए गये हैं वे कदम दुनिया को सही दिशा देने में अहम् भूमिका निभायेंगे। दिल्ली में नवनिर्मित भारत मण्डपम में शनिवार दोपहर को जी-20 बैठकों का दौर शुरु हो गया। आयोजन स्थल में ही शाम को जी-20 नेताओं का ग्रैण्ड डिनर रखा गया है, जिसमें देश और दुनिया के 170 से अधिक राजनेता और शीर्ष संगठनों के प्रमुख भाग लेंगे। ऊपर दी गई तस्वीर हैंडशेक मोमैंट की है जिसमें (बांए से दांए) वर्ल्ड बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा, ब्राज़ील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा व अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन नज़र आ रहे हैं।

नई दिल्ली घोषणा पर जी-20 देशों की सहमति, भारत की भारी कूटनीतिक जीत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जी-20 के पहले दिन इस संबंध में घोषणा की और इसे ''गुड न्यूज़'' बताया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 सितम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज घोषिणा की कि जी-20 में नेताओं की घोषणा के लिए सर्वसम्मति हो गई है। प्रधानमंत्री ने जी-20 सम्मेलन के पहले दिन तालियों की गड़गड़ाहट के बीच कहा, ''एक खुशखबरी है कि सभी के सहयोग से नई दिल्ली जी-20 के नेतृत्व की घोषणा में सर्वसम्मति हो गई है।

नई दिल्ली जी-20 नेतृत्व घोषणा पर सर्वसम्मति होना भारत के लिए कूटनीतिक जीत है। भारत जी तोड़-कोशिश कर रहा था कि संयुक्त घोषणा में यूक्रेन के उल्लेख पर विभाजन न हो। घोषणा पत्र में 38 पृष्ठ और 75 परिच्छेद हैं। कई दिनों की अटकलबाजियों और आलोचनाओं के बाद जी-20 सम्मेलन नई दिल्ली जी-20 नेताओं की घोषणा को अंगीकृत कर लिया गया। इस बड़े

- **इस घोषणा पत्र को भारत की भारी कूटनीतिक जीत बताया जा रहा है, क्योंकि भारत की कूटनीतिक टीम ने यूक्रेन युद्ध पर रूस के खिलाफ पश्चिमी देशों के कठोर रूख को नरम बनाने में सफलता प्राप्त की है।**
- **भारत की कोशिश थी कि, यूक्रेन वॉर के मुद्दे पर जी-20 के सदस्य देशों में मत विभाजन ना हो और न ही रूस के खिलाफ कोई कड़ी टिप्पणी की जाए।**
- **रूस के खिलाफ कठोर टिप्पणी रूकवा कर, भारत अपने पुराने मित्र के साथ मित्रता निभाने में सफल रहा है।**
- **पश्चिमी देशों द्वारा रूस के विरोध का दबाव बनाए जाने पर भारत ने कहा कि, जी-20 का निर्माण विश्व की आर्थिक चुनौतियों से निपटने के लिए हुआ था, हमें उसी पर ध्यान रखना चाहिए।**

विकास का कई नेताओं और अधिकारियों ने स्वागत किया और कहा कि यह ऐतिहासिक दस्तावेज़ मानव केन्द्रित वैश्वीकरण पर नरेन्द्र मोदी के रूझान को मान्यता देता है।

घोषणा में कहा गया है कि परमाणु हथियारों का उपयोग या उपयोग की धमकी अस्वीकार्य है और इस प्रकार यूक्रेन के साथ रूस के युद्ध का उल्लेख टाल दिया गया और मॉस्को की प्रत्यक्ष आलोचना नहीं हुई। वैश्विक संगठन ने केवल यूक्रेन में समग्र, न्यायपूर्ण और स्थायी शांति की बात की और सदस्य देशों को याद दिलाया कि वे सीमा के अधिग्रहण के लिए शक्ति के प्रयोग या उसकी धमकी से बचे।

गत वर्ष इंडोनेशिया में हुए सम्मेलन की तर्ज पर जी-20 घोषणा एकदम स्पष्ट है, जिसमें संयुक्त राष्ट्र के एक प्रस्ताव का हवाला दिया गया है जिससे यूक्रेन पर रूस के हमले की कड़ी निंदा की गई है। गत वर्ष फरवरी में यूक्रेन पर जो हमला हुआ था, उसका 38 पृष्ठ के इस दस्तावेज में केवल तीन बार उल्लेख

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जी-20 की दिल्ली घोषणा भारत के सुपर पावर बनने का संकेत

पश्चिम के भारी दबाव के बावजूद संयुक्त घोषणा में रूस विरोधी टिप्पणी शामिल नहीं होने दी भारत ने

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 सितम्बर। भारत ने जी-20 नेताओं के सम्मेलन के बाद, रूस के यूक्रेन युद्ध से पैदा होने वाले भू-राजनैतिक मुद्दों को बाईपास करते हुये, एक सर्वसम्मत घोषणा तैयार करके एक बड़ी कूटनीतिक जीत हासिल की है। भारत ने कहा था कि प्राथमिक रूप से जी-20 एक ऐसा प्लेटफॉर्म नहीं है, जहां विश्व के भू-राजनैतिक मुद्दों को संबोधित किया जाये।

- **भारत का तर्क था कि, जी-20 का गठन जिओ-पोलिटिकल मुद्दों के समाधान के लिए नहीं हुआ था।**
- **भारत ने याद दिलाया कि, 2008 की वैश्विक वित्तीय मंदी के बाद विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की नीतियों की समीक्षा करने व आर्थिक मसलों के प्रबंधन के लिए जी-20 का गठन हुआ था।**
- **बताया जाता है कि, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक दिल्ली घोषणा में रूस की निंदा शामिल कराना चाहते थे।**

याद दिला दें कि जी-20 की परिकल्पना एक साझा मंच पर विश्व के समक्ष मौजूद आर्थिक मुद्दों का सर्वसम्मत समाधान करने वाले प्लेटफॉर्म के रूप में की गई थी। आलोचक तथा पश्चिमी सूत्र भले ही यह कहें कि यह उपलब्धि किसी ठोस कदम एवं कार्यवाही की बजाय, शब्दों तक सीमित है।

जी-20 का गठन 2008 वैश्विक वित्तीय मंदी के बाद हुआ था, जब दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं की नीतियों एवं कार्यों का समन्वय करना जरूरी ही नहीं, बल्कि अनिवार्य हो गया था ताकि वैश्विक मंदी के घातक परिणामों एवं प्रभावों पर विजय पायी जा सके।

इसके साथ ही, इस घोषणा में रूस का नाम लिये बिना, उसकी अप्रत्यक्ष भर्त्सना भी निहित है। घोषणा में कहा गया है कि ''न्यूक्लिअर हथियारों को काम में लेने की धमकी अग्राहय एवं अस्वीकार है।'' ज्ञातव्य है कि जब रूसी राष्ट्रपति ब्लादिमिर पुतिन ने यूक्रेन हमला किया था तो उन्होंने परमाणु हथियारों के उपयोग की धमकी दी थी।

''दिल्ली घोषणा'' में यह भी कहा गया है कि ''सभी देशों को अन्य सम्प्रभु देशों की राजनैतिक स्वतंत्रता या प्रभुसत्ता तथा जमीनी अखंडता के जमीनी अधिग्रहण की धमकी या धमकी के प्रयोग से बचना होगा।'' घोषणा में, भारत की सोच एवं रुख के अनुरुप, इस विचार का समर्थन किया गया है कि सभी मुद्दों का समाधान ''पूरी तरह से'' यू.एन. चार्टर के ढ़ाँचे के अंदर ही होना चाहिये।''

बाली सम्मेलन से लेकर दिल्ली घोषणा तक की जी 20 की स्थिति के बारे में पूछे गये एक सीधे प्रश्न के उत्तर में, विदेश मंत्री सुब्रमण्यम जयशंकर ने रुखा एवं संक्षिप्त जवाब दियाः ''बाली बाली था तथा नई दिल्ली नई दिल्ली है।'' उन्होंने कहा कि ''बाली घोषणा'' एक साल पुरानी है, जबकि ''दिल्ली घोषणा'' इस समय की है। दिल्ली घोषणा मौजूदा हालात पर प्रतिक्रिया है।

इसके साथ ही, जयशंकर ने यह भी स्वीकार किया कि विभिन्न ग्रुपों में, यूक्रेन युद्ध सहित, ज्वलंत मुद्दों के सम्बंध अलग-अलग प्रकार के विचार हैं। दिल्ली घोषणा में यूक्रेन की स्थिति का 8 पैराग्राफों में उल्लेख किया गया है

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या आपको कम सुनाई देता है। ?
ऑटोमेटिक
कान की मशीनें
स्पीच थैरेपी
कॉकलियर इम्पलांट, ऑटिजम
डिले स्पीच, हकलाना, तुतलाना
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
सम्पर्क - 94602 07080

खड़गे को निमंत्रण नहीं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 सितम्बर। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की तरफ से शनिवार की रात को दिए गए भोज के लिए जी-20 के डैलिगेट्स को भेजे गए निमंत्रण पत्र का मसौदा तैयार करने वाले, विदेश मंत्रालय ने आमंत्रित जनों की सूची में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का नाम शामिल नहीं किया, जबकि, वे राज्य सभा में विपक्ष के नेता हैं।

- **जी-20 मेहमानों को राष्ट्रपति द्वारा दिए गए रात्रि भोज में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को निमंत्रण नहीं दिया गया, जबकि वे लोकसभा में विपक्ष के नेता हैं। विपक्षी दलों ने इसे प्रोटोकॉल का उल्लंघन बताया।**

कांग्रेस के नेताओं ने कहा कि, जी-20 समिट के लिए विपक्ष को निमंत्रण नहीं देना देश के प्रजातांत्रिक ढांचे पर हमला है, विशेष रूप से जबकि, प्रोटोकॉल को देखते हुए, राज्य सभा में विपक्ष के नेता के रूप में खड़गे एक महत्वपूर्ण पद पर हैं। इतना ही नहीं, विभिन्न विपक्षी दलों को भी आमंत्रित नहीं किया गया है, जबकि, दो पूर्व

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आज पायलट के गढ़ में विशाल जनसभा को संबोधित करेंगी प्रियंका गांधी

राजनैतिक हल्कों में प्रियंका के इस रूख के खास अर्थ निकाले जा रहे हैं

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 सितम्बर। राहुल गांधी ने राजस्थान में कांग्रेस के चुनाव-प्रसार का शुभारम्भ आदिवासी क्षेत्र में अपनी जनसभा से किया था। और अब बारी प्रियंका गांधी की है, जो टोंक जिले के निवाई कस्बे में एक जनसभा को संबोधित करेंगी। यह स्थान सचिन पायलट के विधानसभा क्षेत्र से लगा हुआ है।

सचिन पायलट, जो देश के बाहर गये हुये थे, अब वापस आ गये हैं तथा वे प्रियंका गांधी के निवाई के कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। आज उन्होंने व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए सभा स्थल का निरीक्षण किया।

- **सूत्रों का कहना है कि, सभा के लिए टोंक जिले के निवाई का चयन कर प्रियंका ने स्पष्ट संकेत दिया है कि, वे पायलट को कितनी तवज्जो देती हैं।**
- **जनसभा कार्यक्रम में ही मुख्यमंत्री गहलोत ने सरकार के कुछ कार्यक्रम भी रखवा दिए हैं।**
- **सभा स्थल पर बने डोम में गहलोत सरकार की मनलुभावन योजनाओं की प्रदर्शनी लगाई गई है।**
- **एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि, इन मन लुभावन योजनाओं का क्रियान्वयन बेहद घटिया है। दोयम दर्जे की चीजें बांटी जा रही हैं, जिनसे फायदे की बजाय भारी नुकसान हो सकता है।**

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक सरकारी योजना ''इंदिरा गांधी ग्रामीण रसोई योजना'' को लॉन्च करने के लिए प्रियंका गांधी की मौजूदगी सुनिश्चित कर ली है। इस योजना के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्र के लोगों के लिये 8 रू. में भोजन की थाली उपलब्ध होगी।

अशोक गहलोत ने बहुत सारी सरकारी योजनाएं लॉन्च की हैं, लेकिन रिपोर्ट ये मिल रही हैं कि, इन योजनाओं की क्रियान्विति बहुत अधिक कमज़ोर है। जैसे अनाज का वितरण, जिसकी क्वालिटी इतनी खराब है कि, इस स्कीम को लेकर लोगों की प्रतिकूल प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। यही हाल मोबाइल फोन वितरण स्कीम का है, इसमें भी फोन की क्वालिटी इतनी खराब है कि, प्राप्तकर्ताओं में इसे लेकर भारी प्रतिक्रिया हो रही। लोगों का कहना है कि, घटिया माल दिया जा रहा है।

एक वरिष्ठ नेता ने कहा, लाभ की जगह नुकसान हो रहा है और इन योजनाओं से ना तो मुख्यमंत्री और ना ही गहलोत सरकार को कोई लाभ हो रहा है। कहा जा रहा है कि, मुख्यमंत्री ने अपनी सीकर यात्रा रद्द कर दी और केन्द्रीय गृह मंत्रालय पर दोष लगाया कि, दिल्ली में हो रहे जी-20 कार्यक्रमों की वजह से उन्हें अनुमति नहीं दी गई। गृह मंत्रालय ने प्रतिक्रिया में कहा है कि, मुख्यमंत्री ने चार अनुमतियाँ मांगी थीं और उन्हें सभी अनुमतियाँ दी गई थीं, इसलिए उनका आरोप निराधार है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

''भारत नेम लेट''

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 सितम्बर। शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ''भारत'' नेम प्लेट के पीछे बैठकर जी-20 लीडर्स समिट की पहली बैठक को संबोधित किया। पारंपरिक ''इण्डिया'' नेम प्लेट का इस्तेमाल करने के बजाय, जी-20 समिट के प्रथम सत्र में प्रधानमंत्री मोदी के सामने देश के नाम की प्लेट पर ''भारत'' लिखा था।

पिछले सप्ताह, राष्ट्रपति मुर्मू की तरफ से जी-20 नेताओं को भेजे गए डिनर के निमंत्रण में ''प्रैसिडैंट ऑफ भारत'' लिखा था, जिसे लेकर काफी विवाद और अटकलबाजियाँ शुरु हो गई थीं। यह चचाएं भी शुरु हो गई थीं कि, 18 से 22 सितम्बर तक होने वाले संसद के विशेष सत्र में देश का नाम बदला जा सकता है।

- **जी-20 के पहले सत्र में प्रधानमंत्री मोदी के सामने लगी देश की नेम प्लेट पर ''भारत'' लिखा हुआ था।**

जी-20 नेताओं ने ''मॉडर्न डे स्पाइस रूट'' को फाइनल टच दिया

ट्रेन और वॉटरवेज़ का यह कॉरिडोर भारत को यूरोप से जोड़ देगा

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 सितम्बर। अभी चल रहे जी-20 सम्मेलन का एक लाभ है, एक महत्वाकांक्षी परियोजना की घोषणा, जिसके तहत सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, जॉर्डन, इज़रायल और यूरोप से रेल एवं समुद्री मार्ग से भारत को जोड़ने के लिए कॉरीडोर बनाया जाएगा।

यह कॉरीडोर व्यापार परिवहन ऊर्जा स्त्रोतों और डिजिटल संपर्क को बढ़ाएगा और इसे चीन की बैल्ट एंड रोड परियोजना के जवाब के रूप में देखा जा रहा है। अमेरिका स्वयं को विकासशील देशों विशेषकर भारत-प्रशांत क्षेत्र में वैकल्पिक भागीदार और निवेशक के रूप में प्रस्तुत कर रहा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवान ने कहा कि यह परियोजना ग्लोबल इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमैंट का ही एक घटक है। इस परियोजना की घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन, भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और यूरोपियन यूनियन की अध्यक्ष अर्सुला वॉन डर लेयन ने की।

इस परियोजना में खाड़ी देशों और अरब देशों को रेल नेटवर्क से जोड़न का विचार है, जो भारत से पश्चिमी एशियाई बंदरगाहों से जहाजरानी मार्गों के माध्यम से भारत से जुड़ेगा। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि इस परियोजना से अल्प और मध्य आय वाले देशों की आधारभूत ढांचे की जरूरतें पूरी करेंगी। यह मध्य-पूर्व से उठने वाली अशांति और असुरक्षा को कम करने में मदद करेगी।

- **इसे जी-20 शिखर वार्ता का भारत के लिए बड़ा तोहफा बताया जा रहा है। इससे भारत, सऊदी अरेबिया, यू.ए.ई., जॉर्डन, इज़राइल और यूरोप से जुड़ जाएगा।**
- **भारत के प्रधानमंत्री मोदी, अमेरिका के राष्ट्रपति बाइडन और यूरोपियन यूनियन की प्रैसिडैंट अर्सुला वॉन डर लेयन ने इस मैगा प्रोजैक्ट की संयुक्त घोषणा की। अमेरिका इस प्रोजैक्ट को वित्तीय मदद देगा।**
- **इस प्रोजैक्ट को चीन के बैल्ट एण्ड रोड इनिशिएटिव का जवाब माना जा रहा है। दावा है कि, इससे व्यापार और डिजिटल कनैक्टिविटी को प्रोत्साहन मिलेगा।**

रेल और जहाजरानी कॉरीडोर से विश्व का एक बड़ा भाग जुड़ सकेगा। जिससे देशों के बीच बेहतर डिजिटल संपर्क होगा और हाइड्रोजन जैसे ऊर्जा उत्पादों का बेहतर व्यापार हो सकेगा।

अगले 60 दिनों में कार्यकारी समूह बन जाएंगे और समयबद्ध योजना भी पहले चरण में उन क्षेत्रों को रेखांकित किया जाएगा, जिसमें निवेश की जरूरत है और जहां भौतिक आधारभूत ढांचे को दो देशों के बीच जोड़ा जा सकता है। वैश्विक आधारभूत ढांचे और ऊर्जा सुरक्षा के लिए बाइडन के समन्वयक एमॉस होश्टीन ने कहा, ''इन योजनाओं को अगले साल क्रियान्वित किया जा सकता है ताकि वित्तीय प्रबंध और निर्माण आरंभ हो सके।

परियोजना की तैयारी जनवरी में आरंभ हुई थी जब व्हाइट हाउस ने इस विचार पर अपने क्षेत्रीय सहभागियों से चर्चा आरंभ की। परियोजना का एक उद्देश्य है इज़रायल को साथ लेना जिसके सऊदी अरब से राजनयिक संबंध नहीं है। अमेरिका दोनों देशों के संबंध सामान्य बनाने को प्रयासरत है।

आर.एस.एस. की बड़ी बैठक 14 से पुणे में

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 सितम्बर। पांच राज्यों में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले पुणे में 14 सितम्बर को राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ व उसके संबंधित संगठनों की समन्वय बैठक होने जा रही है, जिसके केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा राजनैतिक रणनीति पर चर्चा करेंगे। बैठक में 26 संबंधित संगठन शामिल

- **केन्द्रीय मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा भी इस तीन दिवसीय बैठक में भाग लेंगे और आगामी चुनावों की रणनीति पर चर्चा करेंगे।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सच्चाई के लिए जैसे मैंने सत्ता छोड़ी थी, गुढा ने भी इसी रास्ते को अपनाया : शिंदे

उदयपुरवाटी विधायक राजेंद्र गुढा शिवसेना में हुए शामिल, महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने दिलाई सदस्यता

- **बेटे के जन्मदिन पर गुढ़ा के फार्म हाउस पर हुई बड़ी जनसभा**
- **गुढा बोले, ''शिव सेना का राजस्थान में तीर चलेगा, परिवर्तन लाएंगे''**

महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने शनिवार को उदयपुर वाटी विधायक राजेन्द्र गुढा को शिवसेना में शामिल किया।

जयपुर/झुंझुनूं/उदयपुरवाटी। अशोक गहलोत सरकार से बगावत कर लाल डायरी से सियासत को गरमाने वाले उदयपुर वाटी विधायक राजेन्द्र गुढा ने शनिवार को अपने विधानसभा क्षेत्र स्थित अपने फार्म पर बेटे शिवम के जन्मदिन पर शिवसेना का दामन थाम लिया है। उन्हें शिवसेना जॉइन कराने खुद महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे हेलीकॉप्टर से यहां पहुंचे। राजेंद्र गुढा ने इस मौके पर बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया था जिसमें बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। जन सभा का भी आयोजन किया गया जिसमें शिंदे ने अपनी बात रखी।

शिंदे ने मीडिया से बातचीत और जनसभा के संबोधन राजस्थानी में खमाधणी और राम-राम से शुरू किया। कहा कि गुढा शिवसेना के सदस्य बने हैं। महाराष्ट्र के उद्योग मंत्री उदय सावंत व राजस्थान की इकाई यहां मौजूद हैं। राजस्थान वीरो, संतों, देवो की भूमि हैं। मैं इसे नमन करता हूं। पूरे देश मे 25 राज्यो में शिवसेना काम कर रही है। इसका गर्व है अभिमान है। राजेंद्र कई सालों से मंत्री विधायक के रूप में काम कर रहे हैं। बेटे उज्वल राजनैतिक भविष्य के शुभकामनाएं देता हूं।

उन्होंने कहा कि राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत पिछले साल गुढा के बेटे शिवम के जन्मदिन पर यहां आए थे। गुढा को कहा था की आपकी बदौलत ही मुख्यमंत्री हूँ। आपकी वजह से ही सरकार बची है। आप नही होते तो मेरी जगह कोई दूसरा ही होता। गुढा का सही कहना, क्या गलत है। जनता की आवाज उठाई। सच्चाई के लिए मंत्री पद छोड़ा। ऐसे जनप्रतिनिधियों की आवश्यकता इस देश के लोगो को है। मैने भी सच्चाई व बाला साहब के विचारों के लिए सत्ता को छोड़ दिया। जनता की आवाज को उठाया। गुढा ने भी सच्चाई सामने लाने का काम किया।

इस दौरान पूर्व मंत्री राजेंद्र गुढा ने शिवसेना में शामिल होने के बाद कहा कि शेखावाटी की धरती से देश में सबसे ज्यादा शहीद होते हैं। इस जमीन से 1962 व 1971 के युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की गांव गांव में शहीदों की प्रतिमाए लगी हैं। महाराष्ट्र में जिस तरीके से शिवसेना दिन रात तरक्की कर रही है। उसी तरह राजस्थान में कंधे से कंधा मिला कर शिवसेना की शुरुआत कर रहे हैं। राजस्थान की धरती से शिवसेना का तीर शानदार तरीके से चलेगा और राजस्थान में परिवर्तन लाएंगे। आम कार्यकर्ताओ की भावनाओं का सम्मान करते हुए पूरे हिंदुस्तान में परचम लहराया जाएगा।

इस मौके पर राजेंद्र गुढ़ा ने एकनाथ शिंदे को शिवसेना के चुनाव चिन्ह तीर कमान और तलवार भी भेंट की। एकनाथ शिंदे ने राजेंद्र गुढ़ा के बेटे शिवम गुढा को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। महाराष्ट्र सीएम एकनाथ शिंदे ने राजेन्द्र सिंह गुढ़ा के बेटे शिवम को केक कटवाकर हैप्पी बर्थडे बोलकर जनता को फिर आने की बात कहकर निकल गए। केक कटवाते समय लोगों के लिए लगाई गई कुर्सियां आगे के अलावा पीछे खाली ही पड़ी नजर आई।

प्रदेश कांग्रेस सरकार अब विधायक राजेन्द्र सिंह गुढ़ा पर कार्यवाही करते हुए विधायकी से भी बर्खास्त करने की कार्यवाही विधानसभा अध्यक्ष से करने की मांग कर सकती है। विधानसभा अध्यक्ष नियमानुसार कार्यवाही करते हुए गुढ़ा को विधायकी से बर्खास्त कर सकता है। किसान नेता धन्नाराम सैनी का कहना है कि राजेन्द्र सिंह गुढ़ा के कोई भी मोरल नहीं है। वो कभी झोपड़ी में जाते हैं, कभी बसपा में जाते, मंत्री बनने के लिए कांग्रेस में चले गए और आगे का राजनीतिक भविष्य संवारने के लिए शिवसेना में चले गए। मैं महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को बताना चाहता हूं कि आपकी पार्टी भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ने का काम करती आई। आपने अपनी पार्टी में सबसे बड़े भ्रष्टाचारी राजेन्द्र गुढ़ा को मिला लिया है।

परिवर्तन संकल्प यात्राओं में उमड़ रहे हजारों लोग : अरूण सिंह

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं प्रदेश प्रभारी अरूण सिंह ने शनिवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय पर प्रेसवार्ता को संबोधित किया। उनके साथ चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक नारायण पंचारिया भी मौजूद थे।

- **'राहुल गांधी, खड़गे और प्रियंका राजस्थान आए लेकिन दुष्कर्म पीड़ित परिवारों को सांत्वना तक देने नहीं गए'**
- **'प्रदेश में कानून व्यवस्था बद से बदतर लेकिन मुख्यमंत्री सदन में एक शब्द नहीं बोलते'**

जयपुर। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं प्रदेश प्रभारी अरूण सिंह ने शनिवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय पर प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा से प्रदेश का जन-जन जुड़ रहा है। यात्रा के दौरान दुष्कर्म पीड़ित परिवार, कर्ज से तंग किसानों सहित ऐसे लोग भी फरियाद और शिकायत लेकर आ रहे हैं जिनके परिवार के सदस्य की हत्या हो गई और उन्हे न्याय नहीं मिला। पूर्वी राजस्थान में जहां कांग्रेस के सात मंत्री सरकार में हैं, वहां भी परिवर्तन संकल्प यात्रा को जनता का अपार सहयोग एंव जनसमर्थन मिल रहा है। बाड़ी और नदबई में छोटी-छोटी स्वागत सभाओं में पांच-पांच हजार लोग एकत्रित होकर परिवर्तन के नारे लगा रहे हैं। अभी तक चारों यात्राओं में करीब 500 स्थानों पर स्वागत अभिनंदन के साथ ही 226 के करीब स्वागत सभाएं आयोजित हुई हैं। इसके अलावा 50 बडी जनसभाएं आयोजित की गई हैं जिनमें 9 केंद्रीय मंत्री, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी, भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे, नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, उपनेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया, राष्ट्रीय सचिव अल्का गुर्जर और कौर कमेटी के सदस्य शामिल हो रहे हैं। इसके अलावा स्थानीय विधायक एवं सासंद यात्रा के साथ चल रहे हैं।

राष्ट्रीय महामंत्री एवं प्रदेश प्रभारी अरूण सिंह ने कहा कि परिवर्तन संकल्प यात्रा में दलित वर्गों से लोगों का अपार समर्थन मिल रहा है। बाडी, नदबई, धौलपुर, डूंगरपुर, उदयपुर, डबोक, जैसलमेर और करणपुर सहित ऐसे काफी स्थान हैं जहां लोग महज स्वागत के लिए हजारों की संख्या में पहुंच रहे हैं। प्रदेश की जनता मौजूदा अशोक गहलोत सरकार से पूरी तरह त्रस्त हैं। प्रदेश में बीते दिनों में 14 संतों की हत्या हो गई। वहीं कई संतों ने प्रशासन से तंग आकर आत्महत्या कर ली।

उन्होने कहा कि कांग्रेस की नेता प्रियंका गांधी राजस्थान आ रही हैं, और वे वहीं जाती हैं जहां भाजपा सरकार नहीं होती। मैं उनसे आग्रह करना चाहता हूं कि बीते कुछ दिनों में प्रदेश में 31 मासूमों के साथ दुष्कर्म और हत्या के वीभत्स अपराध हुए हैं। प्रियंका गांधी को उनके घर जाकर उन परिवारों को सांत्वना देनी चाहिए उनका हाल जानना चाहिए। प्रदेश के मुख्यमंत्री गहलोत जो कि खुद गृहमंत्री हैं, उन्होने कभी भी विधानसभा में कानून व्यवस्था को लेकर एक शब्द तक नहीं बोला। जब उनसे प्रदेश की कानून व्यवस्था संभल नहीं रही तो उन्हे गृहमंत्री पद को तो मुक्त करना चाहिए।

सिंह ने कहा कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे राजस्थान आते हैं, लेकिन डीडवाना के उस दलित परिवार की पीड़ा में शामिल नहीं हुए जिनकी कुचल-कुचल कर हत्या कर दी गई। भीलवाडा भी नहीं गए जहां एक नाबालिग को दुष्कर्म के बाद भट्टी में डाल दिया। राहुल गांधी भी बांसवाड़ा आए लेकिन किसी दुष्कर्म पीड़ित परिवार से मिलने नहीं गए। खुद सरकार के मंत्री सरकार के खिलाफ बिजली की मांग को लेकर धरने पर बैठे हैं। मुख्यमंत्री खुद टॉर्च की रोशनी में दस्तावेज पढ़ रहे हैं। वहीं एक मंत्री कहता है कि सीएम को काले झंडे दिखाओ तो मेवाराम जैन खुद की सरकार के विरोध में उतर आए हैं। प्रेसवार्ता के दौरान चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक नारायण पंचारिया, प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ और प्रदेश प्रवक्ता लक्ष्मीकांत भारद्वाज मौजूद रहे।

लंबे समय से कार्यरत संविदा कर्मी को नियमित नहीं करने पर मांगा जवाब

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग में लंबे समय से कार्यरत संविदा कर्मी को नियमित नहीं करने पर कार्मिक सचिव, प्रमुख सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता सचिव और निदेशक के साथ ही आयोग के सदस्य सचिव को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। इसके साथ ही अदालत ने कहा है कि यदि संविदा कर्मी का काम संतुष्टिजनक है तो उसे सेवा से नहीं हटाया जाए। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने यह अंतरिम आदेश मुरारी लाल बैरवा की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता ओबीसी आयोग में वर्ष 2011 से संविदा पर काम कर रहा है। वर्ष 2015 में उसे प्लेसमेंट एजेंसी के जरिए संविदाकर्मी बनाया गया और फिर वर्ष 2018 में फिर से सीधे संविदा पर रखा गया। ऐसे में वह विगत 12 साल से आयोग में संविदा कर्मी के तौर पर काम रहा है। याचिका में कहा गया कि राज्य सरकार की ओर से संविदा कर्मियों को नियमित करने के लिए राजस्थान कॉन्ट्रैक्चुअल हायरिंग सिविल पोस्ट नियम, 2022 बनाए हैं। जिसके तहत संविदा कर्मियों को स्थाई किया जा रहा है। इसके बावजूद भी याचिकाकर्ता को इन नियमों के तहत नियमित करने की प्रक्रिया में शामिल नहीं किया जा रहा है। जबकि वह राज्य सरकार के अधीन ही काम कर रहा है। इसके अलावा उसे हटाकर अन्य संविदाकर्मी को नियुक्त किया जा सकता है। जबकि नियमानुसार एक संविदा कर्मी से दूसरे संविदा कर्मी को नहीं बदला जा सकता है। किसी भी संविदा कर्मी को संबंधित पद पर नियमित कर्मचारी के नियुक्त होने पर ही हटाया जा सकता है। याचिका में गुहार की गई है कि उसकी लंबी संविदा अवधि को देखते हुए नियमित किया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब करते हुए याचिकाकर्ता को हटाने पर रोक लगा दी है।

आज लगेंगे सवा सौ फिजियोथेरेपी कैंप

जयपुर, (का.सं.)। विश्व फिजियोथेरेपी सप्ताह के मौके पर जयपुर फिजिओथेरेपी नेटवर्क ने रक्तदान शिविर का आयोजन अमर अस्पताल, वृंदा गार्डन के पास, खोनगोरिया जगतपुरा में किया गया। रक्तदान शिविर में 256 से अधिक रक्त दाताओं ने रक्तदान किया, 315 लोगों के रक्त एवं हीमोग्लोबिन की जांच की गई। 10 सितंबर को सवा सौ निःशुल्क फिजियोथेरेपी कैम्प लगाये जाएंगे।

लोक अदालतों में राजीनामे से लाखों मुकदमों का निपटारा

जयपुर, (का.सं.)। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से शनिवार को साल की तीसरी राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष जस्टिस एमएम श्रीवास्तव ने हाईकोर्ट में लोक अदालत का विधिवत शुभारंभ किया।

इस मौके पर जस्टिस अनिल उपमन और जस्टिस गणेश मीणा सहित अन्य न्यायिक अधिकारी मौजूद रहे। इस अवसर पर जस्टिस एमएम श्रीवास्तव ने कहा कि भारतीय संविधान में प्रत्येक नागरिक को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय उपलब्ध कराने का उद्देश्य शामिल किया गया है। ऐसे में न्याय प्रणाली को इस तरह का रूप दिया गया है कि वह मुकदमे की प्रकृति के अनुसार उसके पक्षकारों को न्याय प्रदान करे। कई पक्षकारों के बीच ऐसे सिविल व छोटे आपराधिक प्रकृति के मामले होते हैं, जिन्हें आपसी सहमति से ही सुलझाया जा सकता है। ऐसे में लोक अदालत के माध्यम से ऐसे प्रकरणों को तय किया जाता है, जिससे पक्षकार को सालों तक अदालतों में समय और पैसा खर्च ना करना पडे। लोक अदालत में मुकदमों का निस्तारण करने के लिए प्रदेश भर की अधीनस्थ अदालतों में 494 पीठों का गठन किया गया था। वहीं हाईकोर्ट की जोधपुर स्थित मुख्यपीठ व जयपुर पीठ में कुल नौ पीठ सुनवाई के लिए गठित की गई थी। प्राधिकरण के सदस्य सचिव प्रमिल कुमार माथुर ने बताया कि लोक अदालत में राजीनामा हो सकने वाले फौजदारी प्रकरणों के अलावा चैक अनादरण, धन वसूली, बिजली-पानी, तलाक को छोडकर अन्य पारिवारिक प्रकरण, भूमि मुआवजा और सेवा संबंधी मामलों को सूचीबद्ध किया गया था।

'उदयनिधि जैसों के खिलाफ सख्त कार्यवाही हो'

जयपुर। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एम. सादिक खान ने बयान जारी कर कहा कि जिस तरीके से तमिलनाडु सरकार में मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने सनातन धर्म के बारे में अपशब्द बोले हैं, इसका हम पुरजोर विरोध करते हैं।

खान ने आगे कहा कि किसी को कोई हक नहीं है किसी मजहब के बारे में अपशब्द कहने की और तमिलनाडु सरकार के मंत्री जैसे जिम्मेदारी वाले पद पर बैठे उदय स्टालिन का यह बयान हिन्दुओं भाईयों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला है।

जनता पुलिस ढूंढ रही है, यही जंगलराज है : शेखावत

जयपुर। राजस्थान की लचर कानून व्यवस्था पर तंज कसते हुए केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि जनता पुलिस ढूंढ़ रही है। यही जंगलराज है। शनिवार को ट्वीट कर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि धौलपुर में कांग्रेस नेता की अंधाधुंध फायरिंग में हत्या के दो घण्टे बाद उसी क्षेत्र में पिस्तौल की नोक पर दुकान लूट ली जाती है। दो घंटे में दो बड़ी वारदात और पुलिस नदारद। सवाल है कि कहां थी पुलिस? किसकी सेवा में लगी थी? और यह सिर्फ एक थाना क्षेत्र की बात नहीं है, पूरे राज्य का यही हाल है। जनता पुलिस ढूंढ़ रही है। यही जंगलराज है।

टोडाभीम में पुलिस अफसर के आम नागरिक को थप्पड़ मारने पर शेखावत ने कहा कि एक तरफ अपराधियों से बचने के लिए जनता पुलिस को खोज रही है, दूसरी ओर टोडाभीम के एसएचओ पुलिस की सक्रियता की बानगी थप्पड़ और अपशब्दों से दिखा रहे हैं।

सांगोद से कांग्रेस विधायक भरत सिंह कुंदनपुर का एक पत्र साझा करते हुए शेखावत ने कहा कि कुंदनपुर जी अपने समर्थकों और जनता से कह रहे हैं ''वह समय आ गया है, जिसका हमें इंतजार था''। विधायक अपने घर के सामने रावण का पुतला जलाकर गहलोत के कोटा आगमन पर विरोध जताएंगे। रावण का पुतला ही क्यों? केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वैसे उन्होंने अपने लिखित संदेश में बताया है कि सीएम ने किसी ''भाया'' को अवैध खनन और भ्रष्टाचार के लिए खुली छूट प्रदान की है। आगे-आगे देखिए होता है क्या?

इन्दिरा रसोई योजना ग्रामीण आज से

जयपुर, (का.सं.)। अब शहरों की तरह इन्दिरा रसोई योजना-ग्रामीण की शुरूआत की जा रही है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत 10 सितम्बर को दोपहर 12 बजे टोंक के निवाई स्थित झिलाय से योजना का शुभारम्भ करेंगे।

आम सूचना बेदखली
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी बड़ी बहू इंद्रा देवी पत्नि मुकेश सणगत और मेरा बड़ा पुत्र मुकेश सणगत पुत्र स्वर्गीय श्री घासी लाल सणगत उम्र वयस्क जाति वाल्मिकि निवासी धाबास जयपुर का चाल चलन समाज विरोधी है वह आए दिन हमें हैरान परेशान करते है हमसे लड़ाई झगड़ा करते है जिससे मैं और मेरा परिवार परेशान है उनके व्यवहार से परेशान होकर में मुकेश पुत्र घासी लाल और इंद्रा देवी पत्नि मुकेश सणगत को अपने परिवार व समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखल करती हूं मेरे परिवार व मेरी समस्त चल अचल संपति से उसका अधिकार आज से खत्म हो गया है उसके द्वारा किए गए उसके कृत्य की जिम्मेदारी उसकी स्वयं की होगी में किसी भी प्रकार से उत्तरदाई नहीं होऊगी अतः सूचित रहे। **प्रार्थिनी**
संतोष देवी पत्नी स्वर्गीय श्री घासी लाल
उम्र 62 वर्ष जाति वाल्मिकि निवासी 209 चंपानगर गुर्जर की थड़ी जयपुर
एडवोकेट नरेश सारवान 7891838387

आम सूचना सूचित किया जाता है कि श्रीमती नफिसन पत्नी श्री नियामत के स्वामित्वाधिकार की सम्पत्ति प्लाट नम्बर डी-454, पुराना विद्याधर नगर, जयपुर, राजस्थान में स्थित है, जिसका कुल क्षेत्रफल 50.00 वर्गगज है। उक्त सम्पत्ति के मूल कागजातों में से श्री ओम प्रकाश बंसल बहैसियत मुख्त्यारआम श्रीमती भगवती देवी द्वारा श्री ओडरमल पुत्र श्री जसुमल के पक्ष में निष्पादित पंजीकृत विक्रय पत्र दिनाँक 23.05.1996 उपलब्ध नहीं है तथा गुम हो गया है। श्रीमती नफिसन से उक्त सम्पत्ति को श्री नासिर बेग क्रय कर रहे हैं तथा उक्त क्रय बाबत् मेरी अभिभाष्या ऋणदात्री संस्था L & T Finance Ltd. से ऋण प्राप्त कर रहे हैं। उक्त सम्पत्ति स्वामित्व एवं क्रय व L & T Finance Ltd. लिये जा रहे ऋण बाबत् किसी भी व्यक्ति / संस्था / बैंक या अन्य किसी भी पक्ष को किसी प्रकार की आपत्ति या आक्षेप हो तो निम्न अधोहस्ताक्षरकर्ता को अन्दर मियाद 14 दिवस में मय दस्तावेजी साक्ष्य सहित सम्पर्क करें अन्यथा बाद गुजरने मियाद किसी भी प्रकार की आपत्ति विधि अनुसार शून्य मानी जावेगी। पुलकित गर्ग एडवोकेट, MZ-4, अलंकार टॉवर, कबीर मार्ग, बनीपार्क, जयपुर-302016, मो. 09828084002

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक 9073 **जाहिर आम सूचना** दिनांक 29.08.2023
राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में आवास सं.70/177 (EWS), (एरिया 35.10 वर्गमीटर) प्रताप नगर सांगानेर का आवंटन श्री प्रतापरॉय पुत्र श्री नारायणदास को किया जाकर आवंटनपत्र कमांक 683 दि.06.06.1996 को जारी किया गया। श्री औमप्रकाश माथुर पुत्र श्री पन्नालाल माथुर के पक्ष में उक्त आवास का नियमितिकरण पत्र कमांक 2886/2421 दि.08.08.2018 के द्वारा किया गया। श्री औमप्रकाश माथुर के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन पत्र दि.12.10.2018 को उप पंजीयक सांगानेर-प्रथम जयपुर के यहां पंजीकृत करवाये गये। श्री औम प्रकाश माथुर की मृत्यू दि.24.09.2020 को हो जाने के कारण इनकी पत्नी श्रीमती निशा माथुर पत्नी स्व.श्री औमप्रकाश माथुर द्वारा उक्त आवास को स्वयं के नाम हस्तांतरण करने हेतु आवेदन किया गया है। अतः उक्त आवास के हस्तांतरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपति हो तो अद्योहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए कि मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं है श्रीमती निशा माथुर पत्नी स्व.श्री औम प्रकाश माथुर का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।
सम्पदा प्रबन्धक वृत प्रथम, राज.आवा.मण्डल, जयपुर

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य श्री केसरा गोदारा पुत्र स्व. श्री पूनाराम गोदारा, निवासी ग्राम बछरारा, तहसील सूरतगढ़, जिला श्रीगंगानगर (राज.) ने अपने पौत्र श्री रायभान गोदारा पुत्र श्री भंवर गोदारा को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है, क्योंकि वह उनके कहने में नहीं है, ना ही वृद्ध होने तथा बीमार होने की अवस्था में सेवा-देखभाल इत्यादि करता है तथा अपने पड़पौत्र कविल गोदारा पुत्र श्री रायभान गोदारा को अपने नाना श्री द्वारका प्रसाद पिलानिया के गोद चले जाने के कारण उसे भी अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। दिनांक : 09.09.23
भवदीय विजेन्द्र सिंह बारेठ, एडवोकेट,
मो. : 9887084248

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य श्री भंवर गोदारा पुत्र श्री केसरा गोदारा, निवासी प्लॉट नंबर 202-203, नेमीनगर विस्तार, आम्रपाली मार्ग, वैशाली नगर, जयपुर (राज.) ने पूर्व में दिनांक 03.04.2022 को अपने पुत्र श्री रायभान को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया था तथा मेरे अभिभाष्य अपने पौत्र कविल गोदारा पुत्र श्री रायभान गोदारा अपने नाना श्री द्वारका प्रसाद पिलानिया के गोद चले जाने के कारण उसे भी अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। दिनांक : 09.09.23
भवदीय विजेन्द्र सिंह बारेठ, एडवोकेट,
मो. : 9887084248

उत्तर पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना 90-23-24
मंडल रेल प्रबंधक, उत्तर पश्चिम रेलवे बीकानेर भारत के राष्ट्रपति की ओर से इच्छुक ठेकेदारों से निम्न लिखित कार्य के लिए दिनांक 29.09.2023 को 15.00 बजे तक खुली ई-निविदा आमंत्रित करते हैः **निविदा संख्याः** 90; **कार्य का नाम व स्थानः** वरि मण्डल इंजीनियर/पश्चिम, बीकानेर के क्षेत्राधिकार में लूनकरणसर, जामसर, नोखडा, सिर्ड, बाप, सूरतगढ़, महाजन एवं श्रीबिजयनगर स्टेशनों पर वर्तमान में स्थित ट्रेक मशीन साईडिंग में सुविधाओं का प्रावधान करना। **अनुमानित लागत मूल्यः** Rs.13921487.49; **धरोहर राशिः** Rs. 219600.00; **नोटः** अन्य शर्ते रेलवे की वेब साइट **www.ireps.gov.in** पर देखी जा सकती है। **965-AN/23**
हमें /NWRailways पर फॉलो करें

नाम परिवर्तन
मैं Mahender Thakur S/o Shanti Swaroop Thakur मैं अपना नाम बदलकर Mahendra Thakur S/o Shanti Swaroop Thakur रख लिया है भविष्य में मुझे Mahendra Thakur S/o Shanti Swaroop Thakur के नाम से जाना जावें पता- मकान नंबर-8, सुदामापुरी कॉलोनी, रावलजी बांदा, खातीपुरा रोड, जयपुर

I kamla devi is legally wedded spouse of army no 6643631Y Ex Hon Nb Sub gopinath Sharma R/O 93 Patel colony sardar Patel Marg c- scheme jaipur have changed my name From KAMLA DEVI (DOB 1/7/1948) To KAMLA DEVI SHARMA (DOB 1-1-1947) vide affidavit dated 6 sep 2023 before district notary Jaipur

संविधान की मौलिक दृष्टि का प्रसार करने के लिए किया कार्य : कलराज मिश्र

जयपुर, (का.सं.)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि राज्यपाल पद पर रहते हुए उनके पिछले चार वर्ष संविधान संस्कृति की उज्ज्वल राहों को समर्पित रहे हैं। उन्होंने कहा कि संवैधानिक पद होने के नाते राज्यपाल पद की अपनी मर्यादा है और इस पद पर रहते हुए भारतीय संविधान की मौलिक दृष्टि का अधिकाधिक प्रसार करने के लिए उन्होंने कार्य किया है। उन्होंने कहा कि संवैधानिक मूल्यों को मूर्त रूप देने के लिए बहुत सारे नवाचार इन चार वर्ष में किए गए हैं।

राज्यपाल मिश्र ने शनिवार को राजभवन में अपने कार्यकाल के चार वर्ष की प्राथमिकताओं और आगामी वर्ष की कार्य योजना के बारे में पत्रकारों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि संविधान निर्माण और लागू होने की ऐतिहासिक यात्रा की अमिट छवि लोगों के मन में प्रभावी रूप से बने, इसका जो संकल्प उन्होंने लिया था। वह इस वर्ष राजभवन में देश के पहले संविधान पार्क के निर्माण के रूप में पूर्ण हुआ है। उन्होंने कहा कि राजभवन स्थित संविधान पार्क में संविधान से जुड़ी सांस्कृतिक, ऐतिहासिक यात्रा से जुड़े मूल तथ्यों को संजोया गया है। संविधान की मूल प्रति में शांति निकेतन के प्रख्यात कलाकार नंदलाल बोस और उनके सहयोगियों की बनाई कृतियों को भी यहां जीवंत किया गया है।

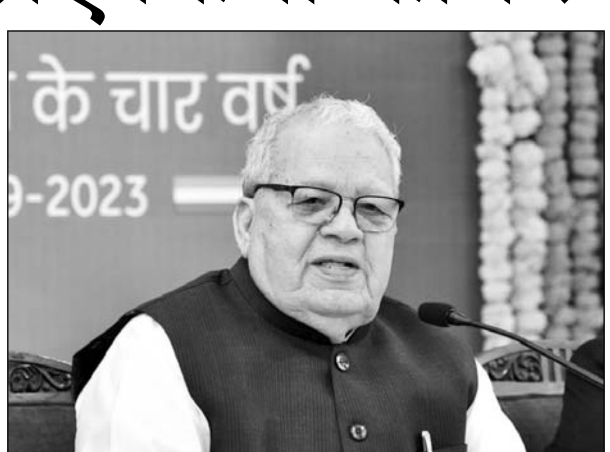

राज्यपाल कलराज मिश्र के चार वर्ष का कार्यकाल पूरा होने पर उन्होंने शनिवार को पत्रकारों से रुबरू होकर अगले वर्ष की कार्य योजना के बारे में जानकारी दी।

मिश्र ने आगे कहा कि संविधान की बात तो होती है परन्तु उसकी उद्देशिका और मौलिक कर्तव्यों के बारे में अभी भी बहुत अधिक जानकारी नहीं है। ऐसे में उनके स्तर पर सभी सार्वजनिक कार्यक्रमों से पहले संविधान की उद्देशिका और मूल कर्तव्यों के वाचन की शुरूआत की गई ताकि संविधान के प्रति जन आस्था और मजबूत हो सके। इसी क्रम में, राजस्थान विधानसभा में अभिभाषण से पूर्व सदन के सदस्यों को भी इस पहल से जोड़ा गया। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी संवैधानिक अधिकारों के साथ ही कर्तव्यों के निर्वहन के लिए भी सजग रहे, इस उद्देश्य से विश्वविद्यालयों में संविधान वाटिकाओं का निर्माण करने की शुरूआत की गई।

राज्यपाल श्री मिश्र ने कहा कि देश में नई शिक्षा नीति लागू किये जाने के बाद राजस्थान ने ही सबसे पहले इसे विश्वविद्यालयों में विधिवत लागू करने की शुरूआत की। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विश्वविद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित कराने के साथ ही नई शिक्षा नीति के अंतर्गत रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों की शुरूआत बीते चार वर्षों में की गई। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विश्वविद्यालयों में 'च्वाईस बेस्ड सिस्टम' लागू करने और सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय को 'कुलाधिपति पुरस्कार' प्रदान करने की पहल की गई ताकि विश्वविद्यालयों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा बनी रहे।

राज्यपाल ने कहा कि स्टेट यूनिवर्सिटी मैनेजमेंट सिस्टम लागू करने के अलावा मासिक प्रतिवेदन के आधार पर विश्वविद्यालयों का नियमित मूल्यांकन भी राजभवन स्तर पर सुनिश्चित किया गया है। मौलिक शोध को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालयों में 'साहित्यिक चोरी रोधी सॉफ्टवेयर' के निर्माण के निर्देश दिए गए हैं। सभी विश्वविद्यालयों में प्रवेश प्रक्रिया, परीक्षा कैलेण्डर, पाठ्यक्रम अद्यतन आदि कार्य समयबद्ध सुनिश्चित किए। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोहों को प्रति वर्ष आयोजित कर समय पर विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान करने की ऐतिहासिक पहल सहित इन सभी कार्यों से विद्यार्थी बड़े स्तर पर लाभान्वित हुए हैं।

शिविर में 26 लोगों ने किया रक्तदान

जयपुर, (का.सं.)। लॉयन्स क्लब जयपुर चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट, सीतादेवी मालीवाल मैमोरियल ट्रस्ट, मालवीय नगर, जयपुर एवं बनीपार्क धर्मार्थ संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में शनिवार, निशुल्क चिकित्सा एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। चिकित्सा शिविर में 353 व्यक्तियों ने चिकित्सा सुविधा लाभ उठाया एवं 26 व्यक्तियों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया।

नम्बर मिलाइए
9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

युवक का अपहरण कर 11 लाख रु. फिरौती मांगने वाले गिरफ्तार

जयपुर एयरपोर्ट के पास से 9 बदमाशों ने किया था युवक का अपहरण

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। सांगानेर एयरपोर्ट पुलिस ने युवक का अपहरण कर फिरौती मांगने वाले मुख्य आरोपी समेत 4 बदमाशों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपी गैंग बनाकर इस तरह की वारदातों को अंजाम देते हैं। पुलिस ने बदमाशों के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त बोलेरो गाड़ी भी जब्त कर ली है। अब पुलिस इनका अपराधिक रिकॉर्ड खंगालने में जुटी हुई है।

डीसीपी ज्ञानचंद यादव ने बताया कि पुलिस ने आरोपी रमेश करेड़ा, कन्हैयालाल उर्फ काना, बत्तीलाल व लाडफूल को गिरफ्तार किया है।

■ **दो बदमाशों को पुलिस पूर्व में गिरफ्तार कर चुकी, अब वारदात के मुख्य सरगना समेत दो और लोगों को दबोचा**

उन्होंने बताया कि एयरपोर्ट थाने में सवाई माधोपुर के चौथ का बरवाड़ा निवासी पीड़ित उत्मेश मीणा ने 17 अगस्त को एफआईआर दर्ज करवाई थी।

पीड़ित का कहना था कि 9 बदमाश उसे एयरपोर्ट के पास से जबरदस्ती बोलेरो गाड़ी में डालकर अपहरण कर ले गए। बदमाशों ने युवक से मारपीट की और बंधक बनाकर 11 लाख रुपये की फिरौती मांगी।

पुलिस ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए तुरंत जांच टीम गठित की। सहायक पुलिस आयुक्त संजय शर्मा व पुलिस निरीक्षक ममता मीणा और उनकी टीम ने तकनीकी सहायता से 4 बदमाशों को ट्रेस आउट कर गिरफ्तार किया।

लोगों का अपहरण कर फिरौती मांगने वाली गैंग के बदमाशों को शनिवार को एयरपोर्ट थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार बदमाशों में से 2 आरोपियों को पूर्व में 6 सितंबर को वारदात में प्रयुक्त बोलेरो गाड़ी के साथ पुलिस ने दबोच लिया था, जो कि फिलहाल न्यायिक हिरासत में है। अब मुख्य आरोपी रमेश करेडा व कन्हैयालाल को पुलिस ने दबोचा है। आरोपियों के खिलाफ जयपुर शहर, अजमेर और टोंक समेत कई थानों में अपराधिक मामले दर्ज है।

मोतीडूंगरी मंदिर में गणेश जन्मोत्सव के कार्यक्रम 11 से

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर के मोतीडूंगरी मंदिर में भगवान गणेश के जन्मोत्सव के कार्यक्रम 11 सितंबर से शुरू होंगे। यहां 19 सितंबर को गणेश चतुर्थी धूमधाम से मनाई जाएगी। सोमवार को पुष्य नक्षत्र में अभिषेक, ध्वजारोहण व ध्वज पूजन के साथ ही करीब 10 दिन तक चलने वाले कार्यक्रम का आगाज होगा। मंदिर के महंत कैलाश शर्मा ने बताया कि 11 सितंबर को प्रात: 8 बजे पुष्य नक्षत्र में भगवान गणेश का पंचामृत से अभिषेक होगा। इसमें 251 किलो दूध, 25 किलो बूरा, 50 किलो दही, 11 किलो शहद और 11 किलो घी का उपयोग होगा, जो कि अभिषेक व भोग प्रसादी के उपयोग में आएगा। इसके बाद गुलाब व केवड़ा जल और इत्र से भगवान का अभिषेक होगा। इस अवसर पर 501 महिलाएं कलश यात्रा लेकर आएंगी। अभिषेक के बाद रक्षा सूत्र व हल्दी प्रसाद सभी श्रद्धालुओं को नि:शुल्क बांटी जाएगी। पूजा-अर्चना के बाद भगवान गणपति को 1008 मोदक अर्पित किए जाएंगे। महंत कैलाश शर्मा ने बताया कि 13 सितंबर को मोदकों की झांकी सजाई जाएगी, 14 से 17 सितंबर तक सांस्कृति व भजन संध्या के कार्यक्रम होंगे। इसके बाद 18 सितंबर को मेहंदी पूजन व सिंजारा तथा 19 सितंबर को गणेश चतुर्थी पर जन्मोत्सव दर्शन होंगे। इसके अगले दिन 20 सितंबर को भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी।

जयपुर एयरपोर्ट पर 3.13 करोड़ रु. का सोना पकड़ा

दुबई से ग्राइंडर मशीन में 5.15 किलोग्राम सोना पेस्ट के रूप में छिपाकर लाया था तस्कर, कस्टम टीम ने दबोचा

जयपुर (कासं)। जयपुर एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग की टीम ने सोना तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 5.15 किलो तस्करी का सोना पकड़ा है। पकडें गए सोने की बाजार कीमत 3.13 करोड़ रुपये बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार यात्री दुबई से ग्राइंडर मशीन में पेस्ट के रूप में तस्करी का सोना छुपाकर जयपुर लाया था। जहां जयपुर एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग की टीम ने यात्री को पकड लिया।

सोने का पेस्ट होने के कारण कस्टम विभाग को क्वालिटी क्लियर करने में थोडा समय लगा और पेस्ट सोने से केमिकल निकालने के बाद 5.15 किलोग्राम सोना निकला। सोना तस्करी कर रहे युवक से पूछताछ में सामने आया कि वह पहले कई बार दुबई आ जा चुका है। हर बार कुछ लोग सामान देकर जयपुर में परिचित को देने के लिए कहते थे। इसमें सोना है, उसे पता नहीं था। पूछताछ करने के बाद शनिवार को तस्कर को कोर्ट में पेश किया गया। जहां उसे जेल भेज दिया गया। कस्टम विभाग के अधिकारियों ने बताया कि यात्री दुबई से फ्लाइट में बैठकर जयपुर एयरपोर्ट पर पहुंचा था। मुखबिर से सूचना मिली थी कि दुबई से आने वाली फ्लाइट में यात्री के पास तस्करी का सोना है।

सूचना के आधार पर कस्टम विभाग की टीम ने यात्रियों की चेकिंग की। संदिग्ध लगने पर कस्टम विभाग के अधिकारियों ने यात्री को रोका और चेकिंग की। पूछताछ करने पर यात्री संतोषपूर्वक जवाब नहीं दे पाया और किसी भी प्रकार की संदिग्ध वस्तु को अपने पास होने से इनकार कर दिया। कस्टम विभाग की टीम ने यात्री के सामान की सघनता से जांच की।

जांच के बाद यात्री के बैग में रखी ग्राइंडर मशीन में कोई गोल वस्तु होने की पुष्टि हुई। यात्री ग्राइंडर मशीन में सोने को पेस्ट के रूप में छुपाकर लाया था, जिसे शुद्ध किया गया। सोने में पेस्ट होने के कारण क्वालिटी क्लियर करने में वक्त लग गया और सोना पेस्ट की क्वालिटी क्लियर करने के बाद 5.15 किलो सोना बरामद हुआ। तस्करी के सोने की कीमत करीब 3.13 करोड़ रुपये बताई जा रही है। कस्टम विभाग की टीम ने सीमा शुल्क अधिनियम 1962 के प्रावधानों के तहत तस्करी के सोने को जब्त कर लिया। आरोपी से पूछताछ में सामने आया है कि वह सीकर जिले का रहने वाला है और दुबई में काम करने के लिए गया था।

इससे पहले भी वह कई फेरे दुबई और जयपुर के बीच कर चुका है। दुबई में किसी व्यक्ति ने सामान देकर कहा था कि यह जयपुर में उनके परिचित को दे देना। इसलिए वह सामान लेकर बैग में रख लिया करता था। उसे पहली बार पता चला की इस सामान में सोना है। इसके अलावा दुबई से आने के दौरान जिन लोगों ने उसे सोना दिया। उनको लेकर कस्टम ने आरोपी से पूछताछ की। साथ ही जयपुर में यह सामान किसे देना था, इस पर भी कई जानकारी कस्टम को मिली हैं। कस्टम विभाग की टीम सोना तस्करों के नेटवर्क के संबंध में पता लगाने का प्रयास कर रही है।

आवासन मंडल सीधी भर्ती परीक्षा में उमड़े अभ्यर्थी

दूसरे दिन 64.50 फीसदी छात्र-छात्राओं ने दी ऑनलाइन परीक्षा

आवासन सचिव अल्पा चौधरी समेत हाऊसिंग बोर्ड के अफसरों ने लाइव टेलीकास्टिंग के जरिए परीक्षा केन्द्रों पर निगरानी रखी।

जयपुर (कासं)। राजस्थान आवासन मंडल द्वारा ली जा रही सीधी भर्ती परीक्षा-2023 के पहले दिन दोनों पारियों को मिलाकर प्रदेश भर में कुल 64.50 प्रतिशत छात्र-छात्राओं ने परीक्षा दी। पहले दिन के लिए 16 हजार 812 अभ्यर्थियों को परीक्षा में उपस्थित होना था, जबकि 10 हज़ार 845 अभ्यार्थियों ने परीक्षा दी।

परीक्षा के दूसरे दिन पहली पारी के लिए प्रदेश के कुल 60 परीक्षा केंद्रों के लिए 9350 कॉल लेटर जारी किए गए थे, जिसमें से 6 हजार 106 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। दूसरी पारी के 48 परीक्षा केंद्रों के लिए 7 हजार 462 कॉल लेटर जारी किए गए थे, वहां 4 हजार 739 छात्र-छात्राओं ने परीक्षा दी। सभी केंद्रों की लाइव टेलीकास्टिंग और कडी सुरक्षा व्यवस्था के चलते पहले दिन सभी केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न हुई। प्रदेश के 3 जिलों (जयपुर, जोधपुर, उदयपुर) के परीक्षा केंद्रों पर आयोजित करवाई गई। आगामी 2 दिन यह परीक्षा निरंतर ऑनलाइन संचालित होगी। सी-डैक (सेंटर फॉर डवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कम्प्यूटिंग) द्वारा ली जा रही सीधी भर्ती परीक्षा के लिए कडे सुरक्षा इंतजामात किए गए हैं। सभी केंद्रों पर त्रिस्तरीय सुरक्षा के बीच परीक्षा का आयोजन किया गया। इसके अलावा पर्याप्त पुलिस बल और फ्लाइंग स्क्वॉड की तैनाती भी की गई है। मंडल मुख्यालय पर स्थापित कमांड सेंटर से सचिव अल्पा चौधरी, उप सचिव राजेंद्र चांदावत, मुख्य संपदा अधिकारी दीपाली भगोतिया, संपदा अधिकारी गरिमा, संयुक्त निदेशक अनुज माथुर सहित मंडल के आला अधिकारियों ने सभी केन्द्रों की लाइव टेलीकास्टिंग देखते हुए कड़ी मॉनिटरिंग की। गौरतलब है कि 258 विभिन्न पदों के लिए कुल 59 हजार 968 परीक्षार्थियों ने आवेदन किए थे।

■ **258 पदों के लिए कुल 59 हजार 968 परीक्षार्थियों ने किया था आवेदन**

शिप्रापथ इलाके में 9 साल की बच्ची से दरिंदगी

जयपुर (कासं)। राजधानी के शिप्रापथ इलाके में महज 9 साल की बच्ची दरिंदगी का शिकार हुई, जबकि प्रताप नगर में कॉलेज के दोस्त ने एक युवती के साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने दोनों प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

शिप्रापथ पुलिस के अनुसार मूलत: बंगाल का रहने वाला परिवार यहां मानसरोवर में किराए से रहता है। दम्पती नौकरी पेशा है जबकि उनके साथ 9 साल की बच्ची रहती है। मकान मालिक ने बच्ची को चिल्लाते देखा तो फोन कर जानकारी दी। बच्ची ने बिलखते हुए बताया कि पडोसी आरोपी ने उसके साथ घिनौना कृत्य किया। बच्ची को अस्पताल पहुंचाकर परिजनों ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। वहीं प्रताप नगर थाना पुलिस ने बताया कि 20 वर्षीया दुष्कर्म पीड़िता ने आरोपी उमेश के खिलाफ दुष्कर्म और ब्लैकमेल कर देहशोषण की रिपोर्ट दर्ज कराई है। वर्ष-2021 में कॉलेज में पढ़ाई के दौरान दोनों की दोस्ती हुई। आरोप है कि उमेश ने उसे घर बुलाया जहां उसके साथ दुष्कर्म किया। विरोध करने पर आरोपी ने फिर नशीली गोलियां खिलाकर रेप किया जिसका विरोध करने पर अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देकर देहशोषण करने लगा।

मेघालय में ओसवाल सोप लॉन्च हुआ

जयपुर, (का.सं.)। ओसवाल सोप ग्रुप के करीब 60 उत्पाद इस समय मार्केट में है, जिनमें चाय, बासमती चावल, पोहा, फ्लोर क्लीनर, टॉयलेट क्लीनर, झाड़ू, नहाने का साबुन आदि प्रमुख है। ओसवाल सोप ग्रुप के प्रमुख अजय जैन ने बताया कि ओसवाल सोप ग्रुप के उत्पादों की पूरे देश में भारी मांग है और सप्लाई हमेशा शार्ट में ही रहती है। पूर्वी भारत में संसाधनों की कमी के कारण उच्च गुणवत्ता के उत्पादों की कमी ही रहती है। ऐसे में हमने सुदूर पूर्वी भारत में आपूर्ति का प्लान बनाया जिससे जन-जन तक गुणवत्ता के उत्पाद पहुंचे। मेघालय पूर्वी भारत का पहला राज्य है जहां ओसवाल सोप लांच हुआ है। कंपनी का भविष्य में अन्य ओसवाल उत्पादों को भी मेघालय में लांच करने की योजना है। गौरतलब है कि एक दुकान से व्यापर शुरू करके इतनी बड़ी सफलता हासिल करना कोई साधारण बात नहीं है। उचित मूल्य, बेहतर क्वालिटी के साथ-साथ ओसवाल सोप ग्रुप ने कभी भी अपने उपभोक्ताओं के हितो को नजर अंदाज नहीं किया और ये ही उनकी सफलता का राज़ है।

केम्ब्रिज कोर्ट स्कूल में चोरी करने वाले तीन गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। मानसरोवर केम्ब्रिज कोर्ट स्कूल में चोरी करने वाले एक कर्मचारी समेत तीन जनों को मानसरोवर थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तीनों से चोरी का माल व वारदात में काम लिया गया ऑटो बरामद कर लिया है।

पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी संजय अवस्थी पुत्र श्रीमोहन अवस्थी निवासी गांव डोरावली, टोडाभीम करौली हॉल मानसरोवर, राजेश कुमार और गजाधर भास्कर निवासी शांति नगर गुर्जर की थड़ी को गिरफ्तार किया है। संजय शर्मा केम्ब्रिज कोर्ट स्कूल में कर्मचारी था। वहीं राजेश कुमार ऑटो चलाता है और गजाधर भास्कर ने चोरी का माल खरीदा था। इस संबंध में पांच सितंबर को स्कूल के कर्मचारी एसएमएस मानसरोवर निवासी आयुष रावत ने मामला दर्ज करवाया था। जिसमें बताया कि स्कूल में लोहे का काम चल रहा है। कर्मचारी संजय शर्मा के मन में लालच आने पर उसने कबाड़ी बुलाकर करीब 220 किलो लोहा बेच दिया। इसी दौरान गार्ड मोहन लाल ने चोरी किए गए लोहा व ऑटो की मोबाइल में फोटो खींचकर स्कूल प्रशासन को भेज दी थी। जांच के बाद पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर चोरी का माल व ऑटो जब्त किया।

■ **आरोपियों ने 220 किलो लोहा चुराकर बेचा, खरीददार व ऑटो चालक पकड़े**

10 साल से फरार बदमाश गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। पुलिस थाना महिला पश्चिम की टीम ने 10 वर्ष से फरार स्थाई वारंटी को शनिवार को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त संजीव नैन ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी लोकेश खींची पुत्र मदन सिंह राणा (43) निवासी कमला नेहरू नगर स्थित कच्ची बस्ती हसनपुरा का रहने वाला है। आरोपी बार-बार अपना पता बदलकर फरारी काट रहा था। जिसे महिला थाना पुलिस ने सतत प्रयासो के बाद गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि आगामी विधानसभा चुनावों के मध्य नजर वारंटियों के खिलाफ पुलिस ने अभियान चलाया है, जिसमें महिला थाना पश्चिम की थानाधिकारी रामेश्वरी के नेतृत्व में कांस्टेबल राजेन्द्र प्रसाद और अजीत सिंह की टीम गठित की गई थी। इसी टीम ने आरोपी लोकेश खींची को ढूंढकर गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की।

कुलपति प्रो. श्रीवास्तव ने कार्यभार संभाला

जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय के कुलपति पद पर शनिवार को प्रो. के एल श्रीवास्तव ने कार्यभार संभाल लिया है। कुलपति सचिवालय में कुलपति का कार्यभार संभालने के अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षकों कर्मचारियों और अधिकारियों ने प्रो. श्रीवास्तव का स्वागत किया। विश्वविद्यालय सिंडिकेट के सदस्यों के साथ रजिस्ट्रार कालूराम ने भी कुलपति का स्वागत किया। इस दौरान श्रीवास्तव ने कहा कि मैं खुद भी एक शिक्षक हूं। ऐसे में राजस्थान यूनिवर्सिटी की प्रतिष्ठा को और ज्यादा बढ़ाना मेरी पहली प्राथमिकता रहेगी। इसके लिए हम सब मिलकर यूनिवर्सिटी के लिए काम करेंगे। ताकि राजस्थान यूनिवर्सिटी का नाम ना सिर्फ राजस्थान और देश बल्कि दुनियाभर में रोशन हो सके।

राजस्थान विवि. के कुलपति का पदभार संभालने पर प्रो. के.एल. श्रीवास्तव का शिक्षकों, कर्मचारियों व अधिकारियों ने स्वागत किया।

सार-समाचार

डॉ. देव स्वरूप को कुलपति का चार्ज

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र ने शनिवार को आदेश जारी कर डॉ. देव स्वरूप को स्किल यूनिवर्सिटी के कुलपति का चार्ज सौंपा। डॉ. देव स्वरूप बाबा आमटे दिव्यांग विश्वविद्यालय के कुलपति हैं और शैक्षिक प्रशासन का उनका लम्बा अनुभव है। डॉ. देव स्वरूप को नियमित कुलपति की नियुक्ति होने तक राजस्थान आईएलडी कौशल विश्वविद्यालय का कार्यवाहक कुलपति बनाया गया हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपने इस कार्यकाल में डॉ. देव स्वरूप को पहले लॉ यूनिवर्सिटी का कुलपति बनाया और कुछ समय पूर्व ही दिव्यांग यूनिवर्सिटी का प्रथम कुलपति बनाया हैं। डॉ. देव स्वरूप की छवि एक कर्मङ्ग और मज़बूत प्रशासक की है। वह राजस्थान यूनिवर्सिटी के कुलपति भी रहे हैं, साथ ही यूजीसी में अतिरिक्त सचिव सहित कई महत्वपूर्ण जिम्मदारियों का निर्वाहन कर चुके हैं।

कराटे लीग सीजन 2 का आगाज

जयपुर, (का.सं.)। वाचो खेल कराटे लीग के दूसरे सीजन का आज भव्य और शानदार आगाज जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में हुआ। यह लीग इंटरनेशनल स्पोर्ट्सएकेडमी ऑफ इंडिया के तत्वाधान में अटलेंचर स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आयोजित की जा रही है। यह जानकारी खेल कराटे लीग के फाउंडर, धनंजय त्यागी ने आज दी। उन्होंने आगे बताया कि लीग के उद्घाटन समारोह में विशिष्ट अतिथि, एडिशनल एक्साइज कमिशनर, राकेश शर्मा; फारूक शेख, सामाजिक कार्यकर्ता, व्यवसायी और प्रमोटर अटलांचर स्पोर्ट्स जैसी कई हस्तियां उपस्थित थी। लीग के पहले दिन स्टेडियम में हजारों दर्शको ने 4 से 13 वर्ष के आयु वर्ग में 1300 से अधिक मुकाबलों का आनंद लिया। लीग के सीजन 2 में पूरे देश के 3000 से अधिक खिलाड़ी अपने हुनर और दमखम का परिचय देने आए हैं। खेल कराटे लीग में 10 लाख रुपए की इनामी राशि दी जाएगी। चीफ एडवाइजर एवं एटलैंक्चर स्पोर्ट्स के सीईओ, शुभम चौधरी ने जानकारी दी कि जिस प्रकार देश में अन्य खेलों के प्रति उत्साह स्पर्धा है, उसी तरह देश मे कराटे खिलाड़ियों को भी खेल के प्रति उत्साह स्पर्धा मिले। हमारा उद्देश्य है कि हम गांव गांव दूरदराज के क्षेत्रों में जो वास्तविक प्रतिभा के धनी हैं उनको सामने लाएं तथा युवाओं, बच्चों, महिलाओं को खेल के साथ-साथ आत्मरक्षा का संदेश भी दें, और जो खिलाड़ी उत्कृष्ट प्रतिभा के धनी है उनकी पहचान कर प्रशिक्षित कर उन्हें पेशेवर रूप से कराटे के अंतर्राष्ट्रीय मानचित्र पर अपना स्थान दिलाने में मदद करें।

अवैध हथियार के साथ बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। पुलिस कमिश्नरेट की सीएसटी ने ऑपरेशन आग के तहत कानोता थाना इलाके में कार्रवाई कर अवैध हथियार रखने वाले दो जनों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से एक देशी कट्टा व परिवहन में प्रयुक्त एक बराइक बरामद की है। अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर प्रथम कैलाश चन्द बिश्नोई ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी कृष्ण कुमार जांगिड़ पुत्र केदार प्रसाद जांगिड़ (20), भगवान सहाय उर्फ आशीष मीणा पुत्र हीरालाल मीणा (25) निवासी गांव भांवता कोलवा दौसा हाल दादू पार्क जामडोली कानोता है। आरोपियों से एक देशी कट्टा व एक बाइक जब्त की है। प्र आरोपी कृष्ण कुमार जांगिड़ ने पूछताछ में बताया कि देशी कट्टा जामडोली स्थित छह दुकान गैस पाईप लाईन के पास एक कट्टे में पड़ा मिला था। वहीं भगवान सहाय ने बताया कि बाइक कृष्ण कुमार के पिता केदार की है। पुलिस दोनों से पुछताछ कर रही है।

शातिर नकबजन हिस्ट्रीशीटर दबोचा

जयपुर। खोह नागोरियान थाना पुलिस ने एक शातिर नकबजन को गिरफ्तार किया है। आरोपी अलवर जिले का हिस्ट्रीशीटर है। डीसीपी पूर्व ज्ञानचन्द्र यादव ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी बिहारी लाल ऊर्फ कैलाश पुत्र सुखपाल बैरवा (46) निवासी खरखडी चावण्ड सिंह, राजगढ अलवर है। बिहारी लाल उर्फ कैलाश के खिलाफ जयपुर, अलवर व दैसा के विभिन्न थानो में नकबजनी के 38 प्रकरण पंजीबद्ध है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बदमाश को गिरफ्तार कर लिया। थाने पर दो जून को राधे विहार कॉलोनी पालडी मीणा निवासी राजेश कुमार मीणा ने चोरी की एफआईआर दर्ज करवाई थी। हिस्ट्राशीटर मकान का ताला तोड़कर 25 हजार रुपए, 2 जोडी पायजेब, एक जोड करम बन्ध, सोने की चैन, दो चांदी की माला व मोबाईल चोरी कर ले गया था। आरोपी पहले सूने मकानों की रैकी करता है और बाद में मौका देखकर रात्रि में चोरी करता है। पुलिस चोरी का मामल बरामद करने का प्रयारस कर रही है।

10 सैकंड में बाइक चुरा ले गए बदमाश

जयपुर। शिप्रापथ इलाके से शातिर बदमाश महज दस सैकण्ड में बाइक का ताला तोड़कर चोरी कर ले गए। सीसीटीवी कैमरे में वारदात कैद हुई है। पुलिस वाहन चोरों को तलाश रही है। पुलिस ने बताया कि सकरुल्लाह निवासी सेक्टर-35 प्रताप नगर ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। 4 अगस्त को दोपहर उसे थड़ी मार्केट स्थित एक मकान के बाहर बाइक खड़ी की थी। वह वापस आया तो बाइक गायब मिली। सीसीटीवी फुटेज के अनुसार दो वाहन चोर दोपहर करीब 3 पहुंचे और महज 10 सैकण्ड में मास्टर चाबी से लॉक खोलकर बाइक लेकर फरार हो गए।

मोटर रिपेयरिंग एसो. की आम सभा 17 को

जयपुर। जयपुर मोटर रिपेयरिंग एसोसिएशन की आम सभा 17 सितंबर को सुबह 10 से शाम 5 बजे तक गोवर्धन गार्डन, गोवर्धननाथजी का मंदिर दादाबाड़ी के पास गलता रोड जयपुर में आयोजित की जाएगी। संस्था के अध्यक्ष प्रभु दयाल सैनी और सचिव मोहम्मद महबूब खान ने बताया कि आम सभा में प्रवेश के लिए सदस्य अपना वार्षिक (वर्ष 2023 तक का) 15 सितंबर तक अनिवार्य रूप से जमा करवा सकेंगे।

पुलिस ने रात के अंधेरे में शहीद स्मारक से एम्बुलेंस कर्मियों को बसों में भरकर जयपुर से बाहर छोड़ा

एंबुलेंस कर्मचारी यूनियन के 5 पदाधिकारियों को गिरफ्तार कर मालवीय नगर थाने ले गए

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर में शहीद स्मारक पर धरना दे रहे हड़ताली एंबुलेंस कर्मियों को पुलिस ने शुक्रवार देर रात को बल पूर्वक हटा दिया। वहीं एम्बुलेंस कर्मचारी यूनियन के पांच पदाधिकारियों को गिरफ्तार कर मालवीय नगर थाना ले जाया गया। जिन्हें शनिवार को कोर्ट में पेश कर दो दिन की न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। वहीं राजस्थान एंबुलेंस कर्मचारी संघर्ष समिति के प्रदेशाध्यक्ष के वीरेन्द्र सिंह शेखावत ने इस कार्रवाई का विरोध करते हुए आंदोलन जारी रखने की बात कही है।

शेखावत ने बताया कि पूरे प्रदेश में 108 व 104 एंबुलेंस सेवा पिछले 8 दिन से जयपुर में अपनी मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन कर रहे थे। शुक्रवार रात अचानक भारी जाप्ते के साथ आए पुलिस अधिकारियों ने धरना स्थल शहीद स्मारक से यूनियन के 5 पदाधिकारियों को गिरफ्तार कर लिया। वहीं बाकी सभी कर्मचारियों को बसों में भरकर जयपुर से बाहर अलग-अलग जगह छोड़ दिया। शेखावत ने बताया कि यूनियन के पांच पदाधिकारी सूजाराम सारण अजमेर, कुलदीप स्वामी हनुमानगढ़, कालूराम गुर्जर उदयपुर, नारायण सिंह जैसलमेर व नरेंद्र भीलवाड़ा को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने शनिवार को कोर्ट में पेश उन्हें 2 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

■ **इस कार्रवाई से एंबुलेंस कर्मचारियों में सरकार के खिलाफ बड़ा आक्रोश**

शेखावत ने बताया की एंबुलेंस कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर पिछले आठ दिनों से शांति पूर्वक धरना प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन राज्य की कांग्रेस सरकार द्वारा दमनकारी तरीके से एंबुलेंस कर्मचारियों के साथ वार्ता करने व मांगों का समाधान करने की बजाय उनके आंदोलन को दमनकारी नीति से कुचला गया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने पुलिस बल द्वारा आंदोलन को कुचल तो दिया, लेकिन यह सभी कर्मचारी इसी राजस्थान के रहने वाले है। सामने चुनाव आ रहे है प्रदेश के 6000 एंबुलेंस कर्मचारियों के पीछे 10 -10 परिवार वाले है। गांव से लेकर पंचायत, तहसील, जिलों में आम जनता से रोज आपातकालीन स्थिति में संपर्क रखते है। यह कर्मचारी पूरे राजस्थान में कांग्रेस सरकार का बहिष्कार करेंगे। सरकार के इस सलूक से सभी एंबुलेंस कर्मचारियों में बड़ा आक्रोश है। शेखावत ने बताया कि हम अपनी मांगों के लिए आंदोलन जारी रखेंगे और सरकार के खिलाफ पूरे प्रदेश में प्रचार-प्रसार करेंगे।

World Suicide Prevention Day

There's been a rising epidemic around the world, and that epidemic is suicide. If we don't know someone who had committed suicide, it's almost certain that we know someone who has attempted it. Suicide is a problem that affects all age groups, genders, and social strata, and it seems sometimes to be utterly inescapable. World Suicide Prevention Day raises awareness about this tragic issue and works to prevent it through education and support of those who struggle with suicidal ideation every day.

#INSPIRATION

A DOCTOR'S PALETTE

A seasoned doctor, Dr. Sushma Mahajan discovered her innate talent and passion for art during the lockdown, proving that creativity can flourish even in the most unexpected circumstances. With six successful art exhibitions under her belt, alongside fulfilling the demands of her medical career, she shares her journey as an artist and how she skillfully balances both the worlds of white coats and vibrant canvases in an exclusive conversation with Arbit.

Tusharika Singh

Amid the turbulent seas of the COVID-19 pandemic, as the world grappled with confinement and pervasive negativity, Dr. Sushma Mahajan embarked on a transformative odyssey. A seasoned medical professional with over three decades of commitment to her career, Dr. Mahajan ventured into the realm of art. Little did she anticipate that her newfound hobby would catalyze a remarkable journey, characterized by a string of successful exhibitions and a growing demand for her art, all while maintaining her steadfast dedication to her medical profession.

An Artistic Awakening

Dr. Mahajan's artistic journey began when her daughter's fine arts school project required a water colour poster. To help her daughter with the project, she started watching online tutorials. The lockdown in March 2020 ,which followed soon after, presented an unexpected opportunity for her to delve deeper into painting. However, her early works were hampered by limited supplies of paint and paper. Undeterred, she persevered and, once the lockdown lifted, invested in high-quality materials that elevated the quality of her art.

Finessing her skills

With each stroke of the brush, Dr. Mahajan's skills improved, and she embraced the learning process, taking valuable lessons from her mistakes. Her husband's encouragement and support and the values instilled in her by her father—punctuality, discipline, and hard work—played a pivotal role in honing her artistic abilities. She also sought feedback from an online global fine arts review website, gaining helpful insights into her work.

Dr. Mahajan initially aspired to decorate her home with a few framed paintings. However, her ambition quickly expanded as she finished a whopping 100 paintings by January 2021. This led to her first solo exhibition in March 2021, which featured an impressive collection of 72 paintings. Remarkably, 50 of these pieces found new homes within just two days of the exhibition's opening. This milestone marked the beginning of an extraordinary artistic journey and there was no looking back from there. In a mere four months, she curated her next exhibition, showcasing a captivating collection of 50 paintings, and it was met with resounding success, selling out in its entirety. To date, Dr. Mahajan has orchestrated an impressive total of six exhibitions, including a prestigious showcase at the India Habitat Center in New Delhi.

Art as Liberation

Amid the rigorous demands of the medical profession, Dr. Mahajan discovered solace and liberation in art. After her daily 9-to-5 medical duties, she dedicates 2 to 3 hours every day to painting. While initially favouring safe subjects like still life and nature, she later embraced the challenge of portraits and landscapes. Her artistic style leans towards realism, aiming to evoke feelings of positivity and happiness in her viewers, transporting them into the world depicted on her canvas. On an average, she completes one painting per week.

Spectrum of Life

As Dr. Mahajan prepares for her seventh exhibition, to be held at Jaipur's iconic Rambagh Palace, she explores the theme of 'Spectrum of Life.' When asked about her creative process and how she deals with creative blocks, she reveals her commitment to her craft. She does not wait for inspiration or motivation; instead, painting has become an integral part of her lifestyle. "I do not give myself the choice to not paint and I have made it a way of life", she says. Dr. Sushma Mahajan's incredible journey from medicine to art serves as a testament to the limitless potential of human determination and the power of pursuing one's passion. Her story reminds us that age is no barrier to mastering new skills, and with dedication and hard work, we can achieve greatness at any stage of life.

What we would really like is a God who never destroys what he has created. Or if there must be pain and death, let them be meted out by a God of righteousness, who will punish the wicked and reward the good with everlasting happiness. But in fact, the good get hurt, the innocent suffer. Then let there be a god who sympathizes and brings comfort. But Nataraja only dances. His play is a play impartially of death and of life, of all evils as well as of all goods. He dances this way—what happiness! Dances that way—and oh, the pain, the hideous fear, the desolation! Then hop, skip, and jump. Hop into perfect health. Skip into cancer and senility. Jump out of the fullness of life into nothingness, out of nothingness again into life. For Nataraja it's all play and the play is end in itself, everlastingly purposeless. He dances because he dances, and the dance is his maha-sukha, his infinite and eternal bliss. Eternal bliss," Dr. Biswas repeated "For us there's no bliss, only the oscillation between happiness and terror and a sense of outrage at the thought that our pains are as integral a part of Nataraja's dance as our pleasures, our dying as our living.

Shiva Nataraja's Ananda Tandava

#ICON

Maj Chandrakant Singh VrC (Retd)
Military Historian

You the creator, you the destroyer, you who sustain and make an end, Who in sunlight dance among the birds and the children at play, Who at midnight dance among the corpses in the burning grounds, You, Shiva, you dark and terrible Bhairava, You Suchness and Illusion, the Void and All Things, You are the lord of life, and therefore I have brought you flowers; You are the lord of death, and therefore I have brought you my heart—This heart that is now your burning ground. Ignorance there and self shall be consumed with fire. That you may dance, Bhairava, among the ashes. That you may dance, Lord Shiva, in a place of flowers, And I dance with you.

(Aldous Huxley)

The most common and popular artifact on display in Indian homes and sometimes even in other countries is the statue of Natraja. It is displayed for both its aesthetic appeal and spiritual symbolism. It is India's big moment from 8 to 10 September when it plays host to the G20 Summit in Delhi. It is the time when India will showcase itself to the leaders of the world's leading countries and put on display the very best of our past and present. The past is appropriately represented by the 28 feet high replica of the statue of Nataraj of the Chola period-the Golden Age of Southern India. The Nataraj statue is installed at the entrance to the Convention Center where the leaders are to meet. Nearly everyone admires the beauty of this statue and the genius of the sculptor but few understand its symbolism, so I think it is time for me to try and present to the readers the significance and deep philosophical and spiritual symbolism of this great work of art.

My encounters

My fascination with the Natraja figure and the symbolism was first aroused when the famous Bharatnatyam dancer Yamini Krishnamurti performed the Tandav Dance at the Khajuraho Dance Festival sometime in the early nineteen eighties. She also explained its symbolism and some very interesting connected stories which require a full article by itself which is part 2 of this account.

My second encounter with Nataraj was at the Bharat Kala Kendra at the BHU in Banaras where its Director Prof Biswas would always take time off from his work to show me the treasures held by his institute which includes the biggest and most valuable gold coin ever minted. It is about nine inches in diameter and weighs about a Kilogram and was minted by Jahangir. Amongst the other treasures are Taimur's drinking cup, miniature paintings from Bikaner, Roerich's paintings of Himalayan vistas and several others. But his and mine is the Chola Nataraj. Dr Biswas devotes eighteen periods to explain its symbolism to his students. Most of what follows in this account is what I remember from his talk.

The image of Shiva dancing within a giant ring of fire is among the most beloved and awe-inspiring symbols of the conception of the nature of the cosmos in any civilization. Indeed, at the heart of this powerful sacred image, we find a symbolic distillation of the essence of Hindu spiritual consciousness.

The vast complexity of Siva's Cosmic Dance is traditionally represented by 108 poses and these variations date back to at least the fifth century C.E. It seems clear that the particular form of this image which has become so familiar to us is a specific variation which became more or less set as a canonical form in about the tenth century as a series of bronze sculptures created during the latter portion of the Chola period. It was this version of the image of the Dancing Shiva which was first brought to the attention of Western scholars by Ananda Coomaraswamy in his famous and widely-read essay, "The Dance of Siva."

Beyond the specific historical, geographical, mythological and iconographic details associated with Shiva Nataraja, of course, any contemplation of the Dancing Shiva also brings with it a wealth of more general associations relating to dance as spiritual metaphor. More than with any other deity, dance is associated with the mythology of Siva, forming in its most exalted aspect a metaphor for the cosmic cycle of creation and destruction and the individual cycle of birth and re-birth. The degree to which dance is integral to the image of Nataraja is one cannot separate the dancer from dancing, just as one cannot separate God from the world or from ourselves.

> Beyond the specific historical, geographical, mythological and iconographic details associated with Shiva Nataraja, of course, any contemplation of the Dancing Shiva also brings with it a wealth of more general associations relating to dance as spiritual metaphor. More than with any other deity, dance is associated with the mythology of Siva, forming in its most exalted aspect a metaphor for the cosmic cycle of creation and destruction and the individual cycle of birth and re-birth. The degree to which dance is integral to the image of Nataraja is one cannot separate the dancer from dancing.

Delving further into the notion of dance as spiritual metaphor, one finds that the ideas of rhythm and movement take on symbolic importance, with rhythm reflecting the pattern of the primal energy of the cosmos and movement reflecting the effect of that patterned energy on all of the matter of the cosmos. Coomarswamy speaks of the relationship of rhythm to sacred dances when he writes that "the root idea behind all of these dances is more or less one and the same, the manifestation of primal rhythmic energy"

Apart from the long tradition within Hindu culture of associating the act of dancing with spiritual evolution, there are numerous other instances of dance playing an intrinsic role in spiritual practices ranging from the whirling dances of the Sufi dervishes to the communal dancing of the Shakers. Looking back to the origins of dance as a sacred activity, Dancing is an ancient form of magic. Power at the root of sacred dance, noting that through the motion of dance, the participant "becomes amplified into a being endowed with supra-normal powers. His personality is transformed. Like yoga, the dance induces trance, ecstasy, the experience of the divine, the realization of one's own spiritual nature, and, finally, mergence in to the divine essence"

Complex symbolism

In exploring the universal meaning of Shiva Nataraja as an image which has captured the imagination of people all over the world, one first needs to grasp the principal details of the iconography of this image as it is understood by Hindus. The complex symbolism of this highly ornamented image, in turn, invokes a wealth of connections with the rich mythology of Shiva, Shiva Nataraja "is a veritable encyclopaedia of mythological references" In particular, to appreciate the image of Nataraja, one needs to know the particular Hindu myth which explains how Shiva first came to dance the Ananda Tandava and assume his role as Lord of the Dance. This myth, which also explains how Shiva Nataraja came to be associated with Chidambaram, was originally related in its complete form in the twelfth-century, first in a Sanskrit text called the Chidambara Mahatyma and shortly thereafter in the Tamil version of this work, called the Koyil Puranam. The following retelling of this myth is based on sections of the Chidambara Mahatyma.

The grand myth

The myth begins with the great god Vishnu—Shiva's "other-self," -- reclining in yoga nidra on the great serpent Sesa, floating on "the waters of undifferentiated matter during the period between the destruction and creation of the universe" Lost in the bliss of dreaming about Shiva, Vishnu then awakens from his reverie and relates the remainder of the story to Sesa. On the previous cosmic day, Vishnu tells Sesa, when he went to pay his daily respects to Shiva, the latter told him of a band of ten thousand self-righteous rishis, or Hindu holy men, living in the Daruka Forest in Tillai near Chidambaram. These rishis were so sure of their own holiness that they began to believe that their great wisdom was the result of their own sanctity rather than being a gift from the gods. As a result, Shiva decided that he and Vishnu should pay a visit to these false teachers and demonstrate the error of their ways. He instructs Vishnu to take on the form of Mohini, a beautiful enchantress, while he assumes the disguise of Bhiksatana, a handsome and charming wandering yogi. "I instantly became a woman," says Vishnu, "such that the great sages would think me neither chaste nor a courtesan, and beside me stood the Great Lord who was gently laughing". As soon as the two gods arrive in Tillai, the formerly ascetic rishis become instantly enamored of Mohini, while their previously chaste wives became, "immediately enraptured with the seeming yogi". Of course, the rishis were particularly disturbed by this latter turn of events, as well as by the general chaos that suddenly seemed to be enveloping their peaceful and well-ordered world.

When the rishis saw what was happening to their community, they began to doubt their own eyes and to feel that they were the victims of an illusion. Of course, having eliminated the gods as causal factors, these rishis received this supernatural event "with the violent reactions of men who face a fact that doesn't fit their orthodoxies," after which they discovered that "neither disbelief nor loud voice augmented by curses" could eliminate the reality of Shiva's presence. When these maledictions failed to have any effect on the handsome yogi and his wife, the rishis prepared a magical fire and unleashed from it a ferocious tiger. Believing that the yogi would be utterly destroyed (or at least fatally frightened) by the tiger, they were horrified to see that, "Shiva lifted the tiger with one hand and with the little finger of the other he tore off the skin," joyfully slipping the tiger pelt around his magnificently narrow waist. The now-furious rishis conjured a giant serpent out of the fire and directed the venomous fangs of the reptile at the still-tranquil yogi. They watched in horror as Shiva bent down and gently stroked the outstretched hood as he cast the snake around his neck as an ornament for his mighty chest and another one he wound around his waist as a belt to hold the tiger skin. Failing again, the rishis then made their most desperate ploy conjuring out of the fire a hideous dwarf, "a fierce goblin, black in color and armed with a club which rushed upon the beaming yogi, only to be broken and subjugated beneath the foot of the increasingly resplendent figure of God. Silently watching all this is the figure of a smiling Ganga sitting on Shiva's head hidden in his matt locks.

Somewhere within the soul of that great god, a faint strumming of uncertain sound began to stir, and with a drum held in one of his hands, Shiva began to beat out a rhythm "in the slow and even cadence of a pulsing heart". Then, while balancing still on the malevolent little dwarf with one foot, Lord Shiva began to dance his great dance of creation and destruction. No longer the wandering yogi, he showed himself now the shining God, his seemingly many arms and legs flashing in speed and splendor

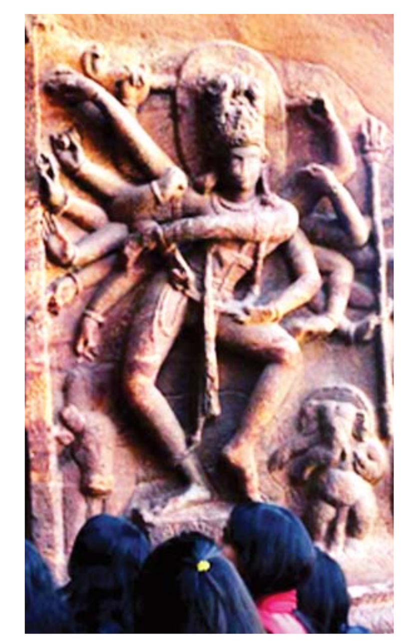

like the rays of the whirling sun. At the sight of this cosmic spectacle, the rishis were finally overcome in their willful ignorance and pride and fell to their knees in worship before this vision of divinity as Nataraja. The heavens opened up and the gods themselves came to watch the glorious dance. As the rhythm of the drumbeat quickened and the motion of the arms and legs became more vigorous, "All that was not Shiva began to fall apart, disintegrate, evaporate into the thin vapors of apparent nothingness, until at the climax of the nothingness only the audience of god remained. Then Shiva paused for a cosmic moment and, beginning again with a slow and stately rhythm, "as had danced the worlds out, now he danced them in again, flinging stars into their heavens, evoking life upon the earth, a kinaesthesia of overflowing grace and love."

Distraught at the thought of never seeing this sublime vision for himself, Sesa begs Vishnu to be allowed to be reincarnated in human form to become a devotee of Shiva. Reborn as the sage Patanjali, Sesa takes up the life of an ascetic follower of Shiva and after many years is met by Shiva himself and offered the joys of heaven as a reward for his deep devotion and his many austerities. Instead, Patanjali asks to be allowed to witness the Ananda Tandava for himself, to which request Shiva accedes. Shiva then tells Patanjali to wait for him in Chidambaram where, he promise the sage, he will return to earth and dance the Ananda Tandava again for the salvation of all humankind.

> As important as the symbolism of the planted foot is for those contemplating Nataraja, it is Shiva's upraised right foot which-combined with the "elephant hand" gesture of the hand pointing to that upraised foot-is of most critical importance to the spiritual significance of this entire sacred image. Ultimately, what the iconography of Shiva Nataraja is pointing at, much as the hand is pointing to the gently and gracefully uplifted foot, is the concept of spiritual release, for as Huxley observes, "that lifted foot, that dancing defiance of the force of gravity-it's the symbol of release, of moksha, of liberation"

Analysing the image

All images of Shiva Nataraji, and most particularly the central bronze image of Nataraja in the main temple at Chidambaram, are meant to be graphic representations of the central figure of this myth: Shiva as Lord of the Dance, offering salvation to the worshipful observer as he dances the creation and destruction of the cosmos through the Ananda Tandava. While many iconographic details included in the sculptures of Nataraja, several of them are particularly important for understanding the spiritual significance of this image. These details relate to the position or contents of the four arms, the position of the two legs, the dwarf upon which Shiva stands, and the ring of fire surrounding the figure of Shiva.

Beginning with the last of these and perhaps the single most recognizable aspect of the image of the Dancing Shiva, the ring of fire in the midst of which Nataraja dances the Ananda Tandava symbolizes the energy which fuels both the god's dance and the cosmic repercussions emanating from it. It represents the vital processes of the universe and its creatures, nature's dance as moved by the dancing god within and the energy of Wisdom dancing forth from the personification of the All. In her observations on the difference between the Hindu and Buddhist traditions, O'Flaherty observes that Buddhism seeks a Middle Path between asceticism and sensuality and an extinguishing of the flame through the attainment of Nirvana, whereas Hinduism is typified by the conception that Shiva embodied the flame and danced within it.

The contents of the upper two of Nataraja's outstretched hands are meant to demonstrate the eternal balance between the forces of creation and those of destruction. In the upper right hand, Shiva holds the sacred damaru, a drum in the shape of an hourglass, with which Shiva beats out the rhythm of his dance and with it the ceaseless creation of the universe and all of its infinite forms. This drum, writes Joseph Campbell, "is the drum of time, the tick of time which shuts out the knowledge of eternity," as a result of which "we are enclosed in time." Moreover, it is said to signify the primordial sound from which all things emanate, connoting in Heinrich Zimmer's words "Sound, the vehicle of speech, the conveyer of revelation, tradition, incantation, magic, and divine truth" Opposed to this force of creation as represented by the drum is the flame of extinction held in Shiva's upper right hand. That flame symbolizes all of Shiva's awesome powers of destruction, the terrible but necessary burning away of all things existing in time and space, the fire which, "burns away the veil of time and opens our minds to eternity."

While the lower right hand is held in a palm-outward gesture said to signify the reassurance of the god that those approaching this image should "fear not," the lower left hand is gracefully pointed downward in the classical dance position is known as "elephant hand," signifying the concept of spiritual teaching. "Where an elephant has gone through the jungles," "all animals can follow, and where a teacher leads the way disciples follow" that this hand gesture is also meant to remind us of the god Ganesha, Shiva's son who is called the "Remover of Obstacles"

Shiva's left foot is firmly planted on the back of the terrible dwarf-like monster called Apasmara Purusha in Sanskrit and Muyalaka in Tamil. This figure's name means demon of forgetfulness or heedlessness and that "it is symbolical of life's blindness, man's ignorance" the monster Apasmara/Muyalaka actually represents the "soul temporarily earth-bound by it's own sloth, confusion and forgetfulness." Shiva's left foot, therefore, signifies the conquest of that pervasive heedlessness which keeps us from attaining true wisdom and maintains our state of bondage to the illusions of the world.

As important as the symbolism of the planted foot is for those contemplating Nataraja, it is Shiva's upraised right foot which—combined with the "elephant hand" gesture of the hand pointing to that upraised foot—is of most critical importance to the spiritual significance of this entire sacred image. Ultimately, what the iconography of Shiva Nataraja is pointing at, much as the hand is pointing to the gently and gracefully uplifted foot, is the concept of spiritual release, for as Huxley observes, "that lifted foot, that dancing defiance of the force of gravity—it's the symbol of release, of moksha, of liberation"

What we would really like is a God who never destroys what he has created. Or if there must be pain and death, let them be meted out by a God of righteousness, who will punish the wicked and reward the good with everlasting happiness. But in fact, the good get hurt, the innocent suffer. Then let there be a god who sympathizes and brings comfort. But Nataraja only dances. His play is a play impartially of death and of life, of all evils as well as of all goods. He dances this way—what happiness! Dances that way—and oh, the pain, the hideous fear, the desolation! Then hop, skip, and jump. Hop into perfect health. Skip into cancer and senility. Jump out of the fullness of life into nothingness, out of nothingness again into life. For Nataraja it's all play and the play is end in itself, everlastingly purposeless. He dances because he dances, and the dance is his maha-sukha, his infinite and eternal bliss. Eternal bliss," Dr. Biswas repeated "For us there's no bliss, only the oscillation between happiness and terror and a sense of outrage at the thought that our pains are as integral a part of Nataraja's dance as our pleasures, our dying as our living.

In the image of Shiva Nataraja, I find a deeply moving symbol of the ultimately mysterious and paradoxical nature of the divine. Creation and destruction, order and chaos, asceticism and sensuality, immanence and transcendence, life and death, being and non-being all coexist, balance, and, indeed, dance with each other in Shiva's divine choreography. Most wonderful of all, Nataraja shows us that these eternal oppositions and dualities can never be reconciled into some neutral third or middle position. Perhaps as we meditate on the image of Shiva as Lord of the Dance, we may finally come to understand that the essential power of the divine mystery, the very nature of our experience of the numinous, resides precisely in the inherently irresolvable, irreducible nature of all the eternal paradoxes so magnificently manifested and celebrated in Nataraja's cosmic ballet.

rajeshsharma1049@gmail.com

THE WALL

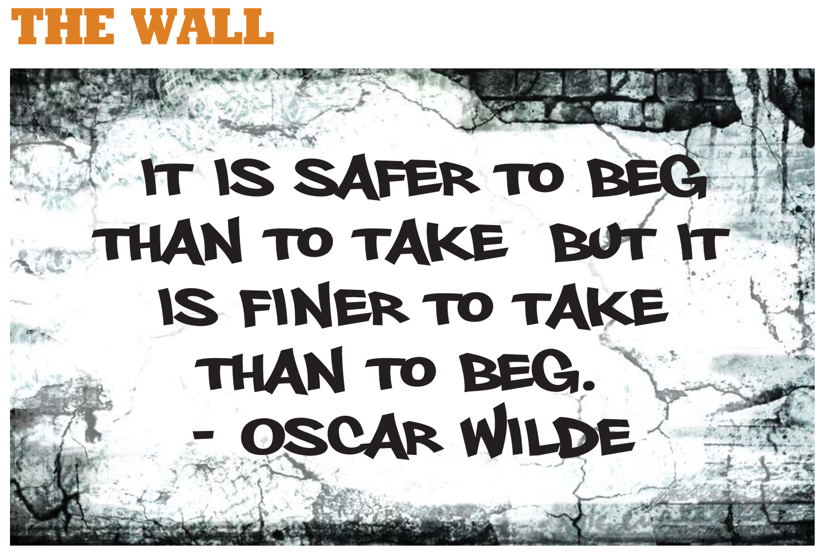

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

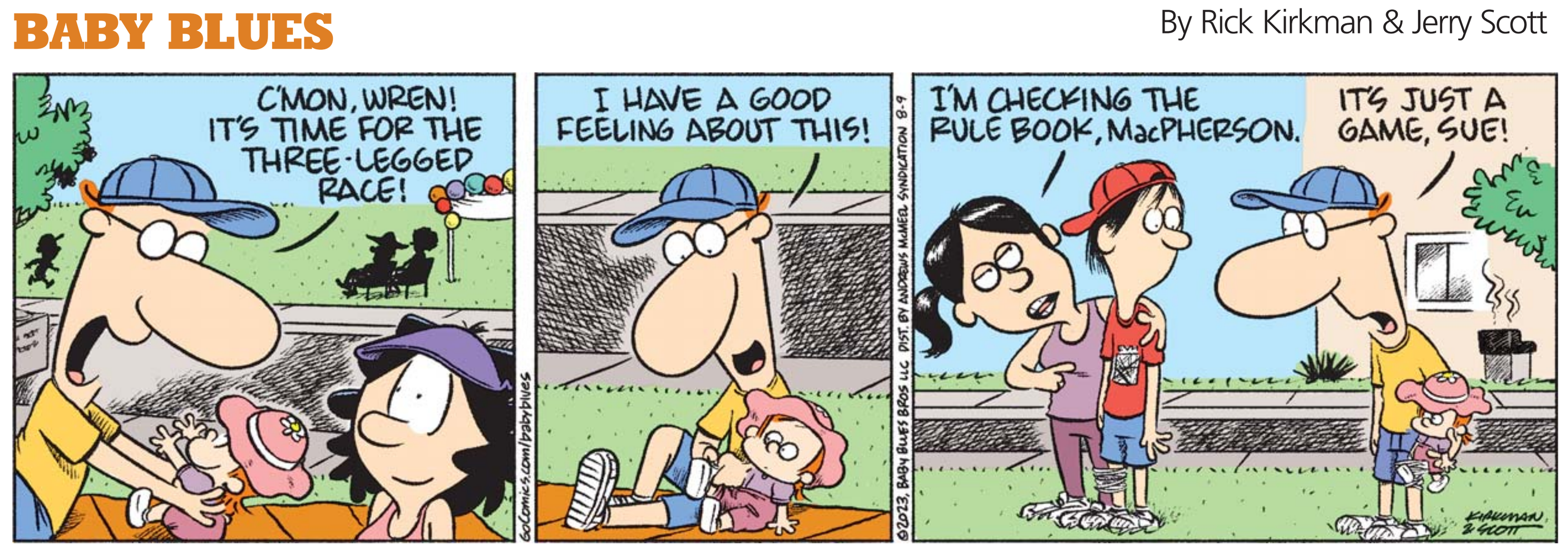

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

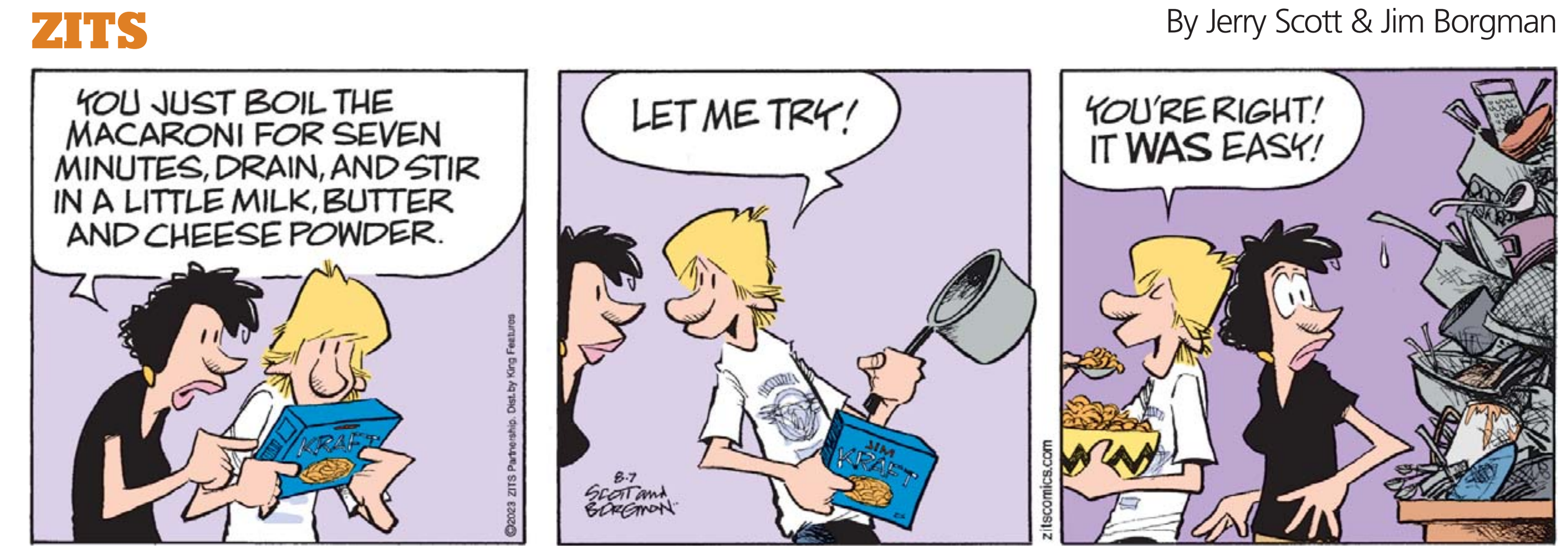

अधिवक्ता के साथ कथित दुर्व्यवहार को लेकर बार संघ ने स्टेट हाईवे जाम किया

कार्यवाही नहीं होने तक अधिवक्ताओं का धरना-प्रदर्शन जारी रहेगा

बीदासर, (निसं)। बीदासर अभिभाषक संघ के पुस्तकालय अध्यक्ष अधिवक्ता महेश कुमार छापोला के साथ बुधवार को पुलिस थाना बीदासर के एसआई द्वारा पुलिस थाना में किए गए कथित दुर्व्यवहार को लेकर बीदासर बार संघ के अधिवक्ताओं ने शनिवार को सीकर-नोखा मुख्य सड़क मार्ग को जाम कर विरोध प्रदर्शन किया और वकील एकता जिंदाबाद, पुलिस का अत्याचार नहीं सहेंगे, पुलिस की तानाशाही नहीं चलेगी, के जमकर नारे लगाये।

इससे पूर्व अधिवक्ताओं ने शनिवार को बीदासर न्यायालय के आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में आये बीदासर न्यायाधीश को ज्ञापन सौंपा, इसी दौरान बार संघ ने जिला कलक्टर चूरू के नाम का ज्ञापन तहसीलदार बीदासर एवं जिला पुलिस अधीक्षक चूरू के नाम का ज्ञापन बीदासर पुलिस उपअधीक्षक प्रह्लाद राय को सौंपकर एसआई पप्पूराम को निलम्बित करने, एसआई पप्पूराम के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कार्यवाही करने, मामले में किसी उच्चाधिकारी से जांच करवाये जाने की मांग की। अधिवक्ताओं द्वारा मुख्य मार्ग बंद किये जाने पर अभिभाषक संघ अध्यक्ष के साथ डीएसपी द्वारा की गई समझाईश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट बीदासर के लिखित आश्वासन के बाद अधिवक्ताओं ने रास्ता खोला और न्यायालय परिसर में धरने पर बैठ गये।

न्यायिक मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपते अधिवक्तागण।

बार संघ अध्यक्ष रघुवीर भामू ने बताया कि पुलिस थाना बीदासर के एसआई पप्पूराम मीणा ने अधिवक्ता महेश कुमार छापोला जो कि एक महिला की सहायता हेतु बीदासर थाने में गये थे के साथ अभद्र व्यवहार किया है एवं अधिवक्ता की प्रतिष्ठा को धूमिल करने का प्रयत्न किया है एवं विधि विरूद्ध तरीके से अधिवक्ता को पुलिस थाने में तीन घण्टे तक निरूद्ध रखा एवं अधिवक्ता को झूठे मुकदमें फंसाने एवं गिरफ्तार करने की एलानिया धमकी सार्वजनिक रूप से दी। अधिवक्ता के साथ घटित इस घटना के लिए अधिवक्ताओं ने बीदासर पुलिस थाना में एक लिखित शिकायत गुरुवार को दी तथा पुलिस उपअधीक्षक बीदासर व जिला पुलिस अधीक्षक चूरू को भी शिकायत दर्ज करने के लिए लिखा लेकिन दो दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस थाना में न तो कोई एफआईआर दर्ज की गई और न ही मामले में पुलिस अधिकारियों द्वारा कोई कार्यवाही की गई है। जिसके कारण अधिवक्ताओं में काफी रोष व्याप्त है।

अधिवक्ताओं ने कार्यवाही न किए जाने की स्थिति में सोमवार से सम्पूर्ण कार्य बहिष्कार एवं अनिश्चितकालीन आंदोलन की चेतावनी दी है। इस दौरान बार संघ बीदासर के सचिव दीनदयाल प्रजापत, उपाध्यक्ष शाहिद सोलंकी, उपसचिव गौतम कुमार पंवार, कोषाध्यक्ष अरविन्द, ज्ञानाराम, महेश, छापोला, मनोज गोदारा, रमेश बिस्सु, जगदीश प्रजापत, गोरधन सिंह, परमानन्द बिजारणिया, आमीन शेख, तिलोक चन्द, रजत, मनीष, भगवानाराम, नरेन्द्र सिंह, रजतराज, गोविन्द, राजकुमार सहित अनेक अधिवक्तागण उपस्थित थे।

मौसम ठंडा होने से गर्मी से मिली राहत, फसलों को होगा फायदा

गंगापुर सिटी सहित आसपास के क्षेत्र में रिमझिम बारिश का दौर चला

गंगापुर सिटी, (निसं)। गंगापुर सिटी सहित आसपास के क्षेत्र में शनिवार को अलसुबह से दोपहर तक रिमझिम बारिश का दौर चलता रहा। इससे तापमान में गिरावट आने से गर्मी और उमस से लोगों को काफी राहत मिली

- **किसान भी बारिश नहीं होने से खरीफ की बाजरा और तिल की फसलों को लेकर चिंतित थे**
  बारिश नहीं होने से फसलें सूखने के कगार पर पहुंची

है। वहीं, मूरझा रही फसलों को जीवनदान मिला है। एक सप्ताह पूर्व गर्मी के कारण लोगों का हाल बेहाल हो गया था। किसान भी बारिश नहीं होने से खरीफ की बाजरा और तिल की फसलों को लेकर चिंतित थे। बारिश नहीं होने से फसलें सूखने के कगार पर पहुंच गई।

विगत 4-5 दिनों से मौसम का मिजाज पूरी तरह से बदल गया। आसपास के क्षेत्र में इंद्रदेव मेहरबान हो गए और मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया। विगत 3 दिनों से क्षेत्र में अच्छी बारिश हो रही है। शनिवार को सुबह से ही आसमान में बादल छाए हुए थे। बादलों के छाए रहने से सूरज के दर्शन नहीं हुए। वहीं, सुबह से ही रुक-रुक कर रिमझिम बारिश का दौर चलता रहा। बीच-बीच में एकाध बार कुछ देर के लिए तेज बारिश भी हुई। रिमझिम बारिश के बाद कई जगहों पर सडकों पर पानी भर गया, जिसके कारण आमजन, राहगीर, वाहन सवारों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। साथ ही बारिश के बाद तापमान में कमी आने से मौसम सुहाना हो गया और ठंडी हवा चलने से लोगों को गर्मी और उमस से भी काफी राहत मिली। वहीं, बारिश के बाद किसानों के चेहरे खिल गए।

गंगापुर सिटी में बरसात होने से सड़क पर पानी भर गया।

तहसील कानूनगो राजेन्द्र जायसवाल ने बताया कि गंगापुर सिटी क्षेत्र में एक जनवरी से अब तक 794 एमएम और एक जून से अब तक 680 मिमी बारिश दर्ज की जा चुकी है। गंगापुर में औसत बारिश का आंकडा 550 से 600 मिमी का है। इस लिहाज से देखा जाए तो गंगापुर में औसत बारिश का आंकडा पार हो चुका है।

लोकार्पण से पहले ही टूट गई सीमेंटेड सड़क

चूरू, (कासं)। जैन मार्केट के आगे से बनी सड़क मुख्यमंत्री द्वारा पहले बजट घोषणा में बनी थी। वह सड़क बनने के कुछ दिनों बाद ही टूट गई जो पिछले एक साल से टूटी पड़ी है। मौजासिया चौक बालाजी मन्दिर के सामने मुख्य सड़क टूटने से वाहन चालकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहां हर समय नाली का गंदा पानी एकत्र रहता है और कई स्कूलों का मुख्य रास्ता भी जिसके चलते स्कूली बच्चों को रोज यहा से निकलना पड़ता है।

जानकारी के अनुसार पीडब्लूडी को इसकी कार्यकारी ऐजेन्सी बनाया गया था ताकि उच्च गुणवत्ता की सड़क बन सके। जिसकी सेक्संन नगर परिषद् से निकली थी। लेकिन इस सड़क का लोकार्पण भी नहीं हुआ है उससे पहले ही सड़क टूटनी शुरु हो गई है। इस सड़क को टूटे हुए एक साल से ज्यादा का समय हो गया है और इसकी शिकायत खुद नगरपरिषद् सभापति पायल सैनी ने पीडब्लूडी मंत्री भजनलाल जाटव, जिला कलेक्टर सिद्धार्थ सिहाग व पीडब्लूडी को लिखित में दी थी लेकिन फिर भी आज तक किसी सम्बधित अधिकारी ने इसकी सुनवाई नहीं की। ना ही जिले के मालिक इसको गंभीरता से ले रहे है। इसे अधिकारियो की लापरवाही नहीं कहेंगे तो और क्या कहेंगे।

इस संबंध में चूरू नगर परिषद् सभापति पायल सैनी ने बताया कि मौजासिया चौक बालाजी मन्दिर के सामने वाली सीमेंटेड सड़क की लिखित में शिकायत दी थी। पीडब्लूडी को इसकी कार्यकारी एजेन्सी बनाया गया था ताकि उच्च गुणवत्ता का काम हो सके लेकिन सड़क बनने के कुछ ही दिनों बाद सड़क टूट गई जिसको आज दिनांक तक सही नहीं किया गया है। यह पीडब्लूडी के अधिकारियों की लापरवाही दर्शाती है।

उप राष्ट्रपति 12 सितम्बर को महावीरजी आयेंगे

करौली, (निसं)। उप राष्ट्रपति के 12 सितंबर को करौली-महावीरजी दौरे को लेकर पुलिस और प्रशासन के अधिकारी अलर्ट मोड पर आ गया है। शुक्रवार को उप राष्ट्रपति का दौरा कार्यक्रम आते ही जिला कलेक्टर अंकित कुमार सिंह व पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता सहित कई अन्य विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी महावीरजी पहुंचे जहां उन्होंने हैलीपेड स्थल सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबधित विभाग के अधिकारीयो को दिशा निर्देश दिये। करौली कलेक्टर कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ व उनकी पत्नी सुदेश धनकड़ का 12 सिंतबर का ग्वालियर, धौलपुर,भरतपुर व करौली यात्रा का कार्यक्रम जारी हुआ है जिसके अनुसार 12 सितंबर को उप राष्ट्रपति धनखड़ नई दिल्ली से वायुयान से ग्वालियर पहुंचेंगे। और वहाँ से राजस्थान के तीन जिलों में हेलीकॉप्टर से यात्रा करेंगे।

तालाब में डूबने से 12 वर्षीय बालक की मौत

विद्यालय से आने के बाद तालाब में तैराकी अभ्यास के लिए गया था

टोंक, (निसं)। उपखंड क्षेत्र के कठमाणा के तालाब में डूबने से एक 12 वर्षीय बालक की मौत हो गई। जानकारी अनुसार कठमाणा के पीयूष बैरवा पुत्र शिवराज बैरवा शनिवार को विद्यालय से आने के बाद दोपहर में करीब दो बजे तालाब में तैराकी अभ्यास के लिए चला गया।

इस दौरान गहरे पानी में चले जाने से वह डूब गया। वहां मौजूद लोगों ने बचाने की कोशिश भी की लेकिन वह बचा नहीं सके। इसकी सूचना तालाब के आस-पास मौजूद लोगों ने सरपंच गणेशलाल चौधरी को दी। ग्रामीणों के सहयोग से पीयूष को बाहर निकाला गया। सूचना मिलने पर पीपलू थानाप्रभारी जयमलसिंह भी मय जाप्ते के मौके पर पहुंचे। जहां पीयूष के शव को लेकर पीपलू सीएचसी पहुंचे। जहां पंचनामे की कार्रवाई के बाद शव का पोस्टमार्टम करवाते हुए परिजनों को सुपुर्द कर दिया।

मृतक पीयूष के पिता चुनाई कारीगर है। पीयूष गांव के ही निजी विद्यालय में कक्षा 5 में पढ़ता था। रोजाना की तरह शनिवार को भी विद्यालय जाकर घर पहुंचा। इसके बाद वह तालाब की ओर चला गया। जहां तैराकी के अभ्यास को लेकर तालाब में उतर गया। जिस दौरान वह गहरे पानी में चले जाने तथा सास भूल जाने से डूब गया। पीयूष की मौत के बाद परिजनों का रो रोकर बुरा हाल हो गया।

दो लाख से अधिक के आभूषण चोरी

पावटा, (निसं)। विराटनगर थाना क्षेत्र के ग्राम मैड में चोरों ने देर रात्रि में प्रजापति ज्वैलर्स की दुकान की पीछे से दीवार तोड़कर लाखों रुपए के गहने चोरी की वारदात को अंजाम दिया।

दुकान मालिक रामकिशोर प्रजापति ने बताया कि प्रतिदिन उनका भांजा सुबह दुकान खोलता है। सुबह जैसे ही प्रजापति ज्वैलर का शटर खोला तो दुकान में रखी ज्वेलरी का सामान बिखरा हुआ पड़ा था। दुकान के पीछे की दीवार को तोड़ रखा था। घटना की सूचना तुरंत दुकान मालिक रामकिशोर प्रजापत एवं पुलिस को दी गई। दुकान मालिक ने बताया कि 2 लाख रुपए से अधिक के आभूषण दुकान में रखे थे। जिसे चोरों ने चुरा लिया। मौके पर मैड पुलिस चौकी इंचार्ज सहित पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। जहां मामले की जांच प्रारंभ कर दी है। पुलिसकर्मी आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज की मदद से वारदात की जांच कर रहे हैं।

पपला गैंग के कुख्यात बदमाश को पकड़ा

देशी कट्टा 315 बोर, पिस्टल और एक जिंदा कारतूस बरामद

किशनगढ़बास, (निसं)। पुलिस ने अवैध हथियार लेकर घूम रहे आरोपी को गिरफ्तार किया है, आरोपी से देशी कट्टा 315 बोर, पिस्टल और एक जिंदा कारतूस बरामद किया, आरोपी अलवर के राखी व्यापारी का अपहरण, हत्या व पपला गैंग का कुख्यात बदमाश है।

थाना अधिकारी अमित चौधरी ने बताया कि पुलिस अधीक्षक सुरेन्द्र सिंह, डीएसपी किशनगढ़ बास सुरेश कुमार के सुपरविजन में थानाधिकारी अमित कुमार एवं डीएसटी टीम द्वारा कार्रवाई करते बदमाश को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी ने बताया कि पुलिस टीम मुलजिम की तलाश में गांव भिंडूसी के पास पहुंची तो सूचना मिली कि एक बल्ली नाम का व्यक्ति सरदारों के गांव चमरोदा से भिंडूसी की ओर हथियारों सहित आएगा पुलिस टीम को सूचना मिलते ही गांव चामरोदा के कच्चे रास्ते पर नाकेबंदी कर दी।

नाकेबंदी के दौरान एक युवक पैदल आ रहा था युवक पुलिस को देखकर वापस भागने लगा। पुलिस टीम ने घेरा डालकर युवक को पकड़ लिया। युवक से पूछताछ की तो युवक ने अपना नाम बलजीत उर्फ बल्ली गुर्जर पुत्र वेद प्रकाश निवासी टिहली तिजारा होना बताया तलाशी लेने पर युवक से एक देसी कट्टा 315 बोर , एक देसी पिस्टल व एक जिंदा कारतूस मिला। आरोपी ने आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी अनेक मुकदमे दर्ज हैं।

कोटा में मां-बेटे ने की आत्महत्या

- **दोनों का शव उनके फ्लैट से बरामद किया गया**
- **मामला आर्थिक तंगी से जोड़कर देखा जा रहा है**
- **मृतका के पति की कोरोना के दौर में मौत हो गई थी**

कोटा, (निसं)। कोटा शहर के बोरखेड़ा थाना इलाके में शनिवार को एक मां-बेटे के सुसाइड का मामला सामने आया है। दोनों का शव उनके फ्लैट से बरामद किया गया है। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए हैं। दोनों शव को एमबीएस अस्पताल की मोर्चरी में शिफ्ट किया गया है जहां पर पोस्टमार्टम होगा। मामला आर्थिक तंगी से जोड़कर देखा जा रहा है।

बोरखेड़ा थानाधिकारी जितेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि 80 फीट रोड स्थित पुखराज डिवाइन मल्टी स्टोरी बिल्डिंग के फ्लैट में 58 वर्षीय सतविंदर कौर अपने बेटे 29 वर्षीय रॉबिन के साथ रहती थी। आसपास के लोगों के अनुसार गुरुवार को आखिर बार दोनों को देखा गया था। बताया जा रहा है कि दो दिनों से मां-बेटे परिजन और दोस्तों का फोन भी नहीं उठा रहे थे। लोगों ने उनके फ्लैट पर पहुंचकर कई बार दरवाजा खटखटाया लेकिन किसी ने गेट नहीं खोला। घर से बदबू भी आ रही थी इस पर उन्होंने पुलिस को सूचना दी थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़ा तो घटना का पता चला। ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि करीब 2 दिन पहले ही उन्होंने आत्महत्या की है।

मृतका के पति की भी कोरोना के दौर में मौत हो गई थी। उनका गुमानपुरा में कपड़े की दुकान और शराब का व्यवसाय था जो बीमारी और फिर निधन के चलते बंद हो गया था। बताया जा रहा है कि रॉबिन पर भी कुछ कर्ज था जिसके चलते उन्हें कुछ लोग परेशान कर रहे थे। एक साल पहले इससे परेशान होकर रॉबिन कहीं बाहर चला गया था लेकिन तब भी लोग परेशान कर रहे थे। कुछ सेटलमेंट होने के बाद 6 महीने पहले ही रॉबिन लौटा था।

सीआई शेखावत का कहना है कि आत्महत्या करने वाला परिवार किराए से रहते था। घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है लेकिन रॉबिन ने अपने परिवार की स्टोरी एक नोटबुक में लिखी है। नोटबुक में अधिकांश बातें बिजनेस के संबंध में ही लिखी हुई हैं। उसमें तारीख के साथ जानकारी दी गई है। पुलिस का कहना है कि इस पूरे मामले में जांच की जाएगी।

युवक से मारपीट

भीलवाड़ा, (नि.सं.)। शहर के सुभाष नगर थाना क्षेत्र की आरके कॉलोनी में एक दिन पहले युवक पर हुए जानलेवा हमले के विरोध में सैन समाज ने शनिवार को प्रतिष्ठान बंद रख कलेक्ट्री पर प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा। सेन समाज की ओर से सीओ सिटी देशराज गुर्जर को दिये ज्ञापन में बताया कि शारदा कॉलोनी चौराहा निवासी अर्जुनलाल सैन का बेटा प्रहलाद सैन मोटर रिवाईंडिंग की दुकान पर काम करता है। प्रहलाद, शुक्रवार दोपहर करीब तीन बजे दारू गोदाम रोड़ पर मोटर छोड़ने गया था, जहां अज्ञात कारणों के चलते सोयब, वसीम व ईसू आदि ने प्रहलाद पर हमला कर दिया। हमले में प्रहलाद गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे एमजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

दो करोड़ के गबन मामले में इंडियन बैंक का फरार पूर्व मैनेजर गिरफ्तार

अजमेर, (कासं)। कचहरी रोड स्थित इंडियन बैंक शाखा में हुए दो करोड़ रुपए के गबन के मामले में फरार चल रहे पूर्व बैंक मैनेजर को कोतवाली थाना पुलिस ने शनिवार को उदयपुर से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी पूर्व बैंक मैनेजर को पुलिस ने अदालत में पेश कर पूछताछ के लिए 14 सितम्बर तक रिमांड पर लिया है।

दरगाह सीओ गौरी शंकर ने बताया कि कचहरी रोड स्थित इंडियन बैंक शाखा की एफडीआर राशि अपने और पत्नी सहित रिश्तेदारों के अकाउंट में ट्रांसफर कर करीब 2 करोड़ रुपए का गबन करने के मामले में फरार चल रहे पूर्व बैंक मैनेजर सीकर निवासी संदीप कुमार भरिया को पुलिस ने उदयपुर से गिरफ्तार कर लिया है। भरिया के खिलाफ उदयपुर में भी गबन का मामला दर्ज है। पुलिस राशि बरामदगी के लिए सीकर और मथुरा में आरोपी की निशानदेही पर कार्रवाई की जाएगी।

दरगाह सीओ गौरी शंकर ने बताया कि पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपी ने बैंक की एफडीआर की रकम स्वयं के अकाउंट में ट्रांसफर करने के लिए बैंक के अन्य अधिकारियों की आईडी का दुरुपयोग किया था, यह घटना बैंक में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई थी। पुलिस ने गिरफ्तार पूर्व बैंक मैनेजर को अदालत में पेश कर 14 सितंबर तक की रिमांड पर लिया है।

मालूम हो कि बैंक में दो करोड़ रुपए के गबन का खुलासा होने के बाद मार्च में ही बैंक प्रशासन ने अपने स्तर पर जांच की और कोतवाली थाने पूर्व बैंक मैनेजर के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। पुलिस गिरफ्तार आरोपी पूर्व मैनेजर भरिया से गहनता से पूछताछ में जुटी है, ताकि गबन की राशि बरामद की जा सके।

विद्यालय के लिए तूड़ीदान करने पर मिलेगा सम्मान

पीपलू क्षेत्र के जयकिशनपुरा का राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय।

टोंक, (निसं)। पीपलू क्षेत्र के जयकिशनपुरा के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में तुड़ीदान करने पर शिक्षा विभाग द्वारा राज्य स्तर पर शिक्षाभूषण सम्मान दिया जाएगा।

यह सम्मान तुड़ीदान को लेकर गठित ग्राम विकास समिति के हनुमान प्रसाद शर्मा को राज्य स्तर पर आयोजित समारोह में दिया जाएगा। शिक्षक दिनकर विजयवर्गीय ने बताया कि गतवर्ष प्रधानाध्यापक हेमराज माली, शिक्षक मोहनलाल गुर्जर, मोरपाल गुर्जर, रायसिंह, शंकर लाल मीणा, घनश्याम लक्षकार, कन्हैया शर्मा, निरमा चौधरी, दिनकर विजयवर्गीय, पूर्व प्रधानाध्यापक रामगोपाल शर्मा, राकेश कुमार नामा के प्रयासों से जयकिशनपुरा, चक अब्बास नगर प्रथम के सभी ग्रामीणों ने तुड़ीदान की राशि का समर्पण समिति का गठन करते हुए विद्यालय के नवीन भवन निर्माण के लिए किया था।

तुड़ीदान से विद्यालय को 24 लाख 52 हजार 700 रुपए प्राप्त हुए है। जिस पर राज्य स्तरीय भामाशाह चयन समिति ने तुड़ीदान करने वालों को शिक्षा भूषण सम्मान के लिए चयन किया है। निदेशक प्रारंभिक शिक्षा राजस्थान काना राम ने सूची जारी करते हुए यह जानकारी दी है।

शिक्षिकाओं ने कार्यवाही की मांग की

अजमेर, (कासं)। ख्वाजा मॉडल स्कूल की शिक्षिकाओं ने पुलिस अधीक्षक के नाम ज्ञापन देकर दरगाह कमेटी के सहायक नाजिम के विरुद्ध सिविल लाइन थाना पुलिस को दी शिकायत पर कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाते हुए आदिल के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करने की मांग की है।

ख्वाजा मॉडल स्कूल की शिक्षिकाओं ने ज्ञापन में बताया कि 18 अगस्त को सहायक नाजिम डॉक्टर मोहम्मद आदिल द्वारा उनके साथ अश्लील व्यवहार करने की शिकायत विभाग के प्रमुख और दरगाह कमेटी के नाजिम को दी थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं होने पर पुलिस थाना सिविल लाइन को शिकायत दी गई। सिविल लाइन थाना पुलिस ने शिक्षिकाओं के साथ हुई अश्लील वारदात पर संज्ञान लेने के बजाय सिर्फ टालमटोल की कार्रवाई की जा रही है। इससे आहत होकर पुलिस अधीक्षक को गुहार लगाई गई है कि वह पुलिस थाना सिविल लाइंस को निर्देशित कर सहायक नाजिम आदिल के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करने के आदेश दें। शिक्षिकाओं ने इस बात पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि शीघ्र कार्यवाही नहीं की गई तो शिक्षक संघों के साथ मिलकर आंदोलन किया जाएगा।

विद्यालय के रास्ते में कीचड़ होने से बच्चे हो रहे परेशान

पंचायत प्रशासन नहीं दे रहा समस्याओं पर ध्यान

गंगापुर सिटी, (निसं)। ग्राम पंचायत कुनकटा कलां में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के रास्ते में सड़क के ऊपर कीचड़ और निस्तारी पानी होने से विद्यार्थियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रास्ते में कीचड़ जमा हो गया है। सही रास्ता नहीं होने के कारण रोजाना स्कूल जाने वाले विद्यार्थियों, आम नागरिकों को परेशानी होती हैं।

कीचड़ के कारण वाहन चलाना तो दूर की बात हैं, पैदल चलकर निकलना भी कष्टदायक होता हैं। इस संबध में ग्राम पंचायत सरपंच विश्राम भोपा को भी अवगत करा दिया गया था लेकीन आज तक कोई कार्यवाही नहीं हुई हैं। ग्राम पंचायत कुनकटा कलां में आम रास्ते पर गंदगी-कीचड होने से आमजन परेशान हैं। हालत यह है कि आम रास्ते गंदगी कीचड़ से अटे हैं।

आम रास्ते पर गंदगी और कीचड का आलम हैं।हालत इतनी खराब है कि गंदगी कीचड़ के कारण आम नागरिक पैदल भी नहीं निकल सकता है। लंबे समय से आम रास्ते पर पानी कीचड़ से ग्रामवासी परेशान हैं, पानी के भराव से मच्छर भी पैदा हुए हैं।अगर इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो कई बीमारियां फैल सकती है। प्रशासन और पंचायत सरपंच विश्राम भोपा की अनदेखी के कारण आम रास्ते खराब है लेकिन यहां सुध लेने वाला कोई नहीं है। ग्रामीणों ने प्रशासन से रास्तों को सही करने की मांग की। अगर समस्या का समाधान नहीं किया गया तो मजबूर होकर आंदोलन करना पडेगा।

गंगापुर सिटी में कीचड़ में से होकर स्कूल जाते विद्यार्थी।

राजस्थान में सत्ता का परिवर्तन करना जरूरी हो गया है : राजेन्द्र राठौड़

रानीवाड़ा में परिवर्तन संकल्प यात्रा के दो जगह कार्यक्रम आयोजित हुए

■ वणधर में टिकट के दावेदारों ने किया आयोजन, सुंधामाता की सभा में उमड़ी भीड़

■ सुंधा माता में आयोजित आमसभा में करीबन 8 हजार से ज्यादा और वणधर में 4 हजार से ज्यादा भाजपा कार्यकर्ता पहुंचे

रानीवाड़ा, (नि.सं.)। भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा का आज सुंधामाता तलहटी में विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, संभाग प्रभारी राजेन्द्र गहलोत की मौजूदगी में आयोजन हुआ। जिसमें सांसद देवजी पटेल, विधायक नारायणसिंह देवल, जोगेश्वर गर्ग सहित कई जने मौजूद रहे। इससे पहले राजेन्द्र राठौड़ ने सुबह नीजि रिसोर्ट में मीडियाकर्मियों से चर्चा की।

दूसरी ओर रानीवाड़ा विधानसभा के वणधर गांव में समानान्तर स्वागत सभा का आयोजन किया। इस सभा का आयोजन जिला उपाध्यक्ष मंजीराम चौधरी, ऊकसिंह परमार और डॉ. रमेश राणा के समर्थकों की ओर से किया गया। उन्होंने राठौड़ और गहलोत को रानीवाड़ा में टिकट में बदलाव को लेकर ज्ञापन भी दिया। सुंधा माता में आयोजित आमसभा में करीबन 8 हजार से ज्यादा और वणधर में 4 हजार से ज्यादा भाजपा कार्यकर्ताओं ने अलग-अलग उपस्थित होकर बाहुबल का प्रदर्शन किया।

नेता प्रतिपक्ष राठौड़ ने कहा कि सरकार भ्रष्टाचार, पेपर लीक, रेप के मामलों में देश में अव्वल स्थान पर होने से आमजन परेशान है। इस सरकार को जड़मूल से उखाडने का समय आ गया है। राजस्थान में सत्ता का परिवर्तन करना जरूरी हो गया है। इसलिए राज्यभर में चार दिशाओं से यात्राओं की शुरूआत की गई है। उन्होंने कहा कि सभी यात्राओं में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे की मौजूदगी रही है। आगे भी उनकी मौजूदगी रहेगी।

जानकारी के अनुसार रानीवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में लगातार दो बार से विधायक नारायणसिंह जीत रहे है। इस बार चौधरी समाज के मंजीराम और भौमिया राजपूत समाज से ऊकसिंह परमार ने टिकट की दावेदारी की है। इसलिए परिवर्तन यात्रा के दौरान वणधर गांव में दोनों समाजों की ओर से स्वागत सभा के नाम से शक्ति प्रदर्शन का आयोजन किया गया। दोनों कार्यक्रमों में कार्यकर्ताओं की भारी तादात से भाजपा मजबूत दिखायी दी वही, अलग-अलग कार्यक्रम रखने से भाजपा कैडर के कार्यकर्ताओं को चिंतित होना लाजमी है।

भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा अनूपगढ़ पहुंची

गहलोत सरकार में महिलाओं पर अत्याचार बढ़े : राज्यवर्धन सिंह

अनूपगढ़, (कासं)। भाजपा के द्वारा राजस्थान में परिवर्तन संकल्प यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। आज शाम परिवर्तन संकल्प यात्रा अनूपगढ़ की नई धानमंडी में पहुंची जहां एक सभा का आयोजन किया गया। यात्रा के सभा स्थल पर पहुंचने से पहले यात्रा का अलग-अलग स्थान पर स्वागत किया गया।

सभा में पूर्व केन्द्रीय मंत्री और सांसद राज्यवर्धन सिंह ने भाजपा की उपलब्धियां बताते हुए कहा कि पिछले नौ सालों में तेज गति से देश का विकास हुआ है। जब भारत की बात होती है तो हमारा सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है। उन्होंने कहा कि अगर इस देश की लीडरशिप शुरू से नरेन्द्र मोदी के पास होती तो देश आज बहुत ज्यादा तरक्की कर गया होता। सभा के दौरान भाजपा नेताओं ने कांग्रेस सरकार पर भ्रष्टाचार, पेपर लीक मामलों को रोकने में असफल सरकार कांग्रेस के राज्य में दलितों में महिलाओं पर अत्याचार बने जैसे गंभीर आरोप लगाए।

यात्रा का अलग-अलग स्थान पर स्वागत किया गया। सिंह ने कहा कि चाहे कोई भी हालात हो तिरंगा का मान बढ़ाया है। रूस-यूक्रेन का युद्ध हो या अफगानिस्तान-सिरिया जैसे देश विकट हालातों में हर भारतीय को सुरक्षित घर लाया गया है। अपने 12 मिनट के भाषण के दौरान व छह मिनट तक प्रधानमंत्री के कार्यकाल का बखान करते रहे। परिषद की सभापति प्रियंका बैलान ने अनूपगढ़ क्षेत्र में भाजपा बोर्ड के द्वारा करवाए गए विकास कार्यों को भी सभा में बताया। उसके बाद कांग्रेस पर वार करते हुए राज्य में बढ़ रहे भ्रष्टाचार, पेपर लीक, जनता जल मिशन योजना का लाभ नहीं मिलना, महिलाओं एवं दलितों पर बढ़ रहे अत्याचार पर बोलते हुए कहा कि राज्य की कांग्रेस सरकार घोटालों की सरकार है। उन्होंने कहा कि केन्द्र व राज्य में भाजपा की डबल इंजन की सरकार बनने के बाद एक-एक घोटाले की जांच करवाई जायेगी।

दलित अत्याचार, महिला उत्पीड़न का दूसरा नाम बन चुकी है गहलोत सरकार : सीपी जोशी

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी उदयपुर में पत्रकारों से मुखातिब हुए

■ भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा के साथ उदयपुर पहुंचे भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी

उदयपुर, (का.सं.)। भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा के साथ उदयपुर पहुंचे भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी शनिवार को आयोजित प्रेस वार्ता में कांग्रेस पर जमकर हमला बोला।

उन्होंने कहा कि कांग्रेसी कुशासन को मिटाने के संकल्प के साथ राजस्थान के चारों दिशाओं से यात्राएं निकाली जा रही है। भाजपा सुशासन और समृद्धि को परिभाषित करती है जबकि गहलोत सरकार दलित अत्याचार, तुष्टिकरण, किसानों का शोषण, युवाओं के साथ धोखा, महिला उत्पीड़न का दूसरा नाम बन चुकी है। लाल डायरी पर बोलते हुए प्रदेशाध्यक्ष जोशी ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के भ्रष्टाचार लाल डायरी में छुपे हुए हैं जिससे उनकी नींद हराम हो गई है। आरपीएससी में करोड़ों रुपए देकर सदस्य बनाए गए और वहां से पेपर लीक हुआ। आरोपी सुरेश ढाका को बचाने के लिए सलमान खुर्शीद जैसे महंगे वकील किये जा चुके है, राज्य सरकार कमजोर पैरवी कर रही है।

सीपी जोशी ने कहा कि कांग्रेस और भाजपा विरोधी राजनीतिक दल सनातन को गाली दे रहे हैं उनसे दूसरी उम्मीद भी नहीं की जा सकती, क्योंकि यह वही लोग हैं जिन्होंने भगवान राम के अस्तित्व पर सवाल खड़ा करते हुए सुप्रीम कोर्ट में दायर किया था। हमारा सनातन सबको जोड़ने और सब की रक्षा करने का वाला है और हमें गर्व है इस पर, लेकिन इंडिया अलायंस में एक भी नेता ने सनातन विरोधी बयान की निंदा नहीं की। यह दुर्भाग्यपूर्ण है, आज इन्हें अपने नाम से शर्म आने लगी है और इन्होंने अपना नाम यूपी से बदलकर इंडिया कर लिया है। यह बात कुछ वैसी हुई जैसे मशहूर कहावत है भानुमती भानुमति ने कुनबा जोड़ा यह भानुमती का कुनबा है और 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले ही बिखर जाएगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान में तुष्टिकरण की पराकाष्ठा हो गई। कन्हैयालाल हत्याकांड का आरोपी, जयपुर बम ब्लास्ट के आरोपी कमजोर पैरवी के कारण छूट जाते हैं। आतंकी अपने बचाव के लिए सुप्रीम कोर्ट में वकील खड़े करते हैं लेकिन राज्य सरकार सुप्रीम कोर्ट में वकील भी नहीं खड़े कर पाईं।

यात्रा प्रभारी चुन्नीलाल गरासिया ने बताया कि शनिवार को यात्रा उदयपुर शहर विधानसभा से होते हुए उदयपुर ग्रामीण की विधानसभा में प्रवेश करेगी, वहां मावली विधानसभा क्षेत्र होते हुए चित्तौड़गढ़ सीमा प्रवेश करेगी। प्रेस वार्ता के दौरान भाजपा प्रदेश महामंत्री दामोदर अठावाल, उदयपुर संभाग प्रभारी व यात्रा सहसंयोजक प्रमोद सामर, उदयपुर जिलाध्यक्ष रवींद्र श्रीमाली उदयपुर, देहात अध्यक्ष चंद्रगुप्त सिंह चौहान, विधायक फूल सिंह मीणा आदि उपस्थित थे।

कृषि पर्यवेक्षक ढाई हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

■ तारबंदी योजना की राशि जारी करने की एवज में मांगे थे पांच हजार

बालोतरा, (निसं)। बालोतरा के पायला कला ग्राम पंचायत के कृषि पर्यवेक्षक को एसीबी टीम ने ढाई हजार की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी ने तारबंदी योजना की राशि जरी करवाने की एवज में रिश्वत मांगी थी। जिस पर बाडमेर एसीबी ने आरोपी को रंगे हाथों धर दबोचा।

बाडमेर एसीबी एसपी संग्राम सिंह ने बताया कि परिवादी ने रिश्वत मांगने की शिकायत दर्ज करवाई थी। जिसमें परिवादी ने बताया कि पायला ग्राम पंचायत का कृषि पर्यवेक्षक अशोक कुमार मुख्यमंत्री निशुल्क तारबंदी योजना के तहत 40 हजार रुपए की राशि जारी करने के एवज में 5 हजार रुपए की मांग कर रहा है। परिवादी की शिकायत पर बाडमेर एसीबी एसपी संग्राम सिंह और उनकी टीम ने शिकायत का सत्यापन करवाया।

शनिवार को एसीबी टीम ने परिवादी को 2500 रुपए देकर ग्राम पंचायत में भेजा। इस दौरान एसीबी ने ढाई हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए कृषि पर्यवेक्षक अशोक कुमार पुत्र मम्मीराम को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। एसीबी टीम आरोपी से पूछताछ कर रही है। एसीबी ने मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम जांच की जाएगी। टीम आरोपी के आवास और ठिकानों पर तलाशी ले रही है।

बच्चों के सामने पति ने पत्नी से मारपीट की

■ पति हिरासत में, वीडियो भी वायरल होने की बात आई सामने

जोधपुर, (कासं)। शहर के महामंदिर थाना क्षेत्र में एक महिला के साथ उसके पति ने मारपीट की। फिर बच्चों के सामने ही अश्लीलतापूर्वक व्यवहार कर डाला। पीड़िता ने अपने पति, सास ससुर और जेठ के खिलाफ इस बारे में मामला दर्ज करवाया है। पुलिस में शुक्रवार को मामला दर्ज हुआ। आज पीड़िता के मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान करवाए गए है। इस घटना का एक वीडियो भी वायरल होने की बात सामने आई है।

थानाधिकारी मांगीलाल ने बताया कि 28 साल की महिला की तरफ से शुक्रवार को रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि उसके पति कन्हैयालाल के साथ सास ससुर और जेठ ने मारपीट की। पति ने बच्चों के सामने ही अश्लीलता पूर्वक व्यवहार कर डाला। इस पर पुलिस ने जेजे एक्ट के साथ अप्राकृतिक कृत्य सहित मारपीट, दहेज प्रताड़ना का केस दर्ज किया। थानाधिकारी मांगीलाल विश्नोई ने बताया कि पीड़िता के आज मजिस्ट्रेट के समक्ष 164 में बयान करवाए गए है। अठिाम जांच की जा रही है। पति को हिरासत में लेकर पूछताछ चल रही है। उक्त प्रकरण में वीडियो भी वायरल होने की बात आज सामने आई है, जिस पर भी पुलिस जांच में जुटी है।

पिता संग फिल्म देखने पहुंची युवती से अभद्र व्यवहार

जोधपुर, (कासं)। अपने पिता के साथ फिल्म देखने पहुंची एक युवती से देर रात हाईकोर्ट रोड स्थित एक सिनेमा घर में अभद्र व्यवहार किया गया। युवती ने गलत तरीके से छूने का आरोप लगाया है और लज्जा भंग में इस बाबत उदयमंदिर थाने में रिपोर्ट दी। पुलिस ने रात में ही एक युवक को पकड़ा। जोकि आरपीएफ का कांस्टेबल है, उसका साथी लांगरी भागने में सफल हो गया। पुलिस ने कांस्टेबल को शांतिभंग के आरोप में पकड़ा है।

थानाधिकारी प्रेमदान ने बताया कि एक युवती रात को अपने पिता के साथ पुराना हाईकोर्ट रोड स्थित सिनेमा हॉल में पिक्चर देखने आई थी। फिल्म समाप्ति से दस मिनट पहले युवती से छेड़छाड़ हो गई। युवती ने विरोध जताया और फिर पुलिस तक सूचना मिलने पर वहां पहुंची। थानाधिकारी ने बताया कि युवती ने दो युवकों पर लज्जाभंग का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दी। इस पर रात में एक युवक उत्तप्रदेश के सत्यप्रकाश को शांतिभंग में पकड़ा गया। वह आरपीएफ में कांस्टेबल है, उसके साथ वाला आरपीएफ में लांगरी बताया जाता है। जोकि फरार हो गया।

बालक का शव पांच दिन बाद मिला

पाली, (नि.सं.)। घर से खेलने का कहकर निकले 12 साल के नरेन्द्र की बॉडी पांच दिन बाद शुक्रवार को एक नाडी में मिली। शव घर से करीब चार किलोमीटर दूर मिला। पानी में काफी दिन तक पड़ी रहने से बॉडी की हालत खराब हो गई। जिसे बांगड़ हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाया था। शनिवार को मृतक की शिनाख्त अन्नपूर्णा नगर निवासी 12 साल के नरेन्द्र पुत्र प्रितम जीनगर के रूप में हुई। पुलिस मेडिकल बोर्ड से मृतक का पोस्टमार्टम करवाया है। दरअसल पाली के ट्रांसपोर्ट नगर थाना क्षेत्र के वाली लिंक रोड जो आगे सदर थाने की तरफ जाती है। वहां एक नाडी में 12-13 साल के बच्चे की बॉडी शुक्रवार को मिली थी। शव 3 से 4 दिन पुराना था। ऐसे में पानी में पड़े रहने से बॉडी की हालत खराब हो चुकी थी। चेहरे की हालत ऐसी थी कि पहचान होना मुशिकल था। नाडी किनारे बच्चे के कपड़े तक नहीं थे।

तालाब में महिला का शव मिला

तालाब में महिला के शव को पुलिस ने निकलवाया।

मालपुरा, (निसं)। धर्मनगरी डिग्गी के विजय सागर तालाब में शनिवार की सवेरे एक महिला का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई।

डिग्गी थानाधिकारी अय्यूब खान ने ग्रामीणों के सहयोग से शव को बाहर निकाला। महिला के पास कोई दस्तावेज नहीं मिलने से शव को लावारिस हालत में अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। जांच पड़ताल के दौरान महिला के हाथ पर गुदे नाम का फोटो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद अस्पताल पहुंचे महिला के परिजनों ने बताया कि मृतक महिला लादी पत्नी भंवरलाल निवासी डिग्गी जो कि शुक्रवार की देर शाम को कल्याणजी के मंदिर में दर्शन के लिए घर से निकली थी। देर रात तक भी घर नहीं लौटी। महिला के तीनों बेटे अलग-अलग रहते थे। जिन्होंने मां को एक-दूजे के पास होने का अनुमान लगाते हुए परिजन सो गये। सवेरे सोशल मीडिया पर फोटो वायरल होने के बाद घटना का पता लगा। पुलिस ने मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया है।

परेशान निवेशक ने जान दी

जोधपुर, (कासं)। शहर के झालामंड स्थित मेहलों की ढाणी में रहने वाले एक शख्स ने गत दिनों सुसाइड किया था। उसे एक कंपनी में निवेश के नाम पर 25 लाख रूपए ऐंठ लिए गए थे, मगर लाभांश नहीं मिला। वहीं निवेशक एक अन्य कंपनी में एजेंट के तौर पर कार्य भी करता था, जहां पर उसके 1.20 लाख अटक गए। तकरीबन दस लोगों से परेशान होकर आखिरकार निवेशक ने अपनी जान दे दी। निवेशक खुद फैंसी एवं किराणा की दुकान भी चलाता था। मृतक की पत्नी ने दस नामजद लोगों के खिलाफ आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित किए जाने का केस अब दर्ज करवाया है। कुड़ी भगतासनी पुलिस ने बताया कि राजीव गांधी कॉलोनी, रामसागर, मगरा पूंजला हाल मेहलों की ढाणी झालामंड की रहने वाली संतोष देवी ने मामला दर्ज कराया है। इसमें उन्होंने बताया कि उसका पति रमेश प्रजापत यहां मेहलों की ढाणी क्षेत्र में ही अपनी किराणा एवं फैंसी की दुकान चलाता था।

पाली में किसानों ने कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया

''पानी नहीं तो वोट नहीं'' का नारा बुलंद किया

■ प्रतिनिधि मंडल ने जिला कलेक्टर से अपनी मांग को सरकार तक पहुंचाने के लिए ज्ञापन सौंपा

पाली, (निसं.)। जवाई पुनर्भरण में सिंचाई से वंचित एरिया और जवाई लिंक हेमावास बांध के पुनर्भरण को लेकर किसानों ने कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। उसके बाद प्रतिनिधि मंडल जिला कलेक्टर नमित मेहता से मिला और अपनी मांग को सरकार तक पहुंचाने के लिए ज्ञापन सौंपा। इसमें जिले के 103 गांवों के सैकड़ों किसान मौजूद रहे।

किसान संघर्ष समिति के बैनर तले आयोजित इस प्रदर्शन में पानी नहीं तो वोट नहीं का नारा बुलंद किया गया। किसानों ने 6 लाख बीघा जमीन की सिंचाई के लिए जवाई नहर चौड़ी करने व वितरिकाएं बनाने के लिए 300 करोड़ की मांग की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व सिंचाई मंत्री देवीसिंह भाटी ने कहा कि किसानों की इस मांग को पूरा करने के लिए राजनैतिक पार्टियों को अपने घोषणा पत्र में इस मांग को पूरा करने की अवधि तक 6 माह रखना चाहिए। पूर्व विधायक भैरोसिंह गुर्जर ने कहा कि जवाई से इन गांवों को जोड़ना प्राथमिकता होनी चाहिए। समिति के अध्यक्ष गिरधारीसिंह मंड़ली, गोपालसिंह परमार, माहिराजसिंह चाणौद ने भी संबोधित करते हुए राजनैतिक पार्टियों को किसानों के बारे में सोचने को बोला। उन्होंने कहा कि जो पार्टी किसानों का सोचेगी उन्हें ही किसान अपना वोट देंगे।

संघर्ष समिति के अध्यक्ष गिरधारीसिंह मंडली ने बताया कि जवाई पुनर्भरण के लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा 2554 करोड़ की घोषणा की है। 2 बांध चक सांडमारिया व बुझा बांध का निर्माण होना है। बांधों से 6002 एमसीएफटी पानी 103 गांवों के किसानों देना होगा। इनकी सिंचित होने वाली 5 से 6 लाख बीघा है। ढोला सरपंच मेघाराम परमार, मंगलसिंह, पीराराम, गणेश पटेल मौजूद रहे।

वर्तमान में इस एरिया को सिंचाई से जोड़ने के लिए पुरानी नहर जिसमें पीने के पानी जोधपुर जाता था। नहर की जमीन करीब 100 फीट चौड़ाई की है। राज्य सरकार को भूमि अधिग्रहण की जरूरत नहीं पड़ेगी।

पाली व सुमेरपुर के आसपास के 103 गांव सिंचाई के लिए जवाई से नहीं जुड़े हैं। इस योजना से सिंचाई होती है तो किसानों को फायदा है। अभी इन गांवों में सिंचाई को लेकर किसी भी प्रकार की सुविधा नहीं है। इधर कांग्रेस नेता जबरसिंह राजपुरोहित ने कहा कि केन्द्र सरकार नर्मदा केनाल की स्वीकृत्ति जारी करे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने नर्मदा प्रोजेक्ट के लिए नर्बदा वेस्टन केनाल कमांड सिंचाई परियोजना का प्रस्ताव केन्द्र सरकार को चार साल पहले भेजा लेकिन अभी तक मंजूरी नहीं दी।

मालपुरा अस्पताल की पार्किंग में पर्ची को लेकर उपजे विवाद ने तूल पकड़ा

■ पार्किंग में 10 रूपये की पर्ची को लेकर उपजे विवाद व मारपीट मामले में पीड़ित की हालत चिन्ताजनक

दलित समाज के युवक से मारपीट के विरोध में अस्पताल प्रभारी के निलम्बन की मांग को लेकर अनुसुचित जाति के लोगों ने मालपुरा थाने में प्रदर्शन किया।

मालपुरा, (निसं)। राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मालपुरा की पार्किंग में 10 रूपये की पर्ची को लेकर उपजे विवाद व मारपीट मामले में पीड़ित युवक की हालत चिन्ताजनक होने पर गुस्साए अनुसुचित जाति व बुदिष्ट महासभा के बैनर तले एकत्रित हुए नागरिकों ने शनिवार को मालपुरा थाने के सामने धरना प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंप अस्पताल प्रभारी के विरूद्ध मारपीट का मामला दर्ज कर तत्काल निलम्बित किये जाने की मांग की।

बुदिष्ट महासभा के मुखिया लक्ष्मीनारायण बैरवा व अम्बेडकर विचार मंच अध्यक्ष एवं रेगर समाज जिला कार्यकारिणी पदाधिकारी, पूर्व पार्षद गजेन्द्र बोहरा, बाबूलाल बैरवा बीड गनवर, मुकेश, आशाराम, उमाशंकर ठागरिया, रामलाल फौजी, भंवरलाल, आशाराम, घासी, सुरेन्द्र सहित बड़ी संख्या में एकत्रित हुए अनुसुचित जाति वर्ग के लोगों ने बताया कि 8 सितम्बर की दोपहर रामेश्वरपुरा निवासी विनोद बैरवा मालपुरा अस्पताल में भर्ती उसकी भाभी व परिजनों को खाना देने गया था। जहां पार्किंग ठेकेदार व उसके कार्मिकों ने जबरन उसके साथ मारपीट करते हुए अस्पताल प्रभारी डॉ. अनिल मीणा के चैम्बर में ले गये। जहां पर डॉक्टर मीणा व पार्किंग ठेकेदार ने चैम्बर में बंद कर उसके साथ जमकर मारपीट की। मारपीट में गंभीर चोटों से घायल हुए विनोद को देर शाम जयपुर रैफर किया गया।

पीड़ित युवक के भाई भागचन्द ने बताया कि मारपीट के बाद मालपुरा थाने में रिपोर्ट दी गई लेकिन रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई। मामले की जानकारी मिलने पर बुदिष्ट महासभा व अनुसुचित जाति वर्ग व दलित समाज के लोगों ने मामले में नाराजगी जताते हुए शनिवार को मालपुरा थाने पहुंच थाने के सामने ही नारेबाजी करते हुए धरने पर बैठ गये। एएसआई भागीरथ सिंह व भागचन्द चौधरी आदि ने समझाईश का प्रयास किया। लेकिन प्रदर्शन कर रहे युवा अस्पताल प्रभारी के विरूद्ध मारपीट का मामला दर्ज करने की जिद पर अडे रहे। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने एसडीएम व डीवाईएसपी सुशील मान को भी ज्ञापन सौंप 24 घंटे में निलम्बन की कार्यवाही नहीं होने पर अस्पताल के सामने धरना प्रदर्शन की चेतावनी दी गई। डीवाईएसपी ने बताया कि अस्पताल प्रभारी के विरूद्ध मारपीट का मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया गया।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को यह सूचित किया जाता है कि राजनीतिक दल राष्ट्रीय जनता सेना (दल का नाम) के नाम से रजिस्ट्रीकृत होना प्रस्तावित है। पार्टी कार्यालय 27, ज्ञान विहार, निर्माण नगर डीसीएम, अजमेर रोड, जयपुर, राजस्थान 302019 (पूरा पता लिखें) में स्थित है। इस दल ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29क के अधीन राजनीतिक दल के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली को आवेदन प्रस्तुत किया है- पार्टी के पदाधिकारियों के नाम/पता नीचे दिए गए है:-

सभापति/अध्यक्ष : बलजीत यादव
महासचिव/सचिव : सुनील सैनी
कोषाध्यक्ष : मीनाक्षी रानी यादव

यदि किसी को राष्ट्रीय जनता सेना (प्रस्तावित पार्टी का नाम) के रजिस्ट्रीकरण में कोई आपति हो तो अपनी आपत्ति इसके कारणों सहित सचिव (राजनीतिक दल), भारत निर्वाचन आयोग, निर्वाचन सदन, अशोक रोड, नई दिल्ली- 110001 को, इस सूचना के प्रकाशन के 30 दिनों के भीतर भेजें।

महिला अभियांत्रिकी महाविद्यालय, अजमेर
राजस्थान सरकार का स्वायत्तशाषी संस्थान
WOMEN ENGINEERING COLLEGE, AJMER
AN AUTONOMOUS INSTITUTE OF GOVERNMENT OF RAJASTHAN
Nasirabad Road, Makhupura, Ajmer - 305002 (Rajasthan)
Website: www.gweca.ac.in, E-mail : proctor@gweca.ac.in, Ph. No.: 0145-2695535, Fax No.:0145-2695102

No. WECA/2023-24/Proctor/15 Date : 09.09.2023

बी.टेक. प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष में रिक्त सीटों पर सीधे प्रवेश (सत्र 2023-24)

महिला अभियांत्रिकी महाविद्यालय, बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय, बीकानेर का संघटक महाविद्यालय है। बी.टेक. प्रथम वर्ष में रीप 2023 एवं द्वितीय वर्ष में लीप 2023 के दिशा निर्देशानुसार रिक्त सीटों पर सीधे प्रवेश (सत्र 2023-24) की प्रक्रिया संचालित है।

Course	Activity	Date	Fee detail per Semester	Hostel Fee per Semester
B.Tech. I Year	आवेदन एवं पंजीयन शुल्क (रु. 295/-) जमा कराने की अंतिम तिथि	11.09.2023-13.09.2023	32500/- (for details visit college website)	23600/- 16000/- (for SC Students)
	प्रवेश काउन्सलिंग दिनांक व समय	15.09.2023 at 10.00 AM		
B.Tech. II Year	आवेदन एवं पंजीयन शुल्क (रु. 1000/-) जमा कराने की अंतिम तिथि	09.09.2023-13.09.2023	32500/- (for details visit college website)	23600/- 16000/- (for SC Students)
	प्रवेश काउन्सलिंग दिनांक	13.09.2023		

1. अभ्यर्थी महाविद्यालय की वेबसाईट www.gweca.ac.in से आवेदन फॉर्म डाउनलोड कर, उसे महाविद्यालय में proctor@gweca.ac.in मेल पर प्रेषित कर सकते हैं अथवा महाविद्यालय में भी आकर भी आवेदन कर सकते हैं। 2. अभ्यर्थी को सीट आंवटन के लिए व्यक्तिगत रूप से उपरोक्त दिनांक को महाविद्यालय में उपस्थित होना अनिवार्य है। सीट आवंटित अभ्यर्थी को निर्धारित फीस एवं मूल दस्तावेज उसी समय जमा करवाने होंगे।

महाविद्यालय में एम.सी.ए. तथा एम.टेक. पाठ्यक्रम में भी प्रवेश प्रक्रिया संचालित है।

सम्पर्क सूत्र - 9829149706, 9928464454, 9829081523 प्राचार्य

संक्षिप्त

प्रतिभा सम्मान समारोह आज

श्रीमाधोपुर, (निसं)। सैनी (माली) प्रतिभा सम्मान समारोह रविवार को शंकर महिला महाविद्यालय दिवराला रोड अजीतगढ़ में आयोजन किया जाएगा, जिसका अंतिम रूप दे दिया है। इसकी पूर्व संध्या पर आयोजन समिति के अध्यक्ष रामजीलाल सैनी, संयोजक रूडमल सैनी, शिक्षक रामदयाल सैनी, शंकर पी जी महिला महाविद्यालय के निदेशक गौरी शंकर सैनी व कार्यकारिणी के सदस्य सुरेश कुमार भगेरिया, डॉ. सांवरमल सैनी, अध्यापक लक्ष्मी नारायण सैनी, हेमराज सैनी आदि कई लोगों ने व्यवस्थाओं का जायजा लेकर अंतिम रूप दे दिया है उन्होंने बताया कि इस समारोह में आने वाले सभी प्रतिभाओं और अभिभावकों के लिए भोजन और नाश्ते की पूर्ण व्यवस्था की गई है।

भगवान यादव ने नाम रोशन किया

चाकसू, (निसं)। चाकसू तहसील के माधोसिंहपुरा गांव के बेटे भगवान यादव ने कॉलेज व्याख्याता परीक्षा परिणाम में पूरे राजस्थान में पहला स्थान प्राप्त कर माधोसिंहपुरा सहित पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। अब उनका कहना हैं कि मेरा लक्ष्य आईएएस बनने का है। साधारण परिवार में जन्मे भगवान यादव के पिता बिल्डिंग चुनाई का कार्य करते हैं। इनकी मां सोन देवी गृहणी है।

गुर्जर प्रतिभा सम्मान समारोह आज

कोटपूतली, (निसं)। श्री देवनारायण गुर्जर समाज कल्याण समिति, कोटपूतली के तत्वाधान में रविवार को प्रात: 09 बजे से कस्बा स्थित वीर गुर्जर छात्रावास में स्व. कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला की जयंती पर गुर्जर प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया जायेगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विराटनगर विधायक इन्द्राज गुर्जर होंगे। जबकि समाजसेवी शंकर लाल कसाना कार्यक्रम में बतौर भामाशाह भाग लेंगे।

संकल्प पत्र भरवाए

टोंक, (निसं)। पीपलू विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं से मतदान का संकल्प पत्र भरवाने के लिए निर्वाचन विभाग एवं शिक्षा विभाग ने बच्चों को माध्यम बनाया है। जिसके तहत राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय जयकिशनपुरा में बीएलओ मोरपाल गुर्जर आदि ने बच्चों के माध्यम से संकल्प पत्र भरवाया।

श्रद्धांजलि

हमारी माताजी **श्रीमती धापा देवी** धर्मपत्नी श्री लक्ष्मी नारायण लखन का स्वर्गवास दिनांक 06.09.2023 बुधवार को हो गया है। हम सभी परिवारजन उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत- दिनेश लखन, मुकेश लखन, राकेश लखन, विकास लखन (पुत्र), सौरभ लखन, माही लखन, शुभम, इशू (पौत्र), लक्ष्मीचंद गोयर, जितेन्द्र लोट (दामाद) एवं समस्त लखन परिवार

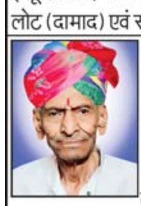

हमारे पूजनीय पिताजी **श्री बिहारीलाल पुरूवंशी** का स्वर्गवास 6.9.2023 को हो गया है। हम सभी परिवारजन हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत- सुखरानी (धर्मपत्नी) रामप्रकाश, लक्ष्मण सिंह, अरूण सिंह (पुत्र), राधेश्याम, इंद्रसिंह, सीताराम, सुनील, विनोद, प्रमोद, रामलखन (भतीजे), कुंदन सिंह, सुरेन्द्र सिंह, नरेन्द्र सिंह, नवीन सिंह, निखिल सिंह, अभिषेक सिंह, विनय (पौत्र) समर्थ (प्रपौत्र) एवं समस्त पुरुवंशी राजपूत परिवार।

छब्बीसवीं पुण्यतिथि

स्व. श्री सतीश चन्द्र जी अग्रवाल

- सदस्य: राजस्थान विधान सभा–1957-1972
- सांसद सदस्य: लोक सभा–1977-1984
- वित्त राज्य मंत्री, भारत सरकार –1977-1979
- सांसद एवं उपनेता: भाजपा, राज्य सभा–1994-1997
- वरिष्ठ अधिवक्ता

शत –शत नमन

27.9.1928 - 10.9.1997

सुनील (पुत्र), डॉ. शैलजा पत्नी स्व. डॉ. राहुल (पुत्र–पुत्रवधू), अलका–हेमन्त (पुत्री–दामाद), हर्षित–कनिका, एडवोकेट शशांक–वर्णिका (पौत्र–पौत्रवधू), नेहा–कपिल, नंदिता–रौनक (पौत्री–दामाद), भावना (नाती), नम्रता–मनन (नाती–दामाद), जहारा (प्रपौत्री), अरहान, विख्यात, शिवेन, शिवांग (प्रपौत्र)

RA&SS

उठावना

अत्यन्त दु:ख के साथ सूचित किया जाता है कि हम सबके श्रद्धेय ज्योतिष शिरोमणी

श्री सवाई सिंह जी सिंघवी

(सेवा निवृत-RAS)

का स्वर्गवास 8 सितम्बर को हो गया। उठावना दिनांक 10 सितम्बर 2023 को प्रात: 9-10 बजे, सुबोध पब्लिक स्कूल, भवानी सिंह मार्ग, जयपुर में होगा।

शोकाकुल: किरण सिंघवी (धर्मपत्नी), डॉ.राजेन्द्र–वीणा (भाई–भाभी), उर्मिला (बहन), CA अभिषेक–प्रीति (पुत्र–पुत्रवधू), डॉ.निधि–डॉ.अभय (पुत्री–दामाद), गुंजन–उदित (भतीजी–दामाद), मिहिका, प्रियमवदा (पौत्री), अरिजीत (दोहिता), स्वस्ती, आयरा (दोहिती), आंनद–गुणवन्ती, स्व.महेन्द्र–रश्मी, दिलीप–इन्दु (भान्जा–वधू), प्रभा–डॉ.बलबीर सिंह बाबेल (भान्जी–दामाद) ससुराल पक्ष: मदनलाल, डॉ. सुशील, शंशाक, मयंक, अरविन्द, अजय एवं समस्त कोचर परिवार

एस.पी. ने रिजर्व पुलिस लाइन व कन्ट्रोल रूम का निरीक्षण किया

कोटपूतली, (निसं)। कोटपूतली–बहरोड़ जिला एसपी आईपीएस डॉ. रंजीता शर्मा ने शनिवार को कस्बा स्थित राजकीय सरदार उच्च माध्यमिक विद्यालय परिसर स्थित बनाई गई अस्थाई रिजर्व पुलिस लाइन का निरीक्षण करते हुए व्यवस्थाओं का जायजा लिया। वर्तमान में करीब 15 जवान लाइन में निवास कर रहे है। जिनसे एसपी ने उनकी समस्याओं को लेकर फिडबैक लिया। साथ ही जवानों के खाने पीने, आवास की भी जानकारी ली।

पुलिस लाइन में जवानों हेतु मैस की व्यवस्था जल्द ही शुरू हो जायेगी। इस मौके पर एसपी को जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया। साथ ही उन्हें विभिन्न समस्याओं के बारे में भी बताया। इसके बाद एसपी शर्मा ने नगर पालिका तिराहे पर पूरानी राजकीय बुचाहेड़ा विद्यालय के भवन में तैयार किये जा रहे पुलिस कन्ट्रोल रूम एवं मुख्य चौराहे पर राजकीय महाविधालय के छात्रावास में अस्थाई तौर पर बनाये जा रहे पुलिस अधीक्षक कार्यालय का भी अवलोकन करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिये। एसपी शर्मा ने राजस्थान मिशन 2030 को लेकर पुलिस के विषय पर जवानों से फिडबैक भी लिया। इस दौरान एएसपी विधा प्रकाश, डीएसपी मदन लाल जैफ, सरूण्ड एसएचओ राजेश यादव, कोटपूतली कार्यवाहक एसएचओ एएसआई शक्ति सिंह समेत अन्य मौजूद रहे।

कोटपूतली में रिजर्व पुलिस लाइन, पुलिस कन्ट्रोल रूम का एसपी रंजीता शर्मा ने निरीक्षण किया।

- जवानों से संवाद किया, व्यवस्थाओं का जायजा लिया

कृषि महाविद्यालय माचाड़ी का उद्घाटन

राजगढ़, (निसं)। राजगढ़ कस्बे के राजकीय महाविद्यालय में कृषि महाविद्यालय माचाडी का उद्घाटन कार्यक्रम उत्साह एवं उल्लास के साथ आयोजित हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक जौहरी लाल मीणा ने विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों की जानकारी दी।

इससे पूर्व प्राचार्य डॉ. राव सज्जन सिंह ने कार्यक्रम का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उपखंड अधिकारी ओम प्रकाश मीणा ने कहा कि कृषि प्रधान क्षेत्र में कृषि महाविद्यालय खुलने से क्षेत्र के विद्यार्थियों को मदद मिल सकेगी। इस अवसर पर एल्यूमिनी समिति के अध्यक्ष बी पी मीणा, ब्लॉक रेणी अध्यक्ष विजय शर्मा , खेम सिंह आर्य, मदन लाल शर्मा, अनिल गुप्ता, सरपंच रामकिशन मीणा, सीमा मीणा, मीना खंडेलवाल, प्रीति विजय, विजय गोयल एवं डॉ रजनी मीणा डॉ रतिराम जाटव पीएम मीणा एवं महाविद्यालय के प्रवक्ता, प्रमुख लोगों सहित विद्यार्थी मौजूद रहे।

महिला जनप्रतिनिधि सम्मान समारोह आयोजित

पावटा, (निसं)। प्रधान पूजा चौधरी के कार्यकाल के दो साल पूर्ण होने पर प्रधान पूजा चौधरी व भाजपा नेता जगन चौधरी द्वारा महिला जनप्रतिनिधि सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

प्रधान पूजा चौधरी ने महिला जनप्रतिनिधि हेमलता भिण्डा, पूर्व उप प्रधान पिंकी कंवर, मधु शर्मा, किरण शर्मा, सीमा सैनी सहित महिला जनप्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए महिला सशक्तिकरण की बात करते हुए कहा कि अबला बनी नारी के लिए स्वतंत्रता व अधिकार केवल कागजों पर सिमटा है।

इसके लिए जरूरी है कि आने वाले समय में लडका ही नहीं लडकियों को भी बेहतर शिक्षा दी जाय। सामाजिक रूप से लाचार महिला को सबसे पहले महिला ही सम्मान दें। महिला के सम्मान से ही समाज का विकास व उन्नति संभव है। महिलाओं पर अत्याचार रोकना है तो पहले महिला शिक्षा को वरीयता क्रम में रखना होगा। महिला भी स्वयं अनुशासित व कठोर निर्णय लें लेकिन ध्यान रहे कि मर्यादा का उल्लंधन नहीं हो।

केंद्रीय पर्यवेक्षक ने विधानसभा चुनाव को लेकर कार्यकर्ताओं से की रायशुमारी

लालसोट, (निसं)। आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर विधानसभा क्षेत्र में कार्यकर्ताओं से रूबरू होने आए केंद्रीय पर्यवेक्षक किशन भाई पटेल ने रायसुमारी की।

इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सहित भारी संख्या में कांग्रेसियों द्वारा लालसोट आए केंद्रीय पर्यवेक्षक को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की लेटर हेड पर हस्ताक्षर युक्त मौजूदा सरकार में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा को ही टिकट दिए जाने के लिए सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर पत्र दिया गया।

इसी दौरान सवासा थूनिधिराज पुरा निवासी दिनेश मीणा भी भारी संख्या में खुद के समर्थकों को लेकर बैठक ले रहे पर्यवेक्षक के समक्ष नारेबाजी करते हुए पहुंचे जहां पर पर्यवेक्षक द्वारा दिनेश से मुलाकात कर उनका बायोडाटा लिया एवं आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं को एकजुट रहने की बात कही गई।

पटेल के समक्ष युवाओं की टीम द्वारा मौजूदा मंत्री परसादी लाल को टिकट नहीं देकर युवाओं को टिकट देने की पैरवी के कई राजनीतिक मायने निकल कर आ रहे हैं।

- दिनेश मीना ने मंत्री परसादी के विपक्ष की दावेदारी पेश

पर्यवेक्षक पटेल की मौजूदगी में टिकिट कि दावेदारी पेश करने वाले दिनेश मीणा ने मौजूदा मंत्री परसादी लाल की खिलाफत करते हुए युवाओं को टिकट दिए जाने की पैरवी करने की चर्चा कस्बे में हो रही है। पर्यवेक्षक के समक्ष टिकट की दावेदारी पेश करते समय दिनेश मीणा ने एवं मौजूद युवा समर्थकों ने कहा कि मंत्री परसादी अब आम कार्यकर्ताओं को तवज्जो नहीं देते एवं उनकी कोई बात नहीं सुनते हैं। ऐसे में मंत्री परसादी को लालसोट विधानसभा क्षेत्र का राजनीतिक गुरु बना दिया जाए एवं लालसोट में पार्टी की कमान युवाओं के हाथ में दी जाए। इसे लेकर बड़ी चर्चा का विषय रहा कि जिस दिनेश मीणा ने टिकट की दावेदारी पर्यवेक्षक के समक्ष पेश की वह किसी समय में मंत्री मीणा के कट्टर कार्यकर्ता हुआ करते थे।

लेकिन सियासी संकट के समय दिनेश मीणा खुद को पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट का समर्थक बताते हुए खुद के खून से लिखे हुए समर्थन में लेटर का वीडियो एवं फोटो की सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था।

चर्चा रही कि मौजूदा समय में दिनेश मीणा द्वारा जिस तरह कांग्रेस की लालसोट सीट से विधानसभा चुनाव टिकट के लिए दावेदारी जताई गई अब वह पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट का कट्टर समर्थक रहा है कहीं यह राजनीति गहलोत व पायलट के बीच इस चुनावी समर में जोरदार तरीके से तो नहीं चलने वाली है।

चर्चा रही कि पायलट समर्थक व्यक्ति द्वारा पर्यवेक्षक की मौजूदगी में राहुल गांधी का नाम लेते हुए युवा व्यक्ति को टिकट दिए जाने एवं मौजूदा मंत्री का टिकट काटने की पैरवी करना कहीं पायलट और गहलोत गुट की राजनीति का हिस्सा तो नहीं है। बहरहाल विधानसभा चुनाव सिर पर होने के चलते विभिन्न चर्चाओं ने राजनीतिक तौर पर दम पकड़ रखा है लेकिन आने वाले समय में ही स्पष्ट हो पाएगा की टिकट पायलट समर्थक व्यक्ति को मिलता है या फिर गहलोत समर्थक किसी व्यक्ति यानी कि परसादी लाल मीणा को इस टिकट से नवाज कर दोबारा से लालसोट विधानसभा क्षेत्र के धरती पर उतारा जाता है।

कार्यक्रम के दौरान नगर पालिका चेयरमैन रक्षा मिश्र प्रधान नाथू लाल मीणा पीसीसी सदस्य व पूर्व अध्यक्ष दिनेश मिश्र पीसीसी सदस्य कमल मीणा ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष दीपक पुरोहित जिला युवक कांग्रेस अध्यक्ष दीपक पटेल पूर्व सरपंच ईश्वर मीणा पूर्व प्रधान सावित्री सैनी प्रधान प्रतिनिधि डॉक्टर मोहन लाल मीणा पूर्व उप प्रधान किशन लाल मीणा आदि कई कांग्रेसी मौजूद रहे।

परिवर्तन संकल्प यात्रा के स्वागत की तैयारी बैठक

किशनगढ़ बास, (निसं)। परिवर्तन संकल्प यात्रा गोगामेड़ी हनुमानगढ़ से निकल पड़ी है और जिस दिन किशनगढ़ बास पहुंचेगी उसी दिन समझ लेना कांग्रेस चुनाव हार चुकी है। चूंकि राजस्थान में राहुल गांधी के अशोक गहलोत ने मोहब्बत की दुकान पर जनता को सामान दिया है भय मुक्त राजस्थान व पारदर्शी ईमानदार सरकार के स्थान पर अपराध भ्रष्टाचार और झूठ का पुलदा इसलिए अब जनता और इस दुकान को चलने देने वाली नहीं है।

यह कहना है किशनगढ़बास के पूर्व विधायक रामहेत यादव का। उन्होंने यह बात उसे वक्त कही जब वे परिवर्तन संकल्प यात्रा के किशनगढ़ बास आगमन पर स्वागत को लेकर बैठक ले रहे थे। यादव ने बताया परिवर्तन संकल्प यात्रा 21 सितंबर को किशनगढ़ बस पहुंचेगी और तिजारा रात्रि विश्राम होगा 22 सितंबर को किशनगढ़ बास विधानसभा क्षेत्र के गांव बीबीरानी में सभा होगी।

यादव ने बातचीत में कहा अलवर में चुनाव से पहले आए राहुल गांधी किसानों से वादा करके गए थे एक से 10 तक गिनती गिनना संपूर्ण कर्जा माफ हो जाएगा। किसानों का संपूर्ण कर्ज गहलोत सरकार आज तक माफ नहीं कर पाई है। युवाओं को वादा किया था कि बेरोजगारी भत्ता देंगे वह नहीं दिया और युवाओं से झूठ बोला। राहुल गांधी मोहब्बत की दुकान खोल कर गए उस पर अशोक गहलोत ने राजस्थान की जनता को बदले में सामान दिया अपराध व भ्रष्टाचार।

- राहुल ने मोहब्बत की दुकान खोली और अशोक गहलोत ने सामान बेचा झूठ अपराध भ्रष्टाचार : रामहेत

उन्होंने कहा कि बहन बेटियों की चीख को राजस्थान की जनता ने सुना है और दर्द को सहा है। किसान व नौजवान युवाओं के साथ किए गए धोखे और भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी परीक्षा पेपर लीक का बदला राजस्थान के नौजवान कांग्रेस को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाकर ही लेंगे। अब जब चुनाव नजदीक आए तो सरकार को प्रदेश की जनता दिखाई देने लगी है। जनता सब देख और समझ रही है। इसलिए बहकावे में आने वाली नहीं है। पूर्व विधायक ने सरकार और विधायक पर भेदभाव का आरोप लगाया और कहा विकास के नाम पर विधायक और सरकार ने मिलकर के किशनगढ़ बास विधानसभा क्षेत्र में पूर्ववर्ती भाजपा सरकार के कार्यकाल में मंजूर किए गए करोड़ों के खैरथल किशनगढ़ बास कोटकासिम में विकास कार्यों को रोककर रखने का काम किया है।

किशनगढ़ बास में पीने के लिए लोगों को पानी नहीं मिल रहा है पानी के लिए रात रात भर जागना पड़ रहा है। खैरथल में 45 करोड़ की पेयजल योजना अटका रखी है 5 साल में काम पूरा नहीं हो पाया है। खैरथल का बाईपास का काम अभी तक पूरा नहीं हो सका है। कोटकासिम में आईटीआई को अटका कर रखा हुआ है। कोटकासिम में मंजूर की गई अनाज मंडी को सरकार से रद्द करा दिया गया। किशनगढ़ बास के बास कृपाल नगर में खोले गए राजकीय महाविद्यालय को खैरथल में खुलवा दिया गया। जनता समझ चुकी है कांग्रेस के बहकावे में आने वाली नहीं है।

राष्ट्रीय लोक अदालत में प्रकरणों का निस्तारण किया

सांभरझील, (निसं)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से जिला एवं सैशन न्यायाधीश अजीत कुमार हिंगर के निर्देशानुसार इस साल की तृतीय राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश, क्र.स.1, बृजेश कुमार शर्मा की अध्यक्षता में किया गया।

एडीजे बृजेश कुमार शर्मा ने लगभग 21 वित्तीय संस्थाओं के 1307 से अधिक प्री लिटिगेशन प्रार्थना पत्रों पर सुनवाई करते हुए 33 प्रार्थना पत्रों पर सुलह वार्ता कर वादी व प्रतिवादी के बीच सुलह करवाई। जिसमें वित्तीय संस्था बैंक, विधुत विभाग व अन्य वित्तीय संस्थाओं के काफी पुराने प्रकरण, जिसमें प्रत्यार्थी की ओर से काफी समय से एनपीए चल रहे प्रार्थी के खाते को राशि जमा करवाकर प्री लिटिगेशन प्रार्थना पत्र निस्तारित करवाया। तालुका विधिक सेवा समिति के प्रभारी चान्दमल सांभरिया ने बताया कि लोक अदालत के लिए सांभर न्याय क्षेत्र में अवस्थित न्यायालयों के लिए अलग बैंचो का गठन किया गया था। प्रथम बैंच नं 12 अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश क्र.स.1/2 व प्री लिटिगेशन की पत्रावलियों के लिए गठित की गई थी। जिसकी अध्यक्षता एडीजे बृजेश कुमार शर्मा ने की व सदस्य तेजपाल कुमार प्रजापत रहे। द्वितीय बैंच न्यायालय, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट, ग्राम न्यायालय व राजस्व प्रकरण सांभर की पत्रावलियों के लिए जिसकी अध्यक्षता सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट राहुल शर्मा ने की व सदस्य पूजा सांभरिया रही।न्यायालय परिसर में शनिवार को तालुका विधिक सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में 255 प्रकरणों का आपसी राजीनामा के जरिए निस्तारण करवाया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत में मोटर दुर्घटना वाहन अधिकरण के 34 प्रकरणों में राजीनामा से फैसला दिया गया।

किसान परिवर्तन महाचौपाल में मोदी सरकार की उपलब्धियां गिनाई

पावटा, (निसं)। पावटा पंचायत समिति प्रधान पूजा चौधरी का प्रधान पद के कार्यकाल के दो साल पूर्ण होने पर नेता जगन चौधरी द्वारा टसकोला रोड स्थित पिताबरा पीजी महाविद्यालय में स्नेह मिलन सम्मान सम्मेलन व भाजपा किसान परिवर्तन महाचौपाल का आयोजन किया गया।

- 21 दिन की शेष बची है कांग्रेस सरकार : भागीरथ चौधरी

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश अध्यक्ष किसान मोर्चा व अजमेर सांसद भागीरथ चौधरी मुख्य रहेइ। सांसद भागीरथ चौधरी व अध्यक्ष जयपुर उत्तर जिलाध्यक्ष श्याम शर्मा की अध्यक्षता एवं विराटनगर पूर्व विधायक डॉ. फूलचंद भिण्डा, हेमलता भिंडा, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य जितेंद्र शर्मा, प्रधान पूजा चौधरी, मुकेश गोयल, ललित गोयल, धूडसिंह शेखावत, हरि सिंह शेखावत, गौरव यादव, देवनारायण लटाला, महेश हलसर, निर्मल पंसारी, पूर्व सरपंच मदन यादव, मंडल अध्यक्ष प्रकाश राठी, सीताराम शर्मा, अनिल शर्मा, जयराम सिंह सहित भाजपा पदाधिकारियों के विशिष्ट आतिथ्य में किसान परिवर्तन महाचौपाल द्वारा किसानों को केंद्र सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराया।

पावटा पंचायत समिति प्रधान पूजा चौधरी के कार्यकाल के दो साल पूर्ण होने पर नेता जगन चौधरी द्वारा भाजपा किसान परिवर्तन महाचौपाल का आयोजन किया गया।

इस दौरान कार्यक्रम संयोजक भाजपा नेता जगन चौधरी, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष कैलाश ताखर, पावटा उपप्रधान राजेंद्र सिंह टीटू के नेतृत्व में मुख्य अतिथियों का माला व साफा पहनाकर स्वागत किया व प्रतिक चिन्ह के रूप में हल भेंट किया गया। इस दौरान भाजपा नेता जगन चौधरी सहित भाजपाईयों ने विराटनगर विधानसभा में चुनाव जीतने व कमल खिलाने का संकल्प लिया। वहीं जिलाध्यक्ष श्याम शर्मा ने सभी कार्यकर्ताओं से 2023-24 के चुनावी लक्ष्य को पूरा करने का आव्हान किया। किसान परिवर्तन महाचौपाल में प्रदेश अध्यक्ष किसान मोर्चा व अजमेर सांसद भागीरथ चौधरी ने कहा कि भाजपा सरकार ने किसानों के हित में तमाम योजनाएं प्रारंभ की हैं। इनके माध्यम से किसानों को उनका सीधा लाभ मिल रहा है। कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस की सरकार कार्यकाल में 21 दिन शेष बचा है। राजस्थान की कांग्रेस सरकार तुष्टिकरण की राजनीति कर रही है। राजस्थान कि कांग्रेस सरकार महिलाओं पर अत्याचार के साथ कानून व्यवस्था में पूरी तरह विफल है। 21 दिन की लूट और झूठ की सरकार अब नहीं टिकेगी। कांग्रेस सरकार ने किसानों को कर्ज माफी का वादा कर ठगा है। राजस्थान से अब कांग्रेस सरकार को हटाकर पूर्ण बहुमत से बीजेपी सरकार को लाना है और केंद्र और राज्य की डबल इंजन की सरकार के साथ राजस्थान का विकास करना है।

इस मौके पर प्रधान पूजा चौधरी, भाजपा नेता जगन चौधरी ने सभी आगंतुक अतिथियो व ग्रामीणों का आभार जताया एवं आगामी विधानसभा चुनावों में भारी बहुमत से भाजपा की सरकार बनाने के लिए सभी कार्यकर्ताओं को पार्टी के लिए समर्पित होकर कार्य करने का संदेश देते हुए कहाँ कि क्षेत्र के विकास में कोई कमी नहीं आने देगें। बिना भेदभाव के निष्पक्ष भाव से क्षेत्र का चहुंमुखी विकास करने के लिए प्रयासरत रहेंगे।

सार-समाचार

कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव मनाया

फुलेरा, (निसं)। कस्बे में कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। फुलेरा में जगह जगह कई मन्दिर एंव स्थानों पर जीवंत झांकिया सजाई गई तो कही भजन संध्या का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसी क्रम में कस्बे के पुराना फुलेरा स्थित प्राचीन ठाकुर जी महाराज मन्दिर परिसर नें श्री ठाकुर सेवा समिति एंव श्री कृष्ण मण्डल श्रीराम नगर के संयुक्त तत्वावधान में कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व मनाया। इसी तरह बालाजी सड़क पर स्थित माध्यमिक आदर्श विद्या मन्दिर में नन्हे मुन्ने बालक बालिकाओं के द्वारा राधा कृष्णा, सुदामा, कैलाश पर्वत पर विराजे भोलेनाथ, शेषनाग, गोपीयों संग रास रचाते कन्हैया, खाटू नरेश, यशोदा नन्दलाला, भारत माता सहित कई जीवंत झांकियां सजाई गई। जिसको देखने के लिए नगर से जनसैलाब उमड़ पड़ा।

कलश यात्रा के साथ कार्यक्रम शुरू

श्रीमाधोपुर, (निसं)। कस्बे के पंचावाली फाटक के पास स्थित टीडीनाथ आश्रम में आज से श्री गणेश चतुर्थी का 15 वां पाटोत्सव के तहत 11 दिवसीय कार्यक्रम का आगाज भव्य कलशयात्रा के साथ हुआ। मंदिर परिसर से गाजेबाजे के साथ महिलाओं ने मुख्य बाजार में कलशयात्रा निकाली। कलशयात्रा का जगह जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। तय कार्यक्रम के अनुसार श्री गणेश चतुर्थी के अवसर पर आज भव्य कलश यात्रा के साथ दोपहर में सवा बाहर बजे समाधि प्राण प्रतिष्ठा, दोपहर 2 से 6 बजे तक प्रतिदिन शिव महापुराण कथा वाचन आचार्य देवेंद्र भारद्वाज श्रीमाधोपुर व वृंदावन वासी प्रयाग दास महाराज द्वारा करवाया जायेगा। संत लाल गिरी महाराज के चेला संत बालक गिरी महाराज ने बताया कि आगामी 18 सितंबर सोमवार को दोपहर 12 बजे से श्री सालासर सत्संग मंडल द्वारा साजनदा रामोतार एंड पार्टी द्वारा भजन,19 सितंबर मंगलवार को प्रात: 5:15 बजे गणेश अभिषेक , 9:15 बजे से हवन पूर्णाहुति व कथा का समापन,दोपहर से गणेश भगवान के दर्शन एवं प्रसाद वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

जिला स्तरीय प्रतियोगिता आज से

लालसोट, (निसं)। उपखंड के निर्झरना तहसील मुख्यालय पर 67वीं जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आज चिकित्सा मंत्री परसादी लाल मीणा शुभारंभ करेंगे। 14 आयु वर्ग का आयोजन राजकीय बालिका उच्च प्राथमिक विद्यालय निर्झरना लालसोट में आयोजित होंगे। संयोजक प्रधानाध्यापक सुनील कुमार गुप्ता ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्घाटन 10 सितंबर को प्रात: नो बजे आयोजित होगा जिसमें मुख्य अतिथि परसादी लाल मीणा चिकित्सा मंत्री राजस्थान सरकार होंगे व अध्यक्षता नाथू लाल मीणा प्रधान पंचायत समिति लालसोट करेंगे । प्रतियोगिता 10 सितंबर से 13 सितंबर तक 4 दिन निरंतर चलेगी जिसमें बास्केटबॉल, वॉलीबॉल , नेट बॉल, कुश्ती, कराते,जिमनास्टिक आदि प्रतियोगिता होगी। जिसमें दौसा जिले के समस्त छात्र छात्रा 14 आयु वर्ग के भाग लेंगे।

आपत्तिजनक गाने को लेकर सौंपा ज्ञापन

चौमूं/कालाडेरा, (निसं)। जाट समाज के लोगों ने आपत्तिजनक सॉन्ग को लेकर चौमूं थानाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि सामाजिक सौहार्द व सम्प्रसता को तारतार करने वाला अभद्र व अमर्यादित गाने को प्रतिबन्धित व सम्बन्धित सिंगर एवं सभी एलिमेन्ट्स के खिलाफ सख्त कानूनी कार्यवाही करने की मांग की है। इस गाने को लेकर समाज में भारी आक्रोश व्याप्त है एक समाज विशेष जाट समाज की भावनाओं एवं सामाजिक समसता (सौहार्द) को खराब करने की मंशा से एक सिंगर जिसका नाम राजेन्द्र यादव मो0 9636871732 है, के द्वारा अमर्यादित व अभद्र शैली में गाना बनाया गया है, जिससे एक समाज विशेष जाट समाज को सख्त आपत्ति है। ऐसे अमर्यादित गाने व सम्बन्धित सिंगर / लेखक व चैनल के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्यवाही कर उक्त गाने को प्रतिबन्धित किया जाना आवश्यक है।

अंकित चेची का स्वागत किया

शाहपुरा, (निसं)। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अंकित चेची का विराटनगर के निवासी महेंद्र कसाणा गुर्जरपुरा युवा मोर्चा व उनकी टीम के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने 51 किलो की माला पहनाकर और तलवार भेंट करके स्वागत किया। इस दौरान भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा एवं प्रदेश अध्यक्ष अंकित चेची ने 25 लोगों को भाजपा की सदस्यता दिलाई। कार्यक्रम में उपस्थित भाजपा नेता चौथमल सामोता, कल्याण बक्श गुरुजी, मंडल अध्यक्ष राम प्रकाश, मंडल महामंत्री पहलाद, जिला अध्यक्ष भगवान सहाय, श्री राम गुर्जर, महेश चंद्र गुर्जर, अनिल भाटी, मदन सरधना, लालू यादव, रामकरण गुर्जर, मदन सराधना सहित सैकड़ों लोगों ने 51 किलो की माला व तलवार भेंट कर स्वागत किया।

गोगा बाबा के मंदिर का उद्घाटन

बहरोड़/ नीमराना, (निसं)। गोगानवमी के अवसर पर नीमराना के नजदीकी रोड़वाल में गोगा बाबा सहित गुरु गोरखनाथ मंदिर का उद्घाटन किया गया। कांग्रेस के बस्तीराम यादव के मुख्य आतिथ्य में आयोजित कार्यक्रम में नीमराना के पूर्व सरपंच अशोक मुद्गल सहित श्योताज सिंह, रोहतास पार्षद व संजय बोहरा तथा अमित जागा व पंकज यादव के द्वारा गुरु गोरखनाथ के शिष्य गोगा बाबा के इतिहास और मर्यादित चमत्कार से प्रेरणा लेने की बात कही गई। वहीं आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीणों द्वारा कार्यक्रम में पहुंचे जनप्रतिनिधियों सहित कार्यकर्ताओं का स्वागत सम्मान करने पर राज्य सरकार की योजना की जानकारी देते लाभ योजनाओं का लाभ उठाने की जानकारी दी गई।

राजस्थान मिशन–2030 के तहत परामर्श किया

बहरोड़/अलवर, (निसं)। राजस्थान मिशन 2030 के तहत प्रदेश को देश का अग्रणी राज्य बनाने के मानक निर्धारण के निर्देशन में अलवर कृषि उद्यानिकी एवं विपणन विभाग द्वारा संबंधित हितधारकों के साथ जिला प्रमुख बलवीर सिंह छिल्लर की अध्यक्षता में मिशन 2030 के संबंध में आत्मा परियोजना कार्यालय में परामर्श कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में जिला प्रमुख बलबीर छिल्लर द्वारा जैविक खेती पर जोर देते नस्ल व फसल बचाने के लिए किसानों व कृषि विभाग अधिकारियों को जागरूक किया।

वहीं उपनिदेशक कृषि प्रशासन कृषि आयुक्तालय नोडल अधिकारी उदय भान सिंह द्वारा राजस्थान मिशन 2030 के तहत ग्रहण परामर्श कार्यक्रम के उद्देश्यों एवं सुधारों के बारे में जानकारी दी एवं लीलाराम जाट संयुक्त निदेशक कृषि विभाग द्वारा कृषि एवं उद्यानिकी विभाग की संचालित योजनाओं के बारे में जानकारी दीजिए जन्म विभाग द्वारा योजनाओं की जानकारी दी गई। इसी क्रम में एसके सिंह उपनिदेशक भरतपुर खंड ने कृषकों की आय बढ़ाने, कृषि उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाने एवं बीज उत्पादन कार्यक्रम कृषि अध्ययन छात्राओं को बढ़ावा देने की जानकारी दी। वहीं कार्यक्रम में नाबार्ड से प्रदीप चौधरी व एलडीएम रामजीत मीणा द्वारा कृषि उत्पादन की गुणवत्ता व किसानों को ऋण देने की प्रक्रिया के संबंध में जानकारी दी। बैठक में संयंत्र प्रबंधन नंदराम जाट, डॉक्टर देवेंद्र शर्मा, डॉक्टर बसंत कुमार, सहायक प्राध्यापक, नरेश गोयल, संजीव मित्तल, पंकज जोशी आदि मौजूद रहे।

मैं नॉर्थैंप्टनशायर की तरफ़ से काउंटी क्रिकेट खेलने के लिए उत्साहित हूं। मुझे पता है कि पृथ्वी शॉ ने वहां पर अपने समय का लुत्फ़ उठाया है और अब मैं भी वही करना चाहता हूं। उम्मीद है कि मैं टीम के लिए अपनी छाप छोड़ सकूंगा। **- करूण नायर**

भारतीय क्रिकेटर, नॉर्थप्टनशायर की तरफ से खेलने को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

नेमार

नेमार शुक्रवार को तीन बार के विश्व कप विजेता और महान फुटबॉलर पेले को पछाड़कर ब्राजील के लिए सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बन गये। नेमार ने यह उपलब्धित बोलिविया के खिलाफ विश्व कप क्वालीफाइंग मैच में 61वें मिनट में गोल करके हासिल की। अमेजन शहर के बेलेम में इस 31 वर्षीय खिलाड़ी ने 78वां गोल दागा जिससे वह पेले के 77 गोल के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ने में सफल रहे। ब्राजील ने इस विश्व कप क्वालीफाइंग मैच में 5-1 से जीत दर्ज की। नेमार ने मैच में टीम के लिए चौथा और पांचवां गोल दागा। अब उनके कुल 79 गोल हो गये हैं।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट इतिहास का पहला टेस्ट इंग्लैंड व ऑस्ट्रेलिया के मध्य 1877 में मेलबोर्न में खेला गया था। इसे ऑस्ट्रेलिया ने 45 रन से जीता।

सूर्य को सफल होने के लिए बदलना होगा माइंडसेट : डीविलियर्स

कोलंबो, 9 सितंबर। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज़ एबी डीविलियर्स का मानना है कि एक दिवसीय क्रिकेट में सफलता के लिये विश्व के नंबर एक टी20आई बल्लेबाज़ सूर्यकुमार यादव को अपने माइंडसेट में थोड़ा सा परिवर्तन करना होगा। विश्वकप के लिये चुनी गयी 15 सदस्यीय भारतीय टीम में जगह बनाने में सफल सूर्यकुमार का वनडे फ़ॉर्म कुछ ख़ास नहीं रहा है। 24 पारियों में उनका औसत सिर्फ़ 24.33 का है और वह इस दौरान सिर्फ़ दो अर्धशतक ही बना पाए हैं। सूर्यकुमार ने ख़ुद स्वीकार किया है कि उनका वनडे रिकॉर्ड बहुत ख़राब है। डीविलियर्स ने कहा, मैं सूर्या का बहुत बड़ा फ़ैन हूं। वह उसी तरह से खेलते हैं, जैसा मैं खेलता हूं लेकिन वनडे में उन्हें अब भी अपनी छाप छोड़नी है। अगर वह अपने माइंडसेट में छोटा सा भी परिवर्तन करते हैं तो वह वनडे में भी सफल हो सकते हैं क्योंकि उनके पास हर तरह की क़ाबिलियत है। उन्होंने कहा, यह राहत की बात है कि सूर्या को विश्व कप दल में जगह मिली है और मैं इसको लेकर बहुत ख़ुश हूं। मुझे उम्मीद है कि उन्हें विश्व कप में एकादश में भी खेलने का मौक़ा मिलेगा। भारतीय दल के संतुलन को देखते हुए यह तो निश्चित है कि वह शुरुआती एकादश में जगह नहीं बना पाएंगे, लेकिन विश्व कप एक लंबा टूर्नामेंट है और देखते हैं कि क्या होता है।

एस श्रीराम एलएसजी के सहायक कोच नियुक्त

लखनऊ, 9 सितम्बर,। ऑस्ट्रेलियाट के दिग्गज क्रिकेटर जस्टिन लैंगर के लखनऊ सुपर जायंट्स में मुख्य कोच के तौर पर शामिल होने के बाद श्रीधरन श्रीराम को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सीज़न के लिए सहायक कोच नियुक्त किया गया है। श्रीराम की नियुक्ति से मुख्य कोच जस्टिन लैंगर और ग्लोबल मेंटर गौतम गंभीर के नेतृत्व वाले सुपर जायंट्स के शानदार बैकरूम स्टाफ के साथ-साथ विजय दहिया, प्रवीण तांबे और मोर्ने मोर्कल और जोंटी रोड्स की दक्षिण अफ्रीकी जोड़ी टीम के सहायक कोच के रूप में पूरी हो गई है। श्रीधरन श्रीराम बांग्लादेश की टी-20 टीम के तकनीकी सलाहकार रह चुके हैं। उनके नेतृत्व में टीम ने पिछले साल आस्ट्रेलिया में आईसीसी टी20 विश्व कप के सुपर 12 चरण में दो जीत हासिल की थी। वह 2016 तक छह साल के लिए आस्ट्रेलियाई टीम से भी जुड़े थे और टीम को टी20 विश्व कप और 2021-22 में एशेज जीत दर्ज करने में मदद की थी। वह आईपीएल से भी जुड़े रहे हैं और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के लिए बल्लेबाजी और स्पिन गेंदबाजी में विशेषज्ञता वाले सहायक कोच के रूप में काम कर चुके हैं। श्रीराम ने 2008 में ईसीबी लेवल-3 'हेड कोच' का प्रतिष्ठित सम्मान भी अर्जित किया है।

विश्व चैम्पियनशिप : भारोत्तोलक एन अजित पांचवें स्थान पर रहे

रियाद, 9 सितंबर। पहली बार विश्व चैम्पियनशिप में खेल रहे मौजूदा राष्ट्रीय चैम्पियन नारायण अजित ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शनिवार को यहां पुरूषों के 73 किलो वर्ग में ग्रुप सी में पांचवां स्थान हासिल किया। राष्ट्रमंडल चैम्पियनशिप स्वर्ण पदक विजेता अजित को पिछले महीने एशियाई खेलों की टीम से बाहर कर दिया गया था क्योंकि वह खेल मंत्रालय के चयन मानदंडों पर खरे नहीं उतर रहे थे। उन्होंने स्नैच में 140 किलो और क्लीन एंड जर्क में 172 किलो समेत कुल 312 किलो वजन उठाया। वह 320 किलो का लक्ष्य पूरा नहीं कर सके लेकिन यह उनके अपने प्रदर्शन से बेहतर था। उन्होंने जुलाई में राष्ट्रमंडल चैम्पियनशिप में 308 किलो (138 और 170 किलो) वजन उठाया था। थाईलैंड के वीराफोन विचुमा 349 किलो वजन उठाकर ग्रुप में शीर्ष रहे। भारत के राष्ट्रमंडल खेल चैम्पियन अचिंता शेउली 285 किलो वजन उठाकर ग्रुप डी में निराशाजनक आठवें स्थान पर रहे। ओलंपिक क्वालीफिकेशन नियमों के तहत 2023 विश्व चैम्पियनशिप और 2024 विश्व कप पेरिस ओलंपिक क्वालीफिकेशन नियमों के तहत अनिवार्य टूर्नामेंट हैं।

हमारा लक्ष्य बिना किसी पछतावे के चीन से लौटना है : हॉकी फॉरवर्ड अभिषेक

बेंगलुरू, 9 सितंबर। पहली बार एशियाई खेलों में भाग लेने जा रहे भारत के उदीयमान हॉकी फॉरवर्ड अभिषेक का लक्ष्य पूरे आत्मविश्वास के साथ खेलना और चीन से बिना किसी पछतावे के लौटने का है। 24 वर्ष के अभिषेक को इस स्तर पर खेलने का मौका देर से मिला लेकिन 48 मैचों में 18 गोल करके उन्होंने टीम में अपनी जगह पक्की कर ली है। उन्होंने कहा ,'' टीम में चयन से मैं काफी खुश हूं। मैं सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने को बेताब हूं। हांगझोउ एशियाई खेल बड़ा टूर्नामेंट है और हम काफी दमदार तैयारी कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा ,'' हम आत्मविश्वास के साथ खेलेंगे और हमारा लक्ष्य बिना किसी पछतावे के टूर्नामेंट से रवाना होने का है।'' टीम की तैयारियों के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा ,'' हमारा सामना कुछ अच्छी टीमों से होगा। हम काफी कड़ी मेहनत कर रहे हैं ताकि मैदान पर उतरें तो मानसिक और शारीरिक तौर पर पूरी तरह से फिट हों।'' भारत को पूल ए में पाकिस्तान, जापान, बांग्लादेश, सिंगापुर और उजबेकिस्तान के साथ रखा गया है। अभिषेक ने कहा ,'' मेरे साथी खिलाड़ी और कोच मेरी काफी मदद करते हैं। मैं अक्सर मनदीप और ललित से सलाह लेता हूं। वे मैदान के भीतर और बाहर भी मदद करने को हमेशा तत्पर रहते हैं।'' अभिषेक ने 2021 . 22 एफआईएच हॉकी प्रो लीग में पदार्पण किया और भुवनेश्वर राउरकेला में इस साल हुए विश्व कप में दो बार प्लेयर आफ द मैच रहे।

पाकिस्तान के खिलाफ 'हाई वोल्टेज' मैच से पहले राहुल-किशन की गुत्थी सुलझाना चाहेगा भारत

कोलंबो, 9 सितंबर। भारतीय टीम प्रबंधन के लिए चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले एशिया कप 'सुपर फोर' मैच से पहले केएल राहुल और ईशान किशन में से किसी एक को चुनने की दुविधा का हल निकालना अहम होगा। रोहित शर्मा की अगुआई वाली भारतीय टीम रविवार को एशिया कप में दूसरी बार पाकिस्तान से भिड़ेगी। भारतीय टीम प्रबंधन का ध्यान टीम के लक्ष्यों पर तो लगा हुआ है लेकिन साथ ही वह पाकिस्तान के खिलाफ मैदान पर अपने सर्वश्रेष्ठ 11 खिलाड़ियों को उतारना चाहेगा।

लेकिन इसके लिए उन्हें राहुल-किशन के चयन की पहेली का जवाब ढूंढने की जरूरत होगी और साथ ही वे उम्मीद करेंगे कि मुकाबले में बारिश की बाधा नहीं पड़े जिसके लिए सोमवार को विवादास्पद 'रिजर्व' दिन रखा गया है। राहुल की टीम में वापसी से चयन के लिए खिलाड़ियों के 'पूल' में इजाफा हो गया है लेकिन यह भारत के लिए सुखद सरदर्द भी होगा। ऐसा इसलिये क्योंकि किशन ने पिछले लगभग एक महीने में सभी को अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया है जिसमें उन्होंने चार मैचों में चार अर्धशतक जड़े हैं। तीन वेस्टइंडीज के खिलाफ और एक पिछले हफ्ते पालेकल में एशिया कप ग्रुप ए मैच में पाकिस्तान के खिलाफ।

इस दौरान किशन ने पारी का आगाज करने से लेकर पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने में सहजता दिखायी है। झारखंड के इस 25 साल के खिलाड़ी ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पारी की शुरुआत की जबकि पाकिस्तान के खिलाफ वह मध्यक्रम में उतरे। किशन बायें हाथ के बल्लेबाज हैं तो इससे भारतीय बल्लेबाजी क्रम में थोड़ी विविधता भी आयी है। ऐसा लगता है कि किशन के लिए सब चीजें सही जा रही हैं। लेकिन बेंगलुरु के क्रिकेटर राहुल के पांचवें नंबर पर दावे को नजरअंदाज करना भी मुश्किल है जबकि वह जांघ की चोट और सर्जरी के बाद की 'रिहैबिलिटेशन' प्रक्रिया के कारण इस साल मार्च के बाद से कोई वनडे मुकाबला नहीं खेले हैं।

इसके पीछे यह कारण है कि राहुल (31 वर्ष) 2019 के बाद से भारत के सबसे मजबूत वनडे बल्लेबाजों में से एक हैं। उन्होंने 2019 में 13 मैचों में 47.67 के औसत से 572 रन बनाये। इसके बाद भी उनके अच्छे प्रदर्शन का सिलसिला जारी रहा। 2020 में उन्होंने नौ मैचों में 55.38 के औसत से 443 रन, 2021 में ती मैचों में 88.50 के औसत से 108 रन, 2022 में 10 मैचों में 27.89 के औसत से 251 रन और 2023 में छह मैचों में 56.50 के औसत से 226 रन बनाये हैं।

अगर इन आंकड़ों को और बारीकी से देखा जाये तो पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए राहुल ने 18 मैचों में 53 के औसत से 742 रन जुटाये हैं जिसमें एक शतक और सात अर्धशतक भी शामिल हैं। ये आंकड़े काफी मजबूत दिखते हैं और उनकी विकेटकीपिंग भी तरकश में एक अतिरिक्त तीर शामिल करती है। शुक्रवार को वह विकेटकीपिंग का कड़ा अभ्यास करते दिखे जिससे उनकी वापसी की तैयारी का संकेत मिलता है।

टीम जैसा संतुलन चाहती है, उसके लिहाज से यह फैसला काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि मैच के लिए मैदान पर वो जो भी संयोजन उतारें उनके लिए 'सुपर फोर' मैच में जीत दर्ज करना निहायती जरूरी होगा। पाकिस्तान ने लाहौर में बांग्लादेश को सात विकेट से हराकर दो अंक हासिल कर लिये हैं। इससे एक और जीत उन्हें आसानी से फाइनल में पहुंचा देगी।

भारत भी तालिका में शामिल होना चाहेगा लेकिन उन्हें पाकिस्तान के घातक गेंदबाजी आक्रमण से निपटना होगा क्योंकि वे पिच की प्रकृति के बावजूद प्रभावित गेंदबाजी करने में सक्षम हैं। निश्चित रूप से रोहित और अन्य भारतीय बल्लेबाज शाहीन शाह अफरीदी की तेज तर्रार गेंदों से सतर्क रहेंगे लेकिन पाकिस्तान की गेंदबाजी इकाई में अन्य गेंदबाज भी इतने ही घातक हैं।

हारिस रऊफ अपनी रफ्तार से एशिया कप गेंदबाजी सूची में नौ विकेट (तीन मैच में) से शीर्ष पर चल रहे हैं और ऐसा लगता है कि वह अफरीदी (सात विकेट) से आगे निकल जायेंगे। नसीम शाह के भी सात विकेट हैं और वह भी प्रतिद्वंद्वी बल्लेबाजों को राहत नहीं लेने देंगे। पाकिस्तान कागज पर गेंदबाजी विभाग में मजबूत दिखती है लेकिन भारत को भी भरोसा है कि उनके पास भी जवाबी हमले के लिए धारधार गेंदबाजी मौजूद है।

जसप्रीत बुमराह की वापसी से भारतीय गेंदबाजी मजबूत होगी, वह नेपाल के खिलाफ लीग मैच में नहीं खेल पाये थे। मोहम्मद सिराज और शार्दुल ठाकुर सहयोगी गेंदबाज की भूमिका कुशलता से निभा सकते हैं। लेकिन जब दोनों टीमें मैदान पर उतरती हैं तो अंतिम एकादश, फॉर्म, पिछले रिकॉर्ड ये सारे कारक अप्रासंगिक हो जाते हैं। मैदान पर दोनों टीम के बीच यह तूफानी टक्कर होगी।

भारत-पाक मैच में बारिश का हो सकता है 'खेला'

कोलंबो, 9 सितंबर। एशिया कप सुपर फोर चरण में रविवार को होने वाले भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबले में बारिश का खेल करोड़ों क्रिकेट प्रेमियों की उम्मीदों पर पानी फेर सकता है। मौसम विभाग ने कोलंबों में रविवार को भारी बारिश के आसार व्यक्त किये हैं। मौसम पूर्वानुमान के मद्देनजर आयोजकों ने पहली बार सुपर फोर चरण के इस मुकाबले के लिये रिजर्व डे का प्राविधान किया है मगर संडे में क्रिकेट का मजा लेने वालों के लिये यह सूचना मायूस कर देने वाली है।

सितंबर में कोलंबों में बहुत कम बारिश होती है और पिछले कुछ सालों में इसी मौसम में यहां पर वनडे मैचों का सफलतापूर्वक आयोजन हुआ है। लेकिन एक सच्चाई यह भी है कि कुछ मैचों को बारिश के कारण छोटा भी करना पड़ा है। श्रीलंका में पूर्वोत्तर मानसून की शुरुआत अक्तूबर के बीच से होती है और सितंबर में इतनी बारिश नहीं होती है। बारिश को देखते हुए इस मैच के लिए रिजर्व डे भी रखा गया है, लेकिन मैच अधिकारियों की कोशिश होगी कि मैच को उसी दिन समाप्त किया जाए। इसी कारण मैच को निर्धारित समय से 1.30 घंटे और लंबा किया जा सकता है। अगर रविवार को मैच समाप्त नहीं हुआ तो टीमें सोमवार को मैच जहां पर रूका था, वहां से खेलने उतरेंगी।

रोहना बोपन्ना और मैथ्यू एब्डेन की जोड़ी अमेरिकी ओपन के फाइनल में हारी

न्यूयार्क, 9 सितंबर। भारत के टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और उनके ऑस्ट्रेलियाई साथी मैथ्यू एब्डेन शुक्रवार को न्यूयॉर्क में अमेरिका के राजीव राम और ग्रेट ब्रिटेन के जो सैलिसबरी के ख़िलाफ़ फाइनल में हारकर अमेरिकी ओपन 2023 पुरुष युगल का ख़िताब जीतने से चूक गए।

आर्थर ऐश स्टेडियम के हार्ड कोर्ट पर प्रतिस्पर्धा करते हुए, रोहन बोपन्ना और मैथ्यू एब्डेन की छठी वरीयता प्राप्त जोड़ी राजीव राम और जो सैलिसबरी की तीसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी से दो घंटे तक चले मुक़ाबले में 6-2, 3-6, 4-6 से हार गई। इस जीत के साथ, राजीव राम और जो सैलिसबरी की जोड़ी 90 से अधिक वर्षों के बाद तीन बार यूएस ओपन पुरुष युगल का ख़िताब हासिल करने वाली पहली पुरुष युगल जोड़ी बन गई।

बोपन्ना और एब्डेन ने राजीव राम की सर्विस को ब्रेक करते हुए बेहतरीन शुरुआत की। एब्डेन की सटीक सर्विस और बोपन्ना के शक्तिशाली बैक हैंड ने इंडो-ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी को पहले सेट में अपनी पकड़ बनाए रखने में मदद की। उन्होंने सातवें गेम में जो सैलिसबरी की सर्विस ब्रेक की और 1-0 की बढ़त हासिल की।

राम और सैलिसबरी ने दूसरे सेट में अच्छी वापसी की और बोपन्ना-एब्डेन की जोड़ी दबाव में आ गई। फोरहैंड से कुछ गलतियां करने के बाद छठे गेम में उनकी सर्विस ब्रेक हो गई। राजीव राम ने एक शानदार शॉट लगाकर सेट को अपने नाम कर लिया और मैच को निर्णायक मुकाबले में पहुंचा दिया। तीसरे सेट के पहले गेम में बोपन्ना और एब्डेन 0-40 से पिछड़ गए। हालांकि, बोपन्ना के एक बेहतरीन फोरहैंड शॉट की मदद से इंडो-ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी मैच में अपना संघर्ष जारी रखने में कामयाब रही।

2-2 की बराबरी के बाद राम और सैलिसबरी को तीन ब्रेक प्वाइंट बचाने थे और अगले गेम में बोपन्ना की सर्विस को ब्रेक करते हुए उन्होंने 3-2 की बढ़त हासिल कर ली। बोपन्ना और एब्डेन ने सातवें गेम में भी शुरुआती अंक गंवा दिया। उन्होंने 15-15 से स्कोर को बराबर कर लिया। बोपन्ना ने चार नेट प्वाइंट हासिल करते हुए गेम जीत लिया और खिताब की दौड़ में बने रहे। हालांकि, राजीव राम और जो सैलिसबरी लगातार तीसरा यूएस ओपन खिताब जीतने के लिए मज़बूती के साथ आगे बढ़ते रहे।

यह रोहन बोपन्ना का दूसरा ग्रैंड स्लैम पुरुष युगल फाइनल था। भारतीय टेनिस खिलाड़ी 13 साल पहले पाकिस्तान के ऐसाम-उल-हक कुरेशी के साथ यूएस ओपन के पुरुष युगल फाइनल में पहुंचे थे, लेकिन यह जोड़ी अमेरिका के दिग्गज ब्रायन भाइयों से हार गई थी।

ग़ौरतलब है कि 2017 फ्रेंच ओपन मिश्रित युगल चैंपियन, बोपन्ना ने अभी तक पुरुष युगल ग्रैंड स्लैम नहीं जीता है। उन्होंने इस साल की शुरुआत में सानिया मिर्जा के साथ ऑस्ट्रेलियन ओपन के मिश्रित युगल फाइनल में जगह बनाई थी।

इससे पहले गुरुवार को 43 साल और छह महीने की उम्र में रोहन बोपन्ना, ओपन एरा में ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने। उन्होंने कनाडा के डेनियल नेस्टर का पिछला रिकॉर्ड तोड़ा, जिनकी उम्र 2016 ऑस्ट्रेलियन ओपन फाइनल में खेलते समय 43 साल और 4 महीने थी।

एशियाई खेलों के लिये एथलेटिक्स टीम में इजाफा करना चाहेगा एएफआई

चंडीगढ, 9 सितंबर। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) रविवार से यहां शुरू हो रही दो दिवसीय इंडियन ग्रां प्री के जरिये हांगझोउ एशियाई खेलों के लिये चुने गए 65 सदस्यीय एथलेटिक्स दल में कम से कम 15 नाम और जुड़ने की उम्मीद कर रहा है। एशियाई खेलों के लिये चुने गए आधे से अधिक खिलाड़ी इस टूर्नामेंट में भी भाग ले रहे हैं। विदेश में अभ्यास कर रहे कुछ खिलाड़ी इससे बाहर रहेंगे। एएफआई अध्यक्ष आदिले सुमरिवाला ने कहा ,'' इस बार भारतीय दल बड़ा और मजबूत होगा। हमने 65 खिलाड़ियों को चुना है और अगर एएफआई के मानदंडों पर खरे उतरे तो इसमें 15 नाम और जुड़ सकते हैं।'' एशियाई खेलों के दल में जगह बना चुके भालाफेंक खिलाड़ी किशोर जेना , शॉटपुट खिलाड़ी साहिब सिंह, जिंसन जॉनसन (1500 मीटर), मोहम्मद अफजल (800 मीटर) , यशास पी (400 मीटर बाधा दौड़), जेस्सी संदेश (ऊंची कूद) , रिले धावक आरोकिया राजीव, राजेश रमेश, निहाल जोएल विलियम, राहुल बेबी, मिजो चाको कूरियन और अमोल जैकब पुरूष वर्ग में उतरेंगे। महिला वर्ग में एंसी सोजन (लंबी कूद), मनप्रीत कौर और किरण बालियान (शॉट पुट), आर विथ्या रामराज और सिंचल कावेराम्मा (400 मीटर बाधा दौड़), चंदा (800 मीटर), हरमिलंस बैंस (1500 मीटर) सीमा पूनिया (चक्का फेंक) इसमें भाग लेने वाले प्रमुख खिलाड़ियों में है।

मेरा कार्यभार अन्य लोगों की तुलना में दो या तीन गुना ज्यादा है : पंड्या

कोलंबो, 9 सितंबर। भारतीय क्रिकेट टीम के हरफनमौला खिलाड़ी हार्दिक पंड्या का मानना है कि टीम में उनका कार्यभार किसी विशेषज्ञ बल्लेबाज या गेंदबाज की तुलना में दो से तीन गुना ज्यादा होता है।

स्टार स्पोर्ट्स के कार्यक्रम 'फॉलो द ब्लूज़ लाइव' पर विशेष बातचीत में टीम इंडिया के उप-कप्तान हार्दिक पंड्या ने खेल में एक ऑलराउंडर की अनूठी चुनौतियों और मानसिकता पर प्रकाश डाला। उन्होने कहा एक ऑल-राउंडर के रूप में मेरा कार्यभार अन्य सभी की तुलना में दोगुना या तीन गुना है। जब टीम में कोई बल्लेबाज अपनी बल्लेबाजी खत्म कर पवेलियन लौट रहा होता है तो आलराउंडर के तौर पर मेरा काम उसके बाद भी गेंदबाजी करना है। अगर 10 ओवरों की जरूरत नहीं है, तो मेरे 10 ओवर फेंकने का कोई मतलब नहीं है, लेकिन अगर 10 ओवरों की जरूरत है, तो मैं गेंदबाजी करूंगा। उन्होने कहा मेरा हमेशा से मानना रहा है कि मैं खुद को सफल होने का मौका देता हूं। मैंने जो महसूस किया है वह यह है कि चाहे कुछ भी हो, आपको अपना समर्थन करना होगा, आपको विश्वास करना होगा कि आप दुनिया में सर्वश्रेष्ठ हैं। यह आपको सफलता की गारंटी नहीं देता है, लेकिन साथ ही, यह आपको सफलता की दिशा में काम करने के लिए मार्गदर्शन भी देता है, इसलिए व्यावहारिक रूप से खुद का समर्थन करें।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने हाल के खेल में हार्दिक पंड्या और इशान किशन के उल्लेखनीय प्रदर्शन की सराहना की और कहा भारत और पाकिस्तान के बीच पिछले मैच में हार्दिक पंड्या और इशान किशन की पारियां कितनी महत्वपूर्ण थीं। मैच का कोई परिणाम नहीं निकला, लेकिन यह भारत के लिए एक शानदार परिणाम था, और मुख्य परिणाम जो भारत चाहता था वह हार्दिक पंड्या, रनों का योगदान था, और इशान किशन ने भी अच्छा खेला। हार्दिक के बारे में बात यह है कि वह बहुत आक्रामक खिलाड़ी हैं, वह जब चाहें लंबे छक्के लगा सकते हैं, लेकिन लगभग 70 मिनट तक हार्दिक पंड्या केवल सिंगल ले रहे थे।

उन्होने कहा 50 ओवर का क्रिकेट एकल का खेल है, विशेष रूप से मध्य चरण में यह भीड़ और खिलाड़ियों दोनों के लिए बहुत उबाऊ चरण है, लेकिन हार्दिक पंड्या और इशान किशन दोनों ने उस उबाऊ चरण को खेला, अपनी पारी अच्छे से खेली और भारत को सम्मानजनक स्थिति में पहुंचाया. तो यह भारत के लिए बहुत अच्छा परिणाम था, वह साझेदारी और कैसे वे अपना स्वाभाविक खेल भूल गए और टीम की जरूरतों को उससे आगे रखा। मुझे लगता है कि यह उस मैच की सबसे अच्छी खोज थी। भारत ने एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ वर्षा प्रभावित मैच में 266 रन पर बनाये थे जिसमें पंड्या ने 87 रन का योगदान दिया था।

अमेरिकी ओपन के खिताब के लिये भिड़ेंगे मेदवेदेव और जोकोविच

न्यूयार्क, 9 सितंबर। अमेरिकी ओपन के खिताब के लिये विश्व के नंबर तीन खिलाड़ी रूस के दानिल मेदवेदेव की भिड़ंत 23 ग्रैंडस्लैम जीत चुके सर्बियाई खिलाड़ी नोवाक जोकोविच से होगी। जोकोविच ने शुक्रवार को अमेरिकी ओपन के सेमीफाइनल में गैर वरीयता प्राप्त अमेरिका के बेन शेल्टन को 6-3, 6-2, 7-6 (4) से हरा दिया। इससे पहले दानिल मेदवेदेव ने गत चैंपियन स्पेनिश खिलाड़ी कार्लोस अल्कारेज को 7-6(3), 6-1, 3-6, 6-3 से हराया। 36 वर्षीय जोकोविच 36वीं बार ग्रैंडस्लैम के फाइनल में पहुंचे है और अगर वह अमेरिकी ओपन का खिताब अपने नाम करते हैं तो यह पेशेवर युग में अमेरिकी ओपन जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन जायेंगे। जोकोविच इसी साल जनवरी में आस्ट्रेलियन ओपन और जून में फ्रेंच ओपन में ट्राफी जीतने में सफल रहे थे। रविवार को जोकोविच का सामना 2021 अमेरिकी ओपन चैम्पियन दानिल मेदवेदेव से होगा। मेदवेदेव ने 2021 में फ्लशिंग मिडोज के फाइनल में जोकोविच को हराकर उनकी कैलेंडर वर्ष ग्रैंडस्लैम पूरा करने की उम्मीद पर पानी फेर दिया था।

मेदवेदेव ने अपने ऑन-कोर्ट साक्षात्कार में कहा, अलकराज को हराना सुखद अनुभव रहा। वह युवा है और पहले से ही दो ग्रैंड स्लैम जीत चुका है, कई हफ्तों तक दुनिया का नंबर एक खिलाड़ी रहा है, ईमानदारी से कहूं तो यह काफी अविश्वसनीय है और मुझे लगता है कि उससे पहले किसी ने भी ऐसा नहीं किया है। इसलिए उसे हराने के लिए आपको खुद से बेहतर होने की जरूरत है और मैं ऐसा करने में कामयाब रहा। जोकोविच को रिकॉर्ड 24वें एकल खिताब का दावा करने से रोकने के लिए मेदवेदेव को पता है कि उन्हें एक और अलौकिक प्रदर्शन की आवश्यकता होगी।

पाक के बाद श्रीलंका से भी हारा बांग्लादेश

कोलंबो, 9 सितंबर। खेल के हर विभाग में बांग्लादेश को बौना साबित करते हुये श्रीलंका ने शनिवार को एशिया कप सुपर फोर चरण का अपना पहला मुकाबला आसानी से 21 रनों से जीत लिया। बांग्लादेश की सुपर फोर चरण में यह लगातार दूसरी हार है, इससे पहले पाकिस्तान के हाथों उसे हार का सामना करना पड़ा था।

श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुये निर्धारित 50 ओवरों में नौ विकेट पर 257 रन बनाये थे जिसके जवाब में बांग्लादेश की पूरी टीम 48.1 ओवर के खेल में 236 रन बनाकर पवेलियन लौट गयी। श्रीलंका की जीत में सदीरा समराविक्रमा (93) के अलावा महीश थीक्षणा (69 रन पर तीन विकेट), दसून शानका (28 रन पर तीन विकेट) और मथीशा पथिराना (58 रन पर तीन विकेट) का अहम योगदान रहा। बांग्लादेश के मध्यक्रम के बल्लेबाज मो. तौहीद हृदोय (82) ने एक छोर पर डट कर मेजबान गेंदबाजी आक्रमण का सामना किया मगर दूसरे छोर पर बल्लेबाजों का सहयोग न मिलने से लक्ष्य लंबा हो गया। अंतिम ओवरों में नासुम अहमद (15) और हसन महमूद (10 नाबाद) ने करारे शाट्स खेल कर विजयी लक्ष्य को पाने की नाकाम कोशिश की।

पाकिस्तान के खिलाफ बेहतरीन पारी खेलने वाले कप्तान शाकिब अल हसन (3) भी आज जल्द आउट हो गये जबकि जबकि मुशफ़िक़ुर रहीम (29) भी कुछ खास नहीं कर सके। इससे पहले कुसल मेंडिस (50) और पथुम निसंका (40) के बीच 74 रनो की साझीदारी के बाद सदीरा समराविक्रमा (93) की साहसिक पारी की बदौलत श्रीलंका ने नौ विकेट पर 257 रन बनाये। मध्य क्रम की विफलता से मुश्किलों में आयी श्रीलंका को भंवर से निकाल कर सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाने में समराविक्रमा की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रही। उन्होने कठिन समय पर संयम का परिचय देते हुये दूसरे छोर पर आये बल्लेबाजों के साथ रन बटोरे रखना जारी रखा और बाद के ओवरों में स्कोरबोर्ड को तेजी से चलाया। समराविक्रमा ने इस दौरान कप्तान दसुन शानका (24) के साथ 60 रन की महती साझीदारी भी निभायी मगर अन्य बल्लेबाज उनका साथ देने में असफल रहे।

डेविस कप के लिये लखनऊ पहुंची मोरक्को की टीम

लखनऊ, 9 सितंबर। डेविस कप वर्ल्ड ग्रुप-2 में 16 सितंबर से भारत के खिलाफ दो दिवसीय मुकाबले के लिये मोरक्को की टीम शनिवार को लखनऊ पहुंच गयी। टीम के कप्तान ताहिरी मेहदी के नेतृत्व में बेंचेट्रिट इलियट,ड्लिमी यासिन,मुंडीर एडम,अहौदा वालिद,लालामी लारौसी यूनुस का यहां गर्मजोशी से इस्तकबाल किया गया। पंच सितारा होटल ताज में टीम का स्वागत तिलक लगा कर किया गया। टीम के साथ फिजियो रहरबल मोहम्मद, किनेसिथेरेप्यूट मिसे मारौने के अलावा नईम अहमद और ज़ेमरानी ज़कारिया भी आये हैं। भारत और मोरक्को के बीच मुकाबला गोमती नगर स्थित मिनी स्टेडियम का हार्ड कोर्ट में खेला जायेगा। सुमित नागल और मुकुंद शशिकुमार क्रमश: 189 और 361वें स्थान पर हैं और उन्हें एकल मैच खेलने की जिम्मेदारी मिलने की उम्मीद है।

श्रीलंकाई परिस्थितियों में खेलने के अनुभव से फायदा मिलेगा : बाबर आजम

कोलंबो, 9 सितंबर। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने शनिवार को कहा कि हाल में श्रीलंकाई परिस्थितियों में खेलने के अनुभव से उनकी टीम को भारत के खिलाफ एशिया कप 'सुपर फोर' मुकाबले में फायदा मिलेगा। पाकिस्तान के कई खिलाड़ी जुलाई में टेस्ट श्रृंखला के बाद से श्रीलंका में खेल रहे हैं। उसके खिलाड़ियों ने टेस्ट श्रृंखला के बाद लंका प्रीमियर लीग और अफगानिस्तान के खिलाफ द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला खेली।

बाबर ने मैच से पूर्व आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कहा, '' हम पाकिस्तान और श्रीलंका में लगातार क्रिकेट खेल रहे हैं, आप कह सकते हैं कि हमें उन पर (भारत के खिलाफ) फायदा मिलेगा। '' उन्होंने कहा, ''हम लगभग पिछले दो महीने से यहां श्रीलंका में खेल रहे हैं। हमने टेस्ट खेले, अफगानिस्तान के खिलाफ श्रृंखला खेली और फिर लंका प्रीमियर लीग। इसलिये कहा जा सकता है कि हमें फायदा मिलेगा। ''

एशिया कप के कार्यक्रम के कारण बाबर की टीम को मैच खेलने के लिए श्रीलंका और पाकिस्तान आना जाना पड़ा लेकिन वह इसे ज्यादा परेशानी भरा नहीं मानते। बाबर ने कहा, ''हमें कार्यक्रम पता था और इसके लिए हमें कितनी यात्रा करनी होगी ये भी। इसलिये हम अपने खिलाड़ियों की देखभाल किस तरह करते हैं, यह ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाता है।

पाकिस्तान के गेंदबाजों के खिलाफ ज्यादा नहीं खेलने से बड़े टूर्नामेंटों में असर पड़ता है : गिल

कोलंबो, 9 सितंबर। एशिया कप के ग्रुप चरण मैच में 32 गेंदों में 10 रन की पारी के दौरान पाकिस्तान के तेज गेंदबाजों की तिकड़ी के सामने असहज दिखे भारतीय सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने कहा कि इस देश के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ज्यादा नहीं खेलने के कारण शाहीन शाह अफरीदी और हारिस रऊफ जैसे गेंदबाजों का सामना करना चुनौतीपूर्ण होता है। भारतीय शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों को अफरीदी की अंदर आने वाली गेंदों पर परेशानी होती है।

गिल ने पाकिस्तान के खिलाफ रविवार को खेले जाने वाले सुपर चरण मैच से पहले कहा, ''हम पाकिस्तान के खिलाफ उतने मैच नहीं खेलते जितना हम अन्य टीमों के खिलाफ खेलते हैं। हम सभी जानते हैं यह गेंदबाजी आक्रमण काफी अच्छा है और जब आप अक्सर ऐसी गेंदबाजी के खिलाफ नहीं खेलते हैं तो बड़े टूर्नामेंटों में थोड़ा फर्क पड़ता है।'' भारत और पाकिस्तान की टीमें विश्व कप और एशिया कप जैसे टूर्नामेंटों में ही एक-दूसरे का आमना-सामना करती है।

गिल ने कहा कि वह खासकर शाहीन की चुनौती से निपटने के लिए बायें हाथ के थ्रो-डाउन विशेषज्ञ नुवान सेनेविरत्ने के खिलाफ अभ्यास पर भरोसा कर रहे है। उन्होंने कहा, '' निश्चित रूप से (प्रशिक्षण से मदद मिली है)। वह (नुवान) पिछले सात-आठ वर्षों से हमारे साथ हैं। यह विविधता होना अच्छा है। हमारे पास दाएं हाथ का विशेषज्ञ (रघु), अलग तरह की एक्शन का विशेषज्ञ (दयानंद गरानी) और बाएं हाथ का विशेषज्ञ है। आप जिस भी परिस्थिति में खेलें, यह मदद करता है।'' गिल ने कहा, '' पाकिस्तान के तेज गेंदबाज काफी अलग तरह के है। उनकी अपनी खासियतें हैं। शाहीन गेंद को काफी स्विंग कराते हैं। नसीम शाह गति पर ध्यान देते हैं और उन्हें विकेट से मदद पसंद है। वे अलग-अलग परिस्थितियों में अलग-अलग तरह की चुनौतियां पेश करते हैं।'' गिल ने कहा कि पिछले मैच के उलट इस मुकाबले में हावी होना होगा।

भारत ने ग्रुप चरण के मैच में 66 रन पर चार विकेट गंवा दिया था। गिल ने कहा, ''सलामी बल्लेबाज के तौर पर हमें अच्छी शुरुआत करने और शुरू से ही उन पर हावी होने की जरूरत है।'' उन्होंने रोहित के साथ अपनी साझेदारी को अहम करार देते हुए कहा,'' वह (रोहित) ऐसे खिलाड़ी है गेंदबाजों को अधिक हवा में खेलना पसंद करते हैं और मुझे पावर प्ले में जमीनी शॉट खेलना पसंद है। वह संयोजन हमारे लिए अच्छा काम करता हैं। हम शॉट चयन और परिस्थितियों से निपटने के मामले में अलग-अलग तरीका अपनाते है। इससे विरोधी टीम के लिए हमें रोकना थोड़ा मुश्किल हो जाता है।'' पिछले मैच में पाकिस्तान के गेंदबाजों के अच्छे प्रदर्शन के बाद भी गिल का मानना है कि टीम किसी तरह के दबाव में नहीं है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आप अफगानिस्तान, नीदरलैंड, पाकिस्तान या किसी भी टीम के खिलाफ खेले, दबाव तो हमेशा रहेगा।'' गिल ने कहा कि वह पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम का काफी सम्मान करते है।

किंग्स कप में लेबनान को मात देने के लिए भारत तैयार

चियांग माई (थाईलैंड), 9 सितंबर। इराक से पेनल्टी पर करारी हार के बाद भारतीय सीनियर पुरुष टीम रविवार को 49वें किंग्स कप के तीसरे स्थान के लिये प्ले-ऑफ में लेबनान से भिड़ने के लिए तैयार है। भारतीय टीम पिछले तीन महीने में चौथी बार लेबनान से भिड़ेगी। भारतीय समयानुसार यह मुकाबला शाम चार बजे से खेला जायेगा। भारत ने लेबनान के खिलाफ तीन मुकाबलों में एक भी गोल नहीं खाया है। इंटरकांटिनेंटल कप में 0-0 से ड्रा के बाद भुवनेश्वर में भारत ने फाइनल में 2-0 से जीत दर्ज की थी जबकि सैफ चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में इगोर स्टिमैक की टीम पेनल्टी पर शीर्ष पर रही थी।

प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारतीय कोच स्टिमैक ने स्वीकार किया कि दोनों टीमें एक-दूसरे को अंदर और बाहर से जानती हैं और रविवार को एक और रोमांचक मुकाबला देखने को मिलेगा। उन्होने कहा यह अब भारत और लेबनान के बीच एक नियमित प्रतियोगिता है। तीन महीने में हम चौथा मैच खेलने जा रहे हैं। हम एक दूसरे को बहुत अच्छे से जानते हैं। इसमें कोई रहस्य नहीं है। उन्होने कहा हम कोचों के लिए, यह बहुत आसान काम है। विरोधियों का ज्यादा विश्लेषण करने की जरूरत नहीं है. इसलिए यह सिर्फ अपने खेल, अपने खिलाड़ियों और 90 मिनट में पिच पर प्रभावी होने के तरीके पर ध्यान केंद्रित करने के बारे में है। लेबनान के मुख्य कोच और स्टिमैक के पूर्व क्लब टीम के साथी और अच्छे दोस्त अलेक्जेंडर इलिक ने भी ऐसा ही कहा। उनकी टीम ब्लू टाइगर्स के खिलाफ वापसी के लिए उत्सुक होगी, जिसने भारत ने दोनों ग्रीष्मकालीन टूर्नामेंटों में उनसे बेहतर प्रदर्शन किया था।

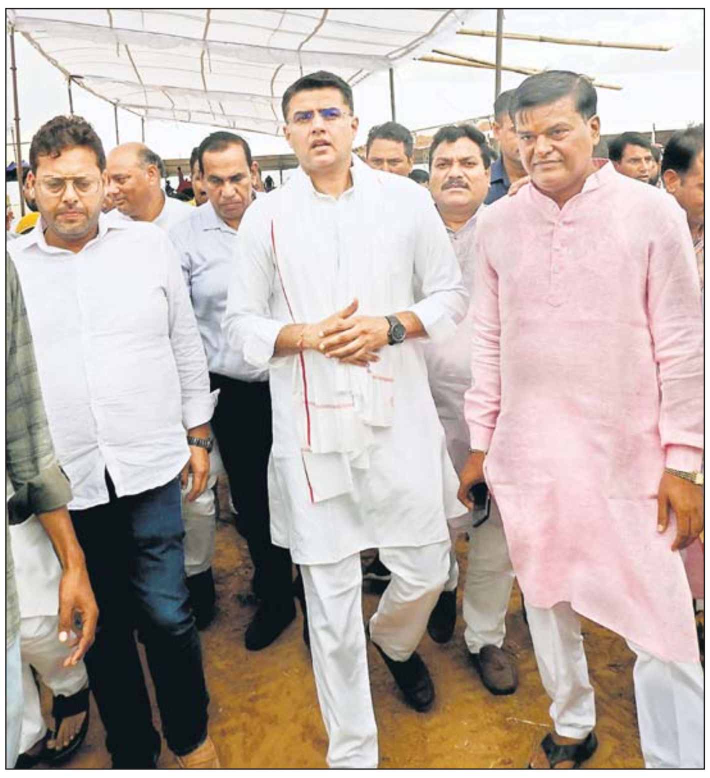

पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने रविवार को कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के निवाई आगमन की तैयारियों का जायजा लिया। पायलट ने प्रियंका गांधी के कार्यक्रम को लेकर प्रशासन के आला अधिकारियों एवं विधायक प्रशांत बैरवा से चर्चा की और सुरक्षा व्यवस्था सहित अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा की। प्रशांत बैरवा ने बताया कि, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, इन्दिरा गांधी स्मार्ट फोन योजना के तहत महिलाओं को स्मार्ट फोन वितरित करेंगी तथा गांव झिलाय में इन्दिरा रसोई का शुभारंभ करेंगी।

पायलट निवाई पहुंचे, प्रियंका गांधी की सभा की तैयारियाँ देखने

कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गाँधी रविवार को निवाई में विशाल जनसभा को संबोधित करेंगी

- निवाई पहुंचने पर पायलट का कांग्रेस के नेताओं व पदाधिकारियों ने भव्य स्वागत किया। पायलट के साथ चाकसू के विधायक वेद प्रकाश सोलंकी व देवली उनियारा विधायक हरीश मीणा भी मौजद थे।
- निवाई के बाद प्रियंका झिलाय गांव भी जाएंगी और वहां इंदिरा रसोई का उद्घाटन करेंगी।

निवाई, 9 सितम्बर (निसं)। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी के रविवार को निवाई विशाल आगमन की तैयारियों जायजा लेने के लिए पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट निवाई पहुंचे। जहां कार्यक्रम को लेकर प्रशासन के आला अधिकारियों एवं विधायक प्रशांत बैरवा से चर्चा की और सुरक्षा व्यवस्था सहित अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

राजकीय मॉडल स्कूल में आयोजित होने वाली विशाल जनसभा के लिए विशाल डोम तैयार किया जा रहा है। डोम में वीआईपी एरिया, राजीविका प्रदर्शनी, राज्य सरकार की योजनाओं की कियोस्क, ग्रामीण इंदिरा गांधी रसोई के उद्घाटन की व्यवस्था सहित अन्य सरकारी योजनाओं के प्रदर्शन की व्यवस्था की गई है। आम जनता के बैठने के लिए दो बड़े पाण्डाल बनाए गए हैं। आमजन व वीआईपी के अलग-अलग पार्किंग बनाई गई।

सभा स्थल पर प्रवेश के लिए तीन प्रवेश द्वार बनाए गए हैं जिनमें दो प्रवेश द्वार से आमजन का एवं एक प्रवेश द्वार से वीआईपी लोगों का प्रवेश होगा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के निवाई आगमन को लेकर सुरक्षा व्यवस्था के लिए आला अधिकारी सुरक्षा पांइट तय किए हैं। विधायक प्रशांत बैरवा ने बताया कि कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, इन्दिरा गांधी स्मार्ट फोन योजना के तहत महिलाओं को स्मार्ट फोन वितरित करेंगी तथा गांव झिलाय में इन्दिरा रसोई का शुभारंभ करेंगी। शनिवार की सुबह से ही ए.डी.एम. सूरजसिंह नेगी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आदर्श चौधरी, डीवाईएसपी महावीर सिंह, एसडीएम रविकांत सिंह, तहसीलदार अजीत बुदेला, थानाधिकारी हरिपाल सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के निरीक्षण के दौरान चाकसू विधायक वेदप्रकाश सोलंकी, देवली उनियारा विधायक हरीश मीणा मौजूद थे।

वहीं राजस्थान के प्रभारी सुखविंदर सिंह रंधावा, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंदसिंह डोटासरा, कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव व सह प्रभारी अमृता धवन, ग्रामीण विकास एवं पंचायतराज मंत्री रमेशचंद मीणा व पूर्व मंत्री नमोनारायण मीणा ने भी तैयारियों का निरीक्षण किया एवं जिला कलेक्टर व जिला पुलिस अधीक्षक सहित आला अधिकारियों से चर्चा की। पंचायत राज मंत्री रमेशचंद्र मीणा ने सी.आई.डी. पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ दोपहर में मॉडल स्कूल में बैठक ली और सुरक्षा व्यवस्था एवं कार्यक्रम की समीक्षा की।

इस दौरान कांग्रेस पदाधिकारी रंधावा, डोटासरा, धवन, पायलट, रमेश मीणा व अन्य बड़े नेताओं का विधायक प्रशांत बैरवा, स्वर्णीम चतुर्वेदी, प्रशांत शर्मा, रामसिंह मीणा, सीताराम शर्मा अलियाबाद, प्रदीप पारीक, ब्रह्मप्रकाश गुर्जर ने स्वागत किया।

जी-20 देशों ने की सभी आतंकवादी कृत्यों की कड़ी निंदा

नई दिल्ली, 9 सितंबर (वार्ता)। भारत की अध्यक्षता में जी-20 समूह ने शनिवार को महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे और कमजोर लक्ष्यों के खिलाफ सभी आतंकवादी कृत्यों की कड़ी निंदा की। जी-20 देशों ने संयुक्त बयान में कहा, आतंकवाद के सभी कृत्य आपराधिक और अनुचित हैं। चाहे उनकी प्रेरणा कुछ भी हो, कहीं भी, जब भी और किसी ने भी किया हो। नयी दिल्ली में मौजूद जी-20 के नेताओं की घोषणा के अनुसार, आतंकवाद विरोधी उपाय, आतंकवाद के पीड़ितों के लिए समर्थन और मानवाधिकारों की सुरक्षा परस्पर विरोधी लक्ष्य नहीहैं बल्कि पूरक एवं पारस्परिक रूप से मजबूत हैं।

घोषणा के अनुसार अंतरराष्ट्रीय कानून के आधार पर एक समग्र दृष्टिकोण आतंकवाद का प्रभावी ढंग से मुकाबला कर सकता है। आतंकवादी समूहों को सुरक्षित आश्रय, संचालन, आवाजाही और भर्ती की स्वतंत्रता के साथ-साथ वित्तीय, भौतिक या राजनीतिक समर्थन से वंचित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग की प्रभावशीलता बढ़ाने के प्रयासों को मजबूत किया जाना चाहिए।

घोषणा में कहा गया, हम आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों की निंदा करते हैं, जिसमें ज़ेनोफोबिया, नस्लवाद तथा असहिष्णुता के अन्य रूपों के आधार पर या धर्म या विश्वास के नाम पर आतंकवाद शामिल है। साथ ही, शांति के लिए सभी धर्मों की प्रतिबद्धता को मान्यता देते हैं।

इसमें कहा गया, आतंकवाद अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए सबसे गंभीर खतरों में से एक है। घोषणापत्र में जी-20 नेताओं ने छोटे हथियारों और हल्के हथियारों की अवैध तस्करी तथा विचलन के बारे में चिंता व्यक्त की गयी। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे से निपटने के लिए राज्यों के बीच अंतरराष्ट्रीय सहयोग महत्वपूर्ण है।

आंध्र प्रदेश के पूर्व मु.मंत्री चंद्रबाबू नायडू को सी.आई.डी. ने तड़के तीन बजे गिरफ्तार किया

पुलिस और सी.आई.डी. की टीम पूर्व मु.मंत्री नायडू के आवास पर बिना इजाजत घुस गई और उन्हें सोते से उठा लिया

- आंध्र प्रदेश के डी.आई.जी. ने बताया कि, पूर्व मु.मंत्री को आंध्र प्रदेश कौशल विकास निगम घोटाला के मामले में गिरफ्तार किया गया है, वे इस केस में पहले आरोपी हैं। उन्हें इस केस के सिलसिले में एक नोटिस सौंपा गया था। गिरफ्तारी के बाद उन्हें विजयवाड़ा शिफ्ट किया जायेगा।
- पुलिस नायडू के आवास पर मौजूद टी.डी.पी. के कार्यकर्ताओं के भारी विरोध का सामना करना पड़ा। इस दौरान अधिकारियों और नायडू के समर्थकों के बीच हल्की झड़प भी हुई। इस मामले में 2021 में एफ.आई.आर. दर्ज की गई थी।

नई दिल्ली, 9 सितम्बर। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू को राज्य की पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उनकी पार्टी टीडीपी के एक प्रवक्ता ने कहा कि तेलुगु देशम पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री को शनिवार तड़के नांदयाल पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। नांदयाल रेंज के डी.आइ.जी. रघुरामी रेड्डी और सी.आई.डी. के नेतृत्व में पुलिस की संयुक्त टीम ने उन्हें हिरासत में लेने के लिए सुबह करीब तीन बजे आर.के. फंक्शन हॉल में चंद्रबाबू नायडू के शिविर पर पहुंची। वह उस समय अपने कारवां में आराम कर रहे थे।

मौके पर भारी संख्या में मौजूद टी.डी.पी. कार्यकर्ताओं ने पुलिस का विरोध किया। चंद्रबाबू नायडू की सुरक्षा कर रहे एस.पी.जी. ने भी पुलिस को नियमों का पालन करने की सलाह दी। एस.पी.जी. ने कहा कि सुबह 5.30 बजे तक किसी को भी उनके पास पहुंचने की अनुमति नहीं दे सकते हैं। इसके बाद सुबह लगभग 6 बजे पुलिस ने नायडू के वाहन का दरवाजा खटखटाया। उन्हें नीचे उतारा और गिरफ्तार कर लिया। डी.आइ.जी. ने बताया कि उन्हें आंध्र प्रदेश कौशल विकास निगम घोटाले में गिरफ्तार किया जा रहा है, जिसमें वह पहले आरोपी हैं। उन्हें एक नोटिस उन्हें सौंपा गया था। गिरफ्तारी के बाद उन्हें विजयवाड़ा शिफ्ट किया जा रहा है।

उन्हें आपराधिक प्रक्रिया संहिता की धारा 50 (1) (2) के तहत नोटिस जारी किया गया था। पुलिस ने चंद्रबाबू नायडू को बताया कि उन्हें धारा 120 (8), 166, 167, 418, 420, 465, 468, 471, 409, 201, 109 आर.डब्ल्यू. 34 और 37 आई.पी.सी. और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की अन्य धाराओं के तहत गिरफ्तार किया जा रहा है। यह एक गैर जमानती अपराध है। उन्हें जमानत पर रिहा नहीं किया जा सकता है। सी.आई.डी. के पुलिस उपाधीक्षक एम धनुंजयुडु द्वारा जारी नोटिस के मुताबिक, नायडू केवल अदालत के माध्यम से जमानत मांग सकते हैं।

भ्रष्टाचार के आरोप में शनिवार की सुबह आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और टी.डी.पी. प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू को सी.आई.डी. ने गिरफ्तार कर लिया। इस मामले पर सियासी हंगामा भी मच गया है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा है कि सी.आई.डी. ने बिना किसी उचित जानकारी के उनकी गिरफ्तारी की। साथ ही उन्होंने यह भी आरोप लगाया है कि सी.आई.डी. ने सबूत दिखाने से भी इनकार कर दिया। पुलिस द्वारा हिरासत में लिए जाने से पहले मीडियाकर्मियों से बात करते हुए नायडू ने कहा, मैंने कोई चोरी या भ्रष्टाचार नहीं किया है। सी.आई.डी. ने बिना किसी उचित जानकारी के मुझे गिरफ्तार कर लिया। मैंने उनसे सबूत दिखाने को कहा लेकिन उन्होंने सबूत दिखाने से इनकार कर दिया। मेरी भूमिका के बिना मेरा नाम एफ.आई.आर. में जोड़ दिया।

टी.डी.पी. प्रमुख को कौशल विकास घोटाला मामले में कथित तौर पर आंध्र प्रदेश के आपराधिक जांच विभाग (सी.आई.डी.) ने हिरासत में लिया। इस मामले में 2021 में एफ.आई.आर. दर्ज किया गया था।

आज सुबह जैसे ही पुलिस टी.डी.पी. प्रमुख को गिरफ्तार करने पहुंची, उन्हें टी.डी.पी. कार्यकर्ताओं के विरोध का सामना करना पड़ा। गिरफ्तारी के दौरान अधिकारियों और नायडू के समर्थकों के बीच हल्की झड़प भी हुई। नायडू को इस मामले में आरोपी नंबर 1 के रूप में शामिल किया गया है।

आंध्र के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू को मैडिकल जांच के लिए नंद्याल अस्पताल ले जाना था, लेकिन उन्होंने अस्पताल जाने से इनकार कर दिया। इसके बाद एक शिविर में उनका मैडिकल चेक-अप किया गया। नायडू को सड़क मार्ग से नंद्याल से विजयवाड़ा ले जाया गया। पहले खबरें थीं कि पुलिस उन्हें फ्लाइट से ले जाएगी।

नायडू को दिए गए नोटिस में सी.आई.डी. की आर्थिक अपराध शाखा (ई.ओ.डब्ल्यू.) के पुलिस उपाधीक्षक एम. धनुंजयुडु ने कहा, "आपको सूचित किया जाता है कि आपको सुबह छह बजे नंदयाल शहर के ज्ञानपुरम स्थित मूलसागरम के आवास आर के फंक्शन हॉल से गिरफ्तार कर लिया गया है और यह एक गैर-जमानती अपराध है।"

खड़गे को...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रधानमंत्री और राज्यों के मुख्यमंत्री आमंत्रित हैं।

खड़गे के अपमान के विरोधी में, कर्नाटक, राजस्थान व छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री राष्ट्रपति द्वारा दिए गए रात्रिभोज में शामिल नहीं हो रहे हैं। भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के अलावा, ममता बनर्जी, नीतीश कुमार, एम.एल. स्टालिन तथा आप नेता अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान मुख्यमंत्री होने के नाते डिनर में शामिल हो रहे हैं।

निमंत्रण प्राप्त होने के बावजूद, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह एवं एच.डी. देवेगौड़ा "खराब स्वास्थ्य" के कारण रात्रिभोज में शामिल नहीं होंगे।

आज पायलट...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मुख्यमंत्री को कहीं भी स्टेट प्लेन ले जाने के लिए अनुमति की आवश्यकता नहीं होती, केवल प्राइवेट चार्टर्स के लिए अनुमति आवश्यक होती है।

प्रियंका गाँधी मध्य प्रदेश में पार्टी का चुनाव अभियान शुरु कर चुकी हैं और अब राजस्थान की बारी है। माना जा रहा है कि, प्रियंका की निवाई सभा सफल होगी, क्योंकि सचिन पायलट का टोंक विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र बगल में ही है।

मोरक्को में भयानक भूकम्प, 1037 लोगों की मौत

हजारों मकान धराशाही हुये, 1024 अन्य लोग गम्भीर रूप से घायल हुये

- घायलों में 720 लोगों की हालात गम्भीर है।
- भूकम्प के झटके इतने तेज थे कि, घरों-मकानों के अलावा पहाड़ों और चट्टानों में भी दरारें आ गईं।

रबात, 9 सितंबर (वार्ता)। मोरक्को में भूकंप से मरने वालों की संख्या बढ़कर 1,037 हो गई है जबकि 1,204 अन्य लोग घायल हो गए हैं। अल-अरबिया ब्रॉडकास्टर ने शनिवार को मोरक्को के आंतरिक मंत्रालय के आंकड़ों का हवाला देते हुए रिपोर्ट दी। पहले की रिपोर्टों में कहा गया था कि 820 मौतें हुईं और 672 घायल हुए। प्रसारणकर्ता ने बताया कि घायलों में करीब 720 लोगों की हालत गंभीर है।

यूरोपीय-भूमध्यसागरीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने कहा कि शुक्रवार देर रात मोरक्को में 839,000 लोगों की आबादी वाले मराकेश शहर से 77 किलोमीटर (48 मील) दक्षिण-पश्चिम में 6.9 तीव्रता का भूकंप आया।

स्थानीय मीडिया ने बताया कि भूकंप से तरौदंत और मराकेश शहरों में कई घर ढह गए। भूकंप के झटके रबात और कैसाब्लांका सहित मोरक्को के कई शहरों में महसूस किये गए।

मराकेश में रहने वाले एक विदेशी चीनी झांग काई ने कहा, भूकंप ने भूकंप के केंद्र के निकटतम बड़े शहर, मराकेश के पुराने शहर में कई इमारतों को क्षतिग्रस्त कर दिया, और कई निवासियों को संभावित झटकों के डर से खुली जगह में रात बितानी पड़ी। मराकेश से लगभग 190 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में ऑउरज़ाज़ेट में भूकंप के बाद निवासियों को खुली जगह पर शरण लेते देखा गया। ऑउरज़ाज़ेट से भूकंप के केंद्र तक रास्ते में पहाड़ों और इमारतों से चट्टानें और मलबे सड़क पर बिखरे हुए देखे गए।

स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार जीवित बचे लोगों की तलाश के लिए बचावकर्मियों को भूकंप प्रभावित इलाकों में भेजा गया है। भूकंप से यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल मदीना के कुछ हिस्सों को नुकसान पहुंचने की सूचना मिली है।

इस बीच भारत की राजधानी दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन के मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय मोरक्को की सहायता के लिए सामने आएगा। स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने 'मोरक्को के लोगों के प्रति एकजुटता और समर्थन' देने का वादा किया है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन ने कहा कि वह इस खबर से 'हताश' हैं और उन्होंने मोरक्को को सहायता करने का आश्वासन दिया।

नई दिल्ली घोषणा पर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हुआ। भारत के जी-20 शेरपा अमिताभ कांत ने कहा कि इसे 100 प्रतिशत सर्वसम्मति मिली है। जी-20 नई दिल्ली नेताओं की घोषणा को पश्चिमी देशों के नरम रूख के रूप में देखा जा रहा है जो यूक्रेन युद्ध के संदर्भ मे रूस की भूमिका पर कड़ी भाषा का प्रयोग करना चाहते थे।

इस समझौते का अर्थ है कि युद्ध पर जी-20 की स्थिति लगभग वैसी है जैसी पर गत वर्ष इंडोनेशिया में सहमति हुई थी। जब ज्यादातर सदस्यों ने कड़ाई से युद्ध की निंदा की और विश्व के सर्वाधिक शक्तिशाली गुटों में से एक को मानना पड़ा था कि स्थिति के अन्य आंकलन भी हैं। इस बार भारतीय वार्ताकारों के नेतृत्व में जी-20, 2023 घोषणा ने पुष्टि कर दी है कि जी-20 अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक सहयोग का शीर्ष मंच है, भूराजनैतिक और सुरक्षा मुद्दों को सुलझाने का मंच नहीं।

इस प्रतिष्ठित समूह के सदस्यों को धन्यवाद देते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक्स पर लिखा "आज जी-20 नेताओं के सम्मेलन में घोषणा को अधिकृत रूप से अंगीकार कर लिया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा मानव केन्द्रित वैश्वीकरण पर बल और ग्लोबल साउथ के बारे में हमारी चिंताओं को स्वीकार किया गया है। मैं जी-20 के सभी सदस्यों को उनके सहयोग और समर्थन के लिए धन्यवाद देती हूं।

भारत के जी-20 शेरपा अमिताभ कांत ने इस घोषणा को ऐतिहासिक और लीक से हटकर बताया और कहा कि विकास और भू राजनीति के सभी मुद्दों पर 100 प्रतिशत सहमति हुई। भू राजनीति का उल्लेख रूस-यूक्रेन युद्ध की पृष्ठभूमि में महत्वपूर्ण है। कांत ने एक्स पर पोस्ट किया, "ऐतिहासिक और लीक से हटकर जी-20 घोषणा पत्र जिसमें सभी विकास एवं भूराजनैतिक मुद्दों पर 100 प्रतिशत सहमति बनी। आज नए भू राजनैतिक परिच्छेद हमारी पृथ्वी, लोग, शांति और समृद्धि की पुकार हैं। जो आज के विश्व में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व को प्रदर्शित करता है।

'नियमों का उल्लंघन कर खदान आवंटित कर रही हैं केन्द्र और सभी सरकारें'

- सुप्रीम कोर्ट के वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि, यह कदम भावी पीढ़ी के लिए बहुत ही खतरनाक है, इससे लाखों लोग और स्थानीय आदिवासी अपनी जमीन से बेदखल किये जा रहे हैं।

पुरी, 9 सितंबर (वार्ता)। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि, जिस प्रकार से केंद्र और राज्य सरकारें कानून के सभी मानदंडों का उल्लंघन कर कुछ कंपनियों को खदानें आवंटित कर रही हैं, वह बहुत खतरनाक है।

प्रशांत भूषण ने शनिवार को बेलादल गांव में ग्रामीणों और सामाजिक कार्यकर्ताओं की एक विशाल सभा को संबोधित करते हुए कहा कि, अगर यह सिलसिला जारी रहा, तो हमारी भावी पीढ़ी के लिए बहुत कम खनिज बचेंगे और लाखों लोग अपनी भूमि से बेदखल हो जाएंगे।

दिग्गज वकील ने नियामगिरी, काशीपुर और बालनगीर (ओडिशा) का हवाला देते हुए कहा कि,कंपनियों को सुविधा प्रदान करने के लिए मूल आदिवासियों को बेदखल किया जा रहा है, इससे राज्य या कंपनी को लंबे समय तक मदद नहीं मिलेगी क्योंकि अधिकांश प्राकृतिक संसाधन खत्म हो जाएंगे।

प्रशांत भूषण जल, जंगल और जमीन को बहाल करने के लिए शीर्ष अदालत में उनके मामले की पैरवी कर रहे हैं। उन्होंने (प्रशांत भूषण) राज्य सरकार के खिलाफ अदालत की अवमानना का मामला दायर किया है क्योंकि उसने उच्चतम न्यायालय के आदेश का पालन नहीं किया। उन्होंने कहा कि, शीर्ष अदालत ने राज्य सरकार को अवैध खनन करने वाली कंपनियों से 20,000 करोड़ रुपये एकत्रित करने का निर्देश दिया था लेकिन कई वर्ष बीत जाने के बाद भी राज्य सरकार 17,000 करोड़ रुपये ही एकत्रित कर सकी है और 3,000 करोड़ रुपये अभी तक एकत्रित नहीं हुए हैं।

सामाजिक कार्यकर्ता मेधा पाटकर ने कहा कि प्राकृतिक वनस्पति और जीव सभी जीवित प्रजातियों की जीवन रेखा के रूप में काम करते हैं। मूल निवासी पूरे देश में अपने जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकारों ने उन्हें विभिन्न आपराधिक मामलों में फंसाकर जेल में डाल दिया है। प्राकृतिक संसाधन मूल निवासियों का अधिकार है और इन संसाधनों की रक्षा करने की कोशिश करना कोई अपराध नहीं है।

22 जनवरी को हो सकती है राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा

काशी के विद्वानों ने प्राण प्रतिष्ठा के लिए जो तीन मुहूर्त निकाले हैं उनमें से 22 जनवरी सर्वोत्तम है, हालांकि तारीख पर अंतिम मुहर प्रधानमंत्री कार्यालय से ही लगेगी

- प्राण प्रतिष्ठा को लेकर शनिवार को अयोध्या में पूरे दिन बैठकों का दौर चला। जन्मभूमि परिसर में मंदिर निर्माण समिति की बैठक में निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई।
- इस बैठक में संघ के सह सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबले व पूर्व सरकार्यवाह भैयाजी जोशी भी शामिल हुये।

अयोध्या, 9 सितम्बर। रामनगरी में तैयार हो रहे भव्य मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को हो सकती है। काशी के विद्वानों ने प्राण प्रतिष्ठा के लिए जो तीन मुहूर्त निकाले हैं उनमें से 22 जनवरी सर्वोत्तम है। इसी के आधार पर अनुमान लगाया जा रहा है कि उसी दिन प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। हालांकि तारीख पर अंतिम मुहर प्रधानमंत्री कार्यालय से ही लगेगी।

प्राण प्रतिष्ठा को लेकर शनिवार को अयोध्या में पूरे दिन बैठकों का दौर चला। जन्मभूमि परिसर में मंदिर निर्माण समिति की बैठक में निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई। दूसरी तरफ रामकोट स्थित श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट के कार्यालय में विहिप के शीर्ष मंडल की बैठक में प्राण प्रतिष्ठा की तैयारियों पर मंथन किया गया। यहां प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में पूरे भारत से लोगों को अयोध्या लाए जाने पर चर्चा हुई।

ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा कि प्राण प्रतिष्ठा का महोत्सव 5 लाख गांव तक कैसे पहुंच सके इसको लेकर विचार चल रहा है। उन्होंने कहा कि समारोह में सबसे ज्यादा फोकस भीड़ नियंत्रण को लेकर है। अयोध्या में इतनी भीड़ आएगी तो अनुशासन बना रहे इस पर क्या रूपरेखा तैयार की जाय इस पर विचार हुआ।

बताया कि विहिप की केंद्रीय टोली व प्राण प्रतिष्ठा प्रबंधन समिति की बैठक 10 व 11 को भी होगी। इसके लिए विहिप के बड़े पदाधिकारी अयोध्या आ रहे हैं। विहिप की बैठक में शनिवार को संघ के सह सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले व पूर्व सरकार्यवाह भैयाजी जोशी भी शामिल रहे।

चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी की कड़ी आलोचना

विजयवाड़ा, 9 सितंबर (वार्ता)। तेलुगु देशम पार्टी (टी.डी.पी.) के प्रमुख और आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एन.चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी की आंध्र प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी समेत सभी विपक्षी दलों ने कड़ी निंदा की है जिसमें जन सेना, कांग्रेस और वामपंथी दल भी शामिल हैं। 73 वर्षीय नायडु को शनिवार सुबह राज्य की सी.आई.डी. पुलिस ने कथित कौशल विकास निगम घोटाले में गिरफ्तार किया है। नायडू को सीआईडी पुलिस ने नंदयाल शहर के ज्ञानपुरम से सुबह लगभग 6 बजे गिरफ्तार किया जिसके बाद उन्हें विजयवाड़ा में एसआईटी कार्यालय भेज दिया गया। सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद उन्हें रात में यहां की एसीबी अदालत में पेश किए जाने का अनुमान है। अपनी गिरफ्तारी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, नायडू ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में कहा कि पिछले 45 वर्षों से मैंने निस्वार्थ भाव से तेलुगु लोगों की सेवा की है।

जी-20 की दिल्ली...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जिनमें से 7 पैराग्राफों में इस समस्या की चर्चा समाहित है। जयशंकर ने कहा कि घोषणा में "इस्ताम्बुल समझौते" का उल्लेख है जिसमें काला सागर के बंदरगाहों से अनाज की निर्विवाद सप्लाई सुनिश्चित करने की कोशिश निहित है। पश्चिम और चीन एवं रुस के बीच आ चुकी दुश्मनी के चलते, यह बात असंभव मानी जा रही थी।

नेताओं के इस सम्मेलन के पहले दिन स्वयं प्रधानमंत्रई नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली घोषणा के अंगीकरण की घोषणा की थी। उन्होंने उस टीम को बधाई दी थी जिसने इस सर्वसम्मत घोषणा को तैयार करने के लिये मेहनत की थी। यह शेरपाज' वर्किंग ग्रुप की पिछले कई महीनों से चल रही मीटिंगों का चरम बिन्दु था।

ऋषि सुनक ने इस सम्मेलन में रुस की निंदा कराये जाने का वादा किया था। भारत इसके पक्ष में नहीं था। बाली घोषणा पश्चिमी देशों को स्वीकार्य नहीं थी। विदेश मंत्री जयशंकर ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की गैर मौजूदगी के मुद्दे पर ज्यादा कुछ कहने से साफ इनकार कर दिया था। उनसे पूछे गए सीधे-सपाट सवाल, कि क्या शी की गैर मौजूदगी भारत का अपमान है, के जवाब में जयशंकर ने कहा कि सम्मेलन में उपस्थित होने के बारे में निर्णय लेना सहभागी देशों का परमाधिकार था। उन्होंने जोर देते हुये कहा कि चीन कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर सहयोग-समर्थन करता रहा है।

इस घोषणा के लिये सबसे मुश्किल काम यूक्रेन युद्ध एवं उससे सम्बंधित रुस के रुख को लेकर विभिन्न राष्ट्रों के बीच के मतभेदों पर विजय पाना था। एक तरफ तो अमेरिका के नेतृत्व वाले विरोधी खेमे तथा दूसरी तरफ रुस और चीन के समर्थकों के बीच हुये विचार-विमर्श के दौरान उत्तेजनापूर्ण स्थितियाँ भी देखी गईं।

यूक्रेन के राष्ट्रपति ब्लादिमिर ज़ेलेन्स्की को आमंत्रित किये जाने के भी प्रस्ताव थे। कहने की आवश्यकता नहीं कि रुस ने इनका विरोध किया था तथा अमेरिका के नेतृत्व में पश्चिमी देशों ने इस बिन्दु को आगे बढ़ाया था। रुस के यूक्रेन पर हमले से लेकर कई महीनों तक इन मुद्दों को लेकर भारत पर टाम-मटोल करने तथा गोल-मोल बात कहने के आरोप भी लग चुके हैं।

इस टाल-मटोल के परिणाम जो भी रहे हों लेकिन दिल्ली घोषणा बाली घोषणा से उन्नत एवं आगे की चीज कही जा सकती है।

आर.एस.एस. की...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

होंगे। इनमें भाजपा, विश्व हिन्दू परिषद, वनवासी कल्याण आश्रम, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, विद्या भारती, भारतीय किसान संघ, संस्कार भारती, सेवा भारती और संस्कृत भारती प्रमुख है। बैठक में सामाजिक सद्भाव, पर्यावरण पारिवारिक मूल्यों, सामाजिक राष्ट्रीय सुरक्षा पर चर्चा होंगी।

साथ ही देश की राजनैतिक स्थिति पर भी विचार विमर्श होगा। शाह व नड्डा भाजपा संघ प्रमुख को भाजपा की चुनावी रणनीति की जानकारी देंगे। संघ प्रमुख मोहन भागवत व संघ के महासचिव दत्तात्रेय होसाबाले के साथ शाह व नड्डा आगामी विधानसभा चुनावों पर चर्चा करेंगे।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908